@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
मंगलवार, 14 मई 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 17 अंक 174 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

पहले अपना मैथ ठीक कर आंकड़ों का जोड़-घटाव सीख लें जयराम ठाकुर

शिमला, 13 मई। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि नेता विपक्ष जयराम ठाकुर अपना मैथ ठीक कर आंकड़ों का जोड़-घटाव सीख लें। 62 सदस्यों वाली विधानसभा में अभी कांग्रेस के 34 सदस्य हैं। सरकार के पास बहुमत का आंकड़ा है। 6 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव हो रहा है। आने वाले समय में तीन निर्दलीय विधायकों की सीटों पर भी चुनाव होगा। सोमवार को शिमला संसदीय सीट से कांग्रेस प्रत्याशी विनोद सुल्तानपुरी के नामांकन के बाद चौड़ा मैदान में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार की साढ़े तीन साल और फिल्म चलेगी। 2027 में इसका पार्ट टू आएगा। हम ब्रिफकेस वाले नहीं, जनबल वाले हैं। चौड़ा मैदान में हुई जनसभा में मुख्यमंत्री सुक्खू भाजपा पर जमकर बरसे। उन्होंने कहा कि अब जनता की अदालत में एक जून को मतदाता लोकतंत्र के भविष्य और देश की राजनीति की दिशा और दशा तय करने के लिए मतदान करेंगे। भाजपा ने जनता की भावनाओं का सौदा किया है। भाजपा की करतूत से एक बार फिर 6 विधानसभा सीटों पर जनता की अदालत में जाना पड़ रहा है। भाजपा को एक बार फिर मुंह की खानी पड़ेगी। छह विधायक जनता की ओर से दिए गए समर्थन का मान-सम्मान नहीं रख सके। कहा कि भाजपा को प्रदेश की जनता ने वोट के रास्ते से बाहर किया है, उसी भाजपा ने नोट से सरकार को गिराने का प्रयास किया। लेकिन वह इस षड्यंत्र में कामयाब नहीं हुए, अब कांग्रेस एक बार फिर 15 माह के कार्यकाल को जनता की अदालत में लेकर जा रही है।

पाकिस्तान ने अगर चूड़ियां नहीं पहनी तो पहना देंगे: पीएम

सिम्मी कौर बब्बर

पटना, 13 मई। पीएम मोदी दो दिवसीय दौरे पर बिहार आए हैं। रविवार शाम को उन्होंने पटना में दो किलोमीटर लंबा रोड शो किया। इसके बाद राजभवन में विश्राम किया। सोमवार को उन्होंने हाजीपुर में जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने कहा कि हमारे देश में आरक्षण का एक बहुत बड़ा वर्ग है जिसे आरक्षण का लाभ नहीं मिला। राजपूत और ब्राह्मण समाज में भी गरीब लोग हैं। इसलिए मैंने इन समाज के गरीबों को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया। आप देखिए मैंने किसी का आरक्षण लूटकर इन्हें आरक्षण नहीं दिया। मैंने सबको साथ लेकर सामान्य वर्ग को आरक्षण दिया। किसी दुखी नहीं किया। लेकिन, यह लोग धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। कांग्रेस आपकी संपत्ति का एक्स-रे करवाना चाहती है। आपकी कमाई, घर और जमीन तक छीन लेंगे। यह लोग विरासत कर लगाकर आपकी संपत्ति छिनना चाहते हैं। पीएम मोदी ने सारण से भाजपा प्रत्याशी राजीव प्रताप रूडी के पक्ष में वोट मांगा। पीएम मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वालों ने कैसे-कैसे सपने देखे। यह मुंगेरी लाल के हसीन सपना देख रहे हैं इनकी सरकार बनेगी तो हर साल एक प्रधानमंत्री। पांच साल में पांच प्रधानमंत्री। आप बताइए पांच साल में पांच प्रधानमंत्री से देश का भला होगा क्या? पांच साल पांच प्रधानमंत्री हमारा सिर फोड़ेंगे क्या। अपना

वजूद बचाने के राजद और कांग्रेस तुष्टिकरण की जिद पर अड़े हैं। इनलोगों ने आपका आरक्षण छीनकर धर्म के आधार पर आरक्षण देना चाहते हैं। आप कल्पना कर सकते हैं जिस राजद को पिछड़ों ने सबकुछ दिया, वही राजद पिछड़ों के साथ सबसे बड़ा विश्वासघात करने वाली पार्टी बन गई है। इसलिए मैं बिहार के हर पिछड़े दलित और आदिवासी को गारंटी देता हूं कि यह जंगलराज वाले कोशिश कर लें लेकिन मोदी आरक्षण की लूट नहीं होने देगा। वंचितों का जो अधिकार है, मोदी उसका चौकीदार है। पीएम मोदी ने कहा कि मैं जब भी बिहार आता हूं तो राजद को कहता हूं कि वह अपने काम पर जनता से वोट मांगे। राजद ने कितने अपहरण कराए। कितने उद्योगों को चौपट किया। कितने तरह के घोटाले कराए। राजद वालों इसी तरह के पोस्टर लगाने चाहिए और इसके आधार पर वोट मांगना चाहिए। बिहार में जंगलराज लाने वालों का यही एक रिपोर्ट कार्ड है। मैं इन जंगलराज वालों से यह भी कहूंगा कि नीतीश कुमार ने नेतृत्व में जो काम हुए, उसके आधार झूठ बोलकर वोट मत मांगिए। आपके पास राजद वाले आए तो एक बार सोच लीजिएगा कि जंगलराज में क्या क्या होता था? पहली बार मतदान कर रहे लोगों से मैं कहता हूं कि आप अपने घर के बुजुर्गों से पूछिए जंगलराज में कैसे-कैसे दिन उन्होंने देखे। शाम को वह घर से नहीं निकल पाते थे। पीएम मोदी ने कांग्रेस और राजद जनता को बुड़बक समझी है क्या? यह पब्लिक है सब जानती है। कांग्रेस ने इतने सालों को गरीबों का पेट नहीं भरने दिया। गरीब और गरीब होते जा रहा था। देश की अर्थव्यवस्था बदहाल हो रही थी। यह लोग घोटाले करके अपनी तिजौरियां भर रहे थे लेकिन गरीबों की चिंता इनलोगों ने नहीं की। मोदी ने गारंटी दिया कि कोई गरीब भूखा नहीं सोएगा। गरीब के घर का चूल्हा जलता रहेगा। आज 80 करोड़ देशवासियों को मुफ्त में राशन पहुंच रहा है। चार करोड़ गरीबों के लिए पक्के घर बनाया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत विकास की नई ऊंचाइ को छुए, यह इस चुनाव में तय होने वाला है। आपका यह मोदी, आपका सेवक है। और मामूली सेवक नहीं है। यह 24 घंटे सातों दिन काम करने वाला सेवक है। आपके सपने ही मेरा संकल्प है। आपने मुझे एक जिम्मेदारी दी। मैं इस जिम्मेदारी को बहुत ईमानदारी से निभा रहा है। उतनी ही ईमानदारी से मैं देश के लोगों को अपना रिपोर्ट कार्ड दे रहा हूं। देश देख रहा है कि कि मोदी ने पिछले 10 साल में कांग्रेस के 60 साल से ज्यादा विकास करके दिखाया है।

पीओके भारत का हिस्सा है और रहेगा

तेजिन्दर कौर बब्बर

मुंबई, 13 मई। दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक महोत्सव की शुरुआत हो गई है। आज लोकसभा चुनाव के चौथे चरण के लिए मतदान हो रहा है। इस बीच, विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भारत और यूके के बीच मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) वार्ता पर बात की। वहीं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का रुख स्पष्ट है। एक दिन हम पीओके के अवैध कब्जे को खत्म करके और इसे वापस भारत में मिला देंगे। विदेश मंत्री ने मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हम अपनी मुद्रा यानी भारतीय रुपये में व्यापार करने पर जोर दे रहे हैं। भाजपा नेता जयशंकर ने कहा, भारत और ब्रिटेन वर्तमान में एक मुक्त व्यापार समझौते पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं और उम्मीद है कि दोनों पक्ष ऐसी सहमति पर पहुंचेंगे जो दोनों के लिए काम करेगी। हमें विश्वास है कि हम इसे आगे ले जाने की कोशिश करेंगे। हम निश्चित रूप से इसे आगे ले जाने के बारे में बहुत गंभीर हैं। मेरी उम्मीद है कि अगले कार्यकाल में अगर सब

कुछ ठीक रहा तो यह हमारी व्यापार प्राथमिकताओं में से एक होगा। मोदी सरकार की उपलब्धियों को रेखांकित करते हुए जयशंकर ने कहा, मोदी सरकार का रुख स्पष्ट है। वहीं संसद का प्रस्ताव भी है कि पीओके भारत का हिस्सा है, यह हमेशा भारत का हिस्सा था और यह भारत का हिस्सा होगा। हमारा लक्ष्य है कि एक दिन हम पीओके को कब्जे से मुक्त करा लेंगे और इसे वापस भारत में मिला देंगे। उन्होंने आगे कहा, हालांकि इस मुद्दे पर विपक्ष के विचार अलग हैं। चाहे फारूक साहब हों या मणिशंकर अय्यर, वे पाकिस्तान के परमाणु हथियारों से इतने डरे हुए हैं कि वे सोचते हैं कि हमें पीओके के बारे में बात नहीं करनी चाहिए। भारत के लिए यूएनएससी सीट पर विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने कहा, आज संयुक्त राष्ट्र में सुधार और भारत की उम्मीदवारी का समर्थन करने के पक्ष में लोग हैं। वैश्विक स्तर पर लोगों का रुख भारत की ओर बढ़ रहा है। हमें उम्मीद है कि वार्ता पहले की तुलना में थोड़ी अधिक गंभीर हो गई है। विदेश मंत्री ने कहा, चीन ने 1958-1962 के बीच भारत की जमीन ले ली। जब आप कहते हैं कि ज़मीन चीन ने ले ली, तो कृपया समझें कि यह जमीन 1962 में कब्जाई गई थी। मुझे देश को गुमराह करने की कोशिशें दिख रही हैं।

खटाखट योजना की लागत के बारे में कुछ पता है, कैसे लागू करेंगे?

नई दिल्ली, 13 मई। केंद्रीय वित्त मंत्री ने कांग्रेस के घोषणा पत्र पर आश्चर्य जताया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने वादा किया कि वे गरीबी रेखा से नीचे के परिवारों की महिलाओं को एक लाख रुपये देंगे। क्या राहुल गांधी को इस योजना को लागू करने की लागत के बारे में कुछ पता है। वित्त मंत्री ने गांधी को चुनौती दी है कि वे जनता को बताएं कि आखिर कैसे वे अपनी योजनाओं को लागू करेंगे। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर सोमवार को एक पोस्ट किया। पोस्ट में उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार के राजकोषीय प्रबंधन (कर्ज) के बारे में बहुत कुछ कहा गया। कई बार हमारी जीडीपी वृद्धि की ऋण गणना के आधार से तुलना की गई। मैं कांग्रेस के उलट एक स्पष्ट तस्वीर रखना चाहूंगी, जो कांग्रेस के ऊंचे-ऊंचे वादों के पीछे छिप गई है। वह गैर पारदर्शी है और वास्तविकता से अलग है। केंद्रीय मंत्री ने पोस्ट में कहा कि क्या कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में किए गए बड़े-बड़े वादों की लागत पर कुछ विचार किया है। क्या उन्हें कुछ पता है कि खटाखट योजनाओं की वित्तीय लागत कितनी होगी। क्या वे अपनी योजनाओं को पूरा करने के लिए कर्ज लेंगे या टैक्स बढ़ाएंगे। उन्होंने कहा कि क्या राहुल गांधी खटाखट योजनाओं के चक्कर में कल्याणकारी योजनाएं को बंद कर देंगे। सीतारमण ने राहुल गांधी को चुनौती दी कि वे देश को बताएं कि कैसे बिना टैक्स बढ़ाए, उधार लिए और अर्थव्यवस्था को गिराए बिना कैसे वे अपनी फिजूलखर्ची योजना को लागू करेंगे। भारत के लोग इसका जवाब चाहते हैं।

अखिलेश, ओवैसी की किस्मत ईवीएम में कैद

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 13 मई। लोकसभा चुनाव 2024 के चौथे चरण का मतदान सोमवार (13 मई) को खत्म हो गया। इस चरण में 10 राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों से 1717 उम्मीदवार चुनाव मैदान में उतरे। चौथे चरण में 96 संसदीय क्षेत्रों में मतदान कराया गया है। चौथे चरण के लिए एक सीट पर चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों की औसत संख्या 18 है। जिन सीटों पर मतदान हुआ है, उनमें से कई सीटें ऐसी हैं जहां से दिग्गजों की प्रतिष्ठा दांव पर रही है। इनमें सपा प्रमुख अखिलेश यादव, पूर्व क्रिकेटर यूसुफ पठान और कीर्ति आजाद, अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा समेत कई केंद्रीय मंत्री और कई पूर्व मंत्री शामिल हैं। अखिलेश यादव- उत्तर प्रदेश की कन्नौज लोकसभा सीट इस चुनाव में एक चर्चित सीट बनी हुई है। कन्नौज लोकसभा सीट से सपा की तरफ से पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव चुनाव मैदान में हैं। यहां से भाजपा के सुब्रत पाठक अभी मौजूदा सांसद हैं। इस चुनाव में अखिलेश के सामने

भाजपा से सुब्रत पाठक और बसपा से इमरान बिन जफर हैं। 2019 लोकसभा चुनाव में कन्नौज सीट पर भाजपा से सुबत पाठक जीते थे। तब उन्होंने अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव को हराया था। उस चुनाव में यहां 62.9 त्न मतदान दर्ज किया गया था। अजय मिश्र टेनी- उत्तर प्रदेश की खीरी सीट भी चर्चा में बनी हुई है। यहां केंद्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र टेनी भाजपा के टिकट पर फिर मैदान में हैं। तिकुनिया कांड में किसानों की मौत मामले में उनके बेटे आशीष मिश्र का नाम आया था। इस चुनाव में सपा ने पूर्व विधायक उत्कर्ष वर्मा और बसपा ने पंजाबी समाज के अक्षय कालरा को उतारा है। पिछले चुनाव में खीरी सीट पर भाजपा के अजय मिश्र को जीत मिली थी। उस चुनाव में यहां 66.2त्न मतदान हुआ था। साक्षी महाराज- अपने बयानों के कारण चर्चा में रहने वाले साक्षी महाराज एक बार फिर उत्तर प्रदेश की उन्नाव सीट से भाजपा के उम्मीदवार हैं। उनके सामने कांग्रेस छोड़कर सपा में आईं अन्नू टंडन प्रत्याशी हैं। अन्नू टंडन सांसद रह चुकी हैं। बसपा के टिकट पर अशोक पांडेय चुनाव लड़ रहे हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव में साक्षी महाराज ने जीत का परचम लहराया था। उस चुनाव में उन्नाव सीट पर 57.8त्न मतदान हुआ था। नित्यानंद राय- मसालों के उत्पादन के लिए मशहूर बिहार के उजियारपुर से नित्यानंद राय चुनाव मैदान में हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रहे नित्यानंद मोदी सरकार में गृह राज्यमंत्री हैं। उनके सामने राजद नेता और पूर्व मंत्री आलोक कुमार मेहता हैं। 2019 में उजियारपुर सीट पर भाजपा के टिकट पर नित्यानंद राय को जीत मिली थी। उस चुनाव में यहां 61.9त्न वोटिंग हुई थी। गिरिराज सिंह- बिहार की बेगूसराय सीट से गिरिराज सिंह चुनाव लड़ रहे हैं। ग्रामीण विकास और पंचायती राज्य मंत्री गिरिराज के सामने इस बार भाकपा के अवधेश कुमार राय हैं। 2019 में बेगूसराय सीट पर भाजपा के गिरिराज सिंह ने भाकपा के कन्हैया कुमार को हराया था। उस चुनाव में यहां 64.1त्न मतदान हुआ था।

एकनाथ शिंदे के बयान को सिद्धारमैया ने नकारा

बंगलूरू, 13 मई। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के दावों को सिरे से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि कर्नाटक में महाराष्ट्र जैसा सत्ता परिवर्तन नहीं होने वाला है। महाराष्ट्र सीएम भ्रम में हैं। उन्होंने दावा किया कि उनका कोई भी विधायक बिकने को तैयार नहीं है। वहीं, कर्नाटक के उप मुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि शिंदे सरकार लोकसभा चुनावों के बाद ही अपना अस्तित्व खो देगी। दरअसल, हाल ही में महाराष्ट्र के सतारा में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा था कि लोकसभा चुनाव के बाद ही कर्नाटक में भी महाविकास अघाड़ी सरकार गिरने वाली है। कर्नाटक की अपनी हालिया यात्रा का जिक्र करते हुए शिंदे ने कहा था कि वहां ऑपरेशन नाथ (एकनाथ) की चर्चा है। शिंदे के इसी दावे पर सिद्धारमैया ने कटाक्ष किया है। उन्होंने कहा कि शिंदे भ्रम में हैं। वह दिन-दहाड़े सपने देख रहे हैं। वे किसी भी कीमत पर ऐसा नहीं कर पाएंगे। संसदीय चुनाव में एनडीए को करारी हार मिलने वाली है। 'क्या लोकसभा चुनाव के बाद सरकार गिरने की संभावना है' के सवाल पर उन्होंने कहा कि पिछले एक साल से भाजपा लगातार सरकार गिराने का प्रयास कर रही है लेकिन हर बार वे असफल हो रहे हैं। हमारा कोई भी विधायक बिकने को तैयार नहीं है। यहां महाराष्ट्र जैसा बदलाव होने की संभावना नहीं है। सीएम ने आगे दावा किया कि कांग्रेस के नेतृत्व वाला इंडी गठबंधन संसदीय चुनाव में जीत हासिल कर रहा है। हम सत्ता में आने वाले हैं। कर्नाटक में कुल 28 लोकसभा सीटों में से करीब 20 सीटों पर हम जीत दर्ज करेंगे।

लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 62.31 फीसदी मताधिकार का इस्तेमाल किया

सौरभ शर्मा

नई दिल्ली, 13 मई। देश में लोकसभा चुनाव के चौथे चरण में 62.31 फीसदी लोगों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया है। उत्तर 24 परगना के बनगांव में पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा, उन्होंने(प्रधानमंत्री) एक जनसभा में कहा मुसलमान का आरक्षण छीन लेंगे। कैसे छीन लेंगे? डॉ. भीमराव अंबेडकर ने संविधान की रचना की है, हम उस संविधान को बिखरने नहीं देंगे और ना ही मुस्लिम कभी ऐसा करेंगे क्योंकि वे(मुस्लिम) जानते हैं कि बहुसंख्यक, अल्पसंख्यक जातियां सभी अलग-अलग हैं। आपका आरक्षण वे(मुस्लिम) लोग कैसे ले लेंगे? यह बातें झूठी हैं, इतना झूठ कहते हैं। छोटा बच्चा भी अगर झूठ बोलता है तो उसकी मां उसे मारकर सही करती है लेकिन प्रधानमंत्री जैसे व्यक्तित्व अगर झूठ कहें तो क्या किया जाता है? तब उनके खिलाफ वोट करके, उन्हें वोट की चोट दी जाती है। ऐसे गही विचार वाले लोग ने देश बेच दिया, जाति बेच दी और मानवता बेच दी है। लोकसभा चुनावों के बीच कांग्रेस सांसद राहुल गांधी द्वारा भाजपा को खुली बहस की चुनौती देने के बाद भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने उन्हें पत्र लिखकर

चुनौती स्वीकार कर ली है। उन्होंने भारतीय जनता युवा मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिनव प्रकाश को बहस के लिए नामित किया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा, एक महिला सांसद के ऊपर अगर इस तरह की बात हुई तो आप के बाकी नेताओं को बोलना चाहिए। देश के जो बाकी बुद्धिजीवी जाग जाते थे, आज उन्हें भी जागकर बोलना चाहिए कि दिल्ली पुलिस इस मामले की जांच करे। किसने पीटा, किसने पिटवाया, क्या कारण थे? और ये फूट कहां तक जाएगी जब अरविंद केजरीवाल दो तारीख को फिर जेल जाएंगे। बरहामपुर से कांग्रेस सांसद और पार्टी उम्मीदवार अधीर रंजन चौधरी का कहना है, टीएमसी के गुंडे, कार्यकर्ता सड़कों पर कब्जा करने और लोगों के लिए समस्याएं पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मैंने चुनाव आयोग से उन्हें तितर-बितर करने का अनुरोध किया है लेकिन वे फिर से वापस आ जाते हैं। टीएमसी मतदान प्रतिशत कम करना चाहती है क्योंकि वे जानते हैं कि ज्यादातर लोग टीएमसी के खिलाफ मतदान कर रहे हैं, इसलिए वे मतदान प्रक्रिया में बाधा डालना चाहते हैं। हम उन्हें किसी भी बूथ पर कब्जा नहीं करने देंगे, न ही मैं बहरामपुर में टीएमसी को जीतने दूंगा। हैदराबाद लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार माधवी लता के खिलाफ मलकपेट पुलिस स्टेशन में [illegible] और जन प्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

बंगाल की महिलाएं उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश की तरह नहीं: ममता बोलीं

कोलकाता, 13 मई। संदेशखाली में महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं विवादों में है। इस बीच, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अपील की कि वे अत्याचार के बारे में झूठे दावे करके महिलाओं की गरिमा को चोट न पहुंचाएं। महिलाओं के आत्म सम्मान के साथ खिलवाड़ न करें। बोनगांव में एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए टीएमसी सुप्रीमो ने कहा कि पीएम मोदी को पता होना चाहिए कि पश्चिम बंगाल की स्थिति बीजेपी शासित राज्यों जैसी नहीं है। यह आपका उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश नहीं है। बंगाल में महिलाएं आत्म सम्मान और गरिमा के साथ रहती हैं। दरअसल, हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें भाजपा नेता को यह कहते हुए सुना जा सकता था कि संदेशखाली की पूरी घटना पहले से ही तय थी। वीडियो में दावा है कि संदेशखाली में महिलाओं पर अत्याचार का आरोप झूठा और मनगढ़ंत है। वीडियो में दिख रहे उस भाजपा नेता की पहचान संदेशखाली 2 ब्लॉक के मंडल अध्यक्ष गंगाधर कयाल के रूप में हुई थी। वायरल वीडियो में गंगाधर एक कमरे में कुर्सी पर बैठे नजर आ रहे थे। कोई उनसे सवाल पूछ रहा है और वह जवाब दे रहे हैं। वहीं, एक अन्य वीडियो में दुष्कर्म का आरोप लगवाने वाली महिलाएं दावा कर रही हैं कि भाजपा नेताओं ने उनसे एक कोरे कागज पर हस्ताक्षर कराए थे और उन्हें थाने ले जाने के लिए मजबूर किया था। हालांकि, अमर उजाला इस वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करता है। बनर्जी ने कहा कि पीएम मोदी ने कल कहा था कि सीएए बंगाल में लागू किया जाएगा। हमें समझ नहीं आता कि किसी को नागरिकता के लिए नए सिरे से आवेदन क्यों करना पड़ रहा है। क्यों किसी को 50 साल पुराने दस्तावेज दिखाने पड़ रहे हैं सिर्फ यह साबित करने के लिए कि उसका परिवार बांग्लादेश से आया है। अगर कोई व्यक्ति बिना शर्त आवेदन करे तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि भाजपा यहां एनआरसी और सीएए लागू करना चाहती है। मैं आखिरी सांस तक इसका विरोध करूंगी। मेरे शव पर ही एनआरसी लागू हो सकता है। सभा में उन्होंने कहा कि स्पष्ट है कि तीसरे चरण के मतदान के बाद इंडी गठबंधन ने 315 सीटें हासिल कर ली है। भाजपा 200 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पा रही।

वजूद बचाने को लड़ रहे राहुल-अखिलेश: मुख्यमंत्री धामी

नरेश मल्होत्रा

लखनऊ, 13 मई। लोकसभा चुनाव में धुआंधार प्रचार में जुटे उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी पर तंज कसते हुए कहा कि ये दोनों सरकार बनाने के लिए नहीं बल्कि अपना अस्तित्व बचाने के लिए चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी जब अपने परिवार की परंपरागत सीट अमेठी से चुनाव लड़ने का साहस नहीं जुटा सके तो समझा जा सकता है कि वे कितने कमजोर हैं। चुनावी प्रचार के सिलसिले में यूपी से महाराष्ट्र जाने से पहले अभिषेक गुप्ता ने पुष्कर सिंह धामी से विशेष बातचीत की, पेश हैं प्रमुख अंश..... जवाब- जनता नरेन्द्र मोदी को तीसरी वार प्रधानमंत्री बनाने के लिए संकल्पित है। दस वर्ष पहले और आज का भारत देख लीजिए। खुद ही गर्व महसूस करेंगे। अभी तक 200 सीटें खाते में आ चुकी हैं। सातवें चरण तक 200 से ज्यादा और सीटें हम जीतने जा रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यकाल शानदार है। विकास में यूपी बहुत आगे है। एक्सप्रेस वे हो या निवेश.. सभी में अव्वल है। कानून का राज है। जिसने इस प्रदेश की छवि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बदली है। यहां से पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में कहीं ज्यादा सीटें अकेले भाजपा जीतेगी। गर्मी के बावजूद लोग मोदी को पीएम बनाने के लिए घरों से निकल रहे हैं और आगे भी निकलेंगे। कम मतदान इंडी गठबंधन के लिए खतरा है। उनके समर्थक जान चुके हैं कि इंडी गठबंधन की सरकार दूर-दूर तक नहीं बनने जा रही। मोदी ने गरीब कल्याण और विकास के काम किए हैं। इसके साथ विपक्ष की साजिश भी सामने लाना जरूरी है। एक वर्ग विशेष की वकालत की जा रही है। इसीलिए मोदी कह रहे हैं कि अपने जीतेजी एक वर्ग विशेष के लिए आरक्षण लागू नहीं करने देंगे। राहुल और अखिलेश की जोड़ी सरकार के लिए नहीं बल्कि अपने परिवार और अपना अस्तित्व बचाने के लिए चुनाव लड़ रही है। जब राहुल अपनी परंपरागत सीट से चुनाव लड़ने का साहस नहीं जुटा सके। इसी से जमीनी हकीकत समझी जा सकती है। रहुल के बयान को गंभीरता से कोई नहीं लेता है तो वह सनातन धर्म पर हमले करने लगते हैं। सांप्रदायिकता का राग अलापने लगते

हैं। प्रधानमंत्री तो आरक्षण के पैरोकार हैं। संविधान दिवस उन्होंने शुरू कराया। विपक्ष के आरोपों में कोई दम नहीं है। हां, इंडी गठबंधन जरूर मुसलमानों को आरक्षण की पैरोकारी कर रहा है। आंध्र में ये शुरुआत वे कर चुके हैं। गठबंधन सहयोगी लालू प्रसाद कह रहे हैं कि मुसलमानों को आरक्षण मिलना चाहिए। बेल पर बाहर आए हैं और तीन जून को फिर जेल में होंगे। योगी आदित्यनाथ की कार्यशैली की पूरा देश-दुनिया कायल है। वर्ष 2029 का चुनाव भी हम पीएम मोदी के नेतृत्व में लड़ेंगे। उनकी बातें तर्कहीन और काल्पनिक हैं। सपा कभी राममंदिर के पक्ष में नहीं थी। ये वही पार्टी हैं जो रामभक्तों पर गोलियां चलवा चुकी है। अयोध्या में भव्य राममंदिर उन्हें हजम नहीं हो रहा है। मैंने रामलला को टेंट में देखा है। मन व्यथित हो जाता था। आज रामलला अपने धाम में विराजे हैं जो उन्हें पसंद नहीं आ रहा। सैम पित्रोदा और मणिशंकर अय्यर मोदी-योगी का विरोध करते-करते देश का विरोध करने लगते हैं। ये देश में रहते जरूर हैं, लेकिन देश हित में कभी काम नहीं करते। पाकिस्तान मोदी के पीएम बनने के बाद एक कोने में दुबक कर बैठ गया है। जिस तरह पाकिस्तान नहीं चाहता कि मोदी तीसरी बार पीएम बनें, उसी तरह ये भी नहीं चाहते।

उत्तरपूर्व यूक्रेन में रूस के हमले के बाद हजारों नागरिक क्षेत्र छोड़कर चले गए

एजेंसी

विलचा। उत्तरपूर्व यूक्रेन में रूस के नए जमीनी हमले के बाद हजारों नागरिक क्षेत्र छोड़कर चले गए हैं। रूस ने कस्बों और गांवों को तोपों और मोर्टार से निशाना बनाया है। यह जानकारी अधिकारियों ने रविवार को दी। लड़ाई बढ़ने के साथ यूक्रेन की कम से कम एक इकाई को खार्किव क्षेत्र में पीछे हटने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इससे रूस की सेना को सीमा से लगे एक बड़े हिस्से पर नियंत्रण हासिल हो गया है।

खार्किव क्षेत्रीय पुलिस के प्रमुख व्लोदिमीर तिमोशको ने कहा कि रविवार दोपहर तक 17,000 की आबादी वाला वोवचांस्क शहर लड़ाई में केंद्र बिंदु के रूप में उभरा। उन्होंने कहा कि रूसी सेना शहर के बाहरी इलाके तक पहुंच गई और तीन दिशाओं से आगे बढ़ रही थी। तिमोशको ने कहा कि शहर की ओर आने वाली एक प्रमुख सड़क पर एक रूसी टैंक देखा गया, जो भारी हथियार तैनात करने के रूस की योजना का संकेत देता है।

पास के एक गांव में मौजूद 'एसोसिएटेड प्रेस' की एक टीम ने रूसी सेना द्वारा दागे गए गोले के कारण कस्बे से धुएं का गुबार उठता देखा। वहीं बचाव कर्मियों ने वहां के नागरिकों को वहां से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने के लिए पूरे दिन काम किया। इन नागरिकों में से अधिकांश बुजुर्ग थे। गवर्नर ओलेह सिनीहुबोव ने एक सोशल मीडिया बयान में कहा कि शुक्रवार से कम से कम 4,000 नागरिक खार्किव क्षेत्र से बाहर चले गए हैं, जब रूस की सेना ने अभियान शुरू किया था। उन्होंने कहा कि रविवार को पूर्वोत्तर सीमा पर भारी लड़ाई हुई, जहां रूसी सेना ने पिछले 24 घंटे में 27 बस्तियों पर हमला किया।

जॉर्डन ने इराक से तेल आपूर्ति समझौते का विस्तार करने का अनुरोध किया

अम्मान। जॉर्डन के ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्रालय ने कहा कि उसने इराक के तेल मंत्रालय को एक पत्र लिखकर तेल आपूर्ति समझौते के विस्तार की मांग की है, जिसके अंतर्गत जॉर्डन इराक से प्रतिदिन लगभग 10,000 बैरल तेल आयात करता है। मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, जॉर्डन के तेल और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में निदेशक इमान अवाद ने कहा कि जॉर्डन ने एक समझौता ज्ञापन के विस्तार का अनुरोध किया है, जो चार मई को समाप्त हुआ है। जॉर्डन ने तीन अतिरिक्त महीनों के लिए समझौता ज्ञापन के विस्तार का अनुरोध किया है।

वारसॉ में शॉपिंग सेंटर में आग, निवासियों को घर के अंदर रहने के निर्देश

वारसॉ। पोलैंड की राजधानी वारसॉ के एक शॉपिंग सेंटर में भीषण आग लग गयी है तथा इसके कारण स्थानीय निवासियों को घर के अंदर रहने और खिड़कियां-दरवाजे बंद रखने के लिए कहा गया है। पोलैंड के सरकारी

सुरक्षा केंद्र (आरसीबी) ने यह जानकारी दी। उसने बयान जारी करके कहा, 'ध्यान दें, वारसॉ में मैरीविल्स्का स्ट्रीट 44 पर शॉपिंग सेंटर में आग लग गयी है। आग वाली जगह के करीब न जायें। अगर आप घर पर रह सकते हैं तो अंदर ही रहें और खिड़कियां बंद कर लें।'

इंडोनेशिया में लावा की बाढ़ से 34 लोगों की मौत

जकार्ता: इंडोनेशिया के पश्चिम सुमात्रा प्रांत में लावा की बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 34 हो गई, जबकि कम से कम पांच अन्य लोग लापता हैं। यह जानकारी स्थानीय आपदा एजेंसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने दी। प्रांतीय आपदा प्रबंधन और शमन एजेंसी की आपातकालीन इकाई के प्रमुख फजर सुकमा ने फोन पर कहा कि मारापी ज्वालामुखी की ढलान क्षेत्र में बारिश हुई, जिससे लावा की ठंडी बाढ़ आ गई, जिसने तनाह दातार और अगम के रीजेंसी को प्रभावित किया। उन्होंने कहा कि हताहतों की संख्या बढ़कर 34 हो गई है। यह आंकड़ा बढ़ सकता है क्योंकि खोज और बचाव अभियान चल रहा है। कम से कम पांच लोग अब भी लापता हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन एवं राहत एजेंसी के वरिष्ठ प्रेस अधिकारी मुहरिंदो इदवान ने कहा कि इसके अलावा 16 घायलों का इलाज निकटवर्ती अस्पतालों में किया गया है। उन्होंने कहा कि लापता लोगों के लिए, हमने क्षेत्रों में कम से कम दो सूचना केंद्र स्थापित किए हैं। जैसे-जैसे रिपोर्ट आती रहेंगी लापता लोगों की संख्या बदल सकती है। उन्होंने कहा,''लावा की बाढ़ रात में आई जब लोग सो रहे थे। कई इमारतें जलमग्न हो गईं।''

सूडान के उत्तरी दारफुर में संघर्ष में 27 नागरिक मारे गए : संयुक्त राष्ट्र

एजेंसी

खार्तूम। सूडान में उत्तरी दारफुर की राजधानी एल फशर में सूडानी सशस्त्र बलों (एसएएफ) और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज (आरएसएफ) के बीच संघर्ष में कम से कम 27 नागरिक मारे गए और लगभग 130 घायल हो गए है। संयुक्त राष्ट्र की एक एजेंसी ने रविवार को यह जानकारी दी।

मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, अपुष्ट रिपोर्टों के मुताबिक संघर्ष में महिलाओं और बच्चों सहित कम से कम 27 लोग मारे गए हैं, जबकि लगभग 130 लोग घायल हुए हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है, एल फ़ैशर साउथ हॉस्पिटल ने अपनी अधिकतम बिस्तरों की क्षमता को पार कर लिया है।इस अस्पताल की क्षमता 100 बिस्तरों की है। ओसीएचए ने इंटरनेशनल ऑर्गेनाइजेशन फॉर माइग्रेशन डिसप्लेसमेंट ट्रैकिंग मैट्रिक्स की एक रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि संघर्ष के कारण

अनुमानित 850 लोग एल फशर इलाके में विभिन्न स्थानों पर विस्थापित हो गए हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कई हफ्तों से आरएसएफ हमले की तैयारी के लिए एल फशर के बाहरी इलाके में हजारों लड़ाकों को जुटा रहा है, जबकि एसएएफ और सहयोगी दारफुरी सशस्त्र समूहों ने एल फशर के प्रवेश द्वारों और शहर के अधिकांश इलाकों के आसपास अपनी सेना को तैनात किया है। संयुक्त राष्ट्र ने पिछले सप्ताह चेतावनी दी थी कि एल फ़ैशर में लगभग 800,000 लोगों की जिंदगी खतरे में हैं क्योंकि हिंसा बढ़ रही है और पूरे दारफुर में 'खूनी अंतर-सांप्रदायिक संघर्ष शुरू होने' का खतरा है।

राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लिया बड़ा फैसला, यूक्रेन से युद्ध के बीच रक्षा मंत्री को पद से हटाया

एजेंसी

मॉस्को। रूस और यूक्रेन के युद्ध के बीच ही राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अपने रक्षा मंत्री सर्गेई शोइगु को हटा दिया है। उन्होंने आंद्रेई बेलेसाउ को नया रक्षा मंत्री नियुक्त किया है। बेलेसाउ रूस के उपप्रधानमंत्री रह चुके हैं। बताया गया कि पुतिन ने शर्गेई शोइगु को रक्षा मंत्री पद से इसलिए मुक्त किया क्योंकि वह उन्हें शक्तिशाली सुरक्षा परिषद का सचिव नियुक्त करना चाहते हैं। फिलहाल निकोलाई पात्रुशेव इस पद को संभाल रहे हैं। युद्ध के बीच रक्षा उद्योग की समस्याओं को संभालने के लिए पुतिन को सर्गेई शोइगु पर ज्यादा विश्वास है। वह पुतिन के पुराने करीबी माने जाते हैं।

बता दें कि नए रक्षा मंत्री बेलसाउ को आर्थिक मोर्चे का महारथी माना जाता है। ऐसे में उनको रक्षा मंत्री बनाने के फैसले पर लोग हैरान हैं। बता दें कि रूस यूक्रेन के खिलाफ फरवरी 2022 से जंग लड़ रहा है। रॉयटर्स के मुताबिक मंत्रिमंडल में जो भी बदलाव किए गए हैं उनको संसद में भी स्वीकृति मिलना तय है। वहीं जनरल स्टाफ के चीफ गेरासिमोव और विदेश मंत्री

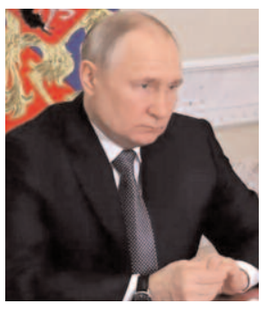

सर्गेई लावरोव अपने पद पर बने रहेंगे। बता दें कि शोइगु को जो नई भूमिका दी गई है वह रक्षा मंत्री से भी पद में बड़ी है। क्रेमलिन के प्रवक्ता ने बताया कि 1980 में सोवियय यूनियन का जो हाल हुआ था उसे देखते हुए ये परिवर्तन सही हैं। उस समस सेना और अन्य सुरक्षाबलों पर देश का 7.4 पर्सेंट खर्च होता था। ऐसे में पुतिन चाहते हैं कि कोई आर्थिक समझ रखने वाला व्यक्ति रक्षा मंत्रालय का पदभार संभाले और ज्यादा खर्च को कम करने में मदद करे। पुतिन ने पूर्व राष्ट्रपति मिखाइल मिशुस्तिन को पुनः देश का प्रधानमंत्री नियुक्त किया है और उनके नाम को मंजूरी के लिए संसद के निचले सदन के पास भेजा है। रूसी कानून के अनुरूप 58 वर्षीय मिशुस्तिन ने मंगलवार को उस वक्त अपने मंत्रिमंडल का इस्तीफा सौंपा जब पुतिन ने राष्ट्रपति के तौर पर अपना पांचवां कार्यकाल शुरू किया था। मिशुस्तिन पिछले चार वर्ष से प्रधानमंत्री पद पर थे।हालांकि राजनीतिक जानकारों को मिशुस्तिन के पुनः नियुक्त किए जाने की उम्मीद थी। उनका मानना है कि पुतिन को उनका कौशल और सुर्खियों से दूरी पसंद है। रूस की कर सेवा के पूर्व प्रमुख मिशुस्तिन अपने पिछले कार्यकाल के दौरान राजनीतिक बयानबाजियों से दूर थे और मीडिया में साक्षात्कार भी नहीं देते थे।

भारत से कनाड़ा पहुंचा शख्स करोड़ों डॉलर के सोने की चोरी के मामले एयरपोर्ट से गिरफ्तार

एजेंसी

ओटावा। कनाडा के मुख्य एयरपोर्ट पर अचानक से गहमागहमी बढ़ गई. यहां पुलिस की एक टुकड़ी आई और एक भारत से आए एक शख्स को पकड़कर अपने साथ ले गई. भारतीय मूल के इस 36 वर्षीय शख्स की पहचान अर्चित ग्रोवर के रूप में हुई है. फिर पता चला कि ग्रोवर को करोड़ों डॉलर के सोने की चोरी के मामले में गिरफ्तार किया गया है, जो कनाडा के इतिहास की सबसे बड़ी चोरी बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, जांचकर्ताओं ने भारत से आए अर्चित ग्रोवर को 6 मई 2024 को टोरंटो एयरपोर्ट पर गिरफ्तार कर लिया. देश के इतिहास की सबसे बड़ी चोरी के इस मामले में करीब एक महीने पहले भी पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया था. पिछले महीने गिरफ्तार लोगों में भारतीय मूल के 54 वर्षीय परमपाल सिद्धू और 40 वर्षीय अमित जलोटा को ओंटारियो से, 43 साल के अम्माद चौधरी, 37 साल के अली रजा और 35 वर्षीय पी परमलिंगम के साथ इस मामले में गिरफ्तार किया गया था।

बेहद फिल्मी स्टाइल में की चोरी

सोना और करेंसी नोट स्विट्जरलैंड के ज्यूरिख से टोरंटो के पियर्सन अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट तक एयर कनाडा की फ्लाइट से पहुंचाई गई और इसके तुरंत बाद कंटेनर को एयरपोर्ट पर एक अलग स्थान पर ले जाया गया, लेकिन एक दिन बाद पुलिस को इसके गायब होने की खबर दी गई थी।

पुलिस ने बताया कि 17 अप्रैल, 2023 को उस कंटेनर को नकली कागजी कार्रवाई का उपयोग करके एक गोदाम से चुरा लिया गया था. इस कंटेनर में दो करोड़ 20 लाख कनाडाई डॉलर से अधिक मूल्य की सोने की छड़ें और विदेशी मुद्रा थी। पुलिस के मुताबिक, बेहद फिल्मी स्टाइल में की गई चोरी की इस घटना में एयर कनाडा के कम से कम दो पूर्व कर्मचारियों ने भी मदद की. इनमें से एक अब हिरासत में है, जबकि दूसरे के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है. वहीं एयर कनाडा के प्रवक्ता पीटर फिट्ज़पैट्रिक ने पुष्टि की कि सिद्धू और पनेसर राष्ट्रीय एयरलाइन में काम करते थे. उन्होंने कहा, 'आज घोषित की गई गिरफ्तारी से पहले एक ने कंपनी छोड़ दी और दूसरे को निलंबित कर दिया गया है।

यहां चोरी के हुए माल में .9999 शुद्ध सोने की 6600 छड़ें थीं, जिनका वजन 400 किलोग्राम था. इनकी कीमत 25 लाख कनाडाई डॉलर (सवा 15 करोड़ रुपये) थी. पुलिस ने इस मामले में बयान जारी कर बताया कि जांचकर्ताओं ने लगभग 89,000 कनाडाई डॉलर कीमत का एक किलो सोना जब्त किया है।

रूस में इमारत ढहने से मरने वालों की संख्या बढ़कर 14 हुई

एजेंसी

मॉस्को। रूस के बेलगोरोड में आवासीय इमारत के ढहने से मृतकों की संख्या बढ़कर 14 हो गई है। यह शहर यूक्रेन की सीमा से लगभग 40 किलोमीटर उत्तर में स्थित है। आपातकालीन स्थिति मंत्रालय ने यह जानकारी

दी। स्थानीय मीडिया ने मंत्रालय के हवाले से कहा, 'नौवां शव बेलगोरोड में इमारत के मलबे से मिला है।' रिपोर्टों में कहा गया था कि बेलगोरोड में यूक्रेन के हमले के बाद 10 मंजिला आवासीय इमारत ढह जाने से 18 लोग लापता हो गए थे। जहां रविवार को बार-बार मिसाइल दागने की चेतावनी जारी की गई थी। रूसी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि वायु रक्षा प्रणाली ने पहले दिन यूक्रेन के छह टोचका-यू मिसाइलों, चार वैम्पायर रॉकेट और दो ओल्खा रॉकेटों को मार गिराया था। मंत्रालय के अनुसार हवा में ध्वस्त की गयी टोचका-यू मिसाइल के टुकड़े बेलगोरोड में आवासीय इमारत में गिरने से दुर्घटना घटी।

भारत में राजनीतिक दलों को शिक्षा के क्षेत्र पर ध्यान देने की जरूरत : वीआईटी के कुलाधिपति

एजेंसी

वाशिंगटन। 'वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी' (वीआईटी) के कुलाधिपति गोविंदसामी विश्वनाथन ने कहा कि भारत में राजनीतिक दलों को शिक्षा क्षेत्र पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए क्योंकि किसी भी देश की अर्थव्यवस्था सीधे तौर पर उसकी शिक्षा से जुड़ी होती है। साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करना बेहद महत्वपूर्ण है, ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का छह प्रतिशत शिक्षा के क्षेत्र में खर्च किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''वर्ष 2023 में भारत की प्रति व्यक्ति आय 2,600 अमेरिकी डॉलर थी। ऐसे राज्य, जहां शिक्षा की स्थिति बेहतर है जैसे दक्षिणी राज्य या पश्चिमी राज्य, इन राज्यों में प्रति व्यक्ति आय राष्ट्रीय औसत से ऊपर है।'' विश्वनाथन ने कहा, '' दक्षिणी राज्यों में, प्रति व्यक्ति आय 3,500 से 4,000 अमेरिकी डॉलर तक है। इस मामले में केरल पहले स्थान पर, तेलंगाना दूसरे और तमिलनाडु तीसरे स्थान पर हैज इन सभी राज्यों में प्रति व्यक्ति आय चार हजार अमेरिकी डॉलर के आसपास है। जबकि बिहार और उत्तर प्रदेश में प्रति व्यक्ति आय 1,000 अमेरिकी डॉलर से कम है क्योंकि ये राज्य शिक्षा में पिछड़े हुए हैं।''

ब्राजील में भारी बारिश के कारण नदी का स्तर बढ़ा, 20 लाख लोग प्रभावित

एजेंसी

रियो डी जेनेरियो। भयंकर बाढ़ के कारण ब्राजील में तबाही मच गई। भारी बारिश के कारण दक्षिणी ब्राजील में नदी का स्तर फिर एक बार बढ़ गया। बाढ़ के कारण अबतक 145 लोगों की मौत हो गई। भारी बारिश के कारण रियो ग्रांडे डो सुल के निवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दो सप्ताह से मूसलाधार बारिश के कारण नदियों का पानी कस्बों और क्षेत्रीय राजधानी के कुछ इलाकों में घुस गया। इस भयंकर तबाही के कारण लगभग 20 लाख लोग प्रभावित हुए। मौसम विशेषज्ञ इस जयवायु परिवर्तन को अल नीनो से जोड़ रहे हैं। राज्य प्रशासन ने बताया कि सभी प्रमुख

नदियों का स्तर बढ़ रहा है। बाढ़ के कारण 132 लोग लापता हो गए, जबकि 619,000 लोगों को अपने घरों को छोड़ कर सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। बाढ़ग्रस्त इलाकों में बचाव कार्य जारी है। पोर्टो एलेग्रे में बाढ़ के पानी में घरों के सामान जैसे सोफा एवं अन्य चीजों को तैरते हुए देखा गया। साओ लियोपोल्डो में कई सारी कार आधी पानी में डुब गई। 36 वर्षीय इलेक्ट्रीशियन क्लाउडियो द सिल्वा पड़ोस में स्थिति का जायजा लेने गए।

उन्होंने बताया कि उनका घर पूरी तरह से टूट चुका है। मौजूदा स्थिति पर बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मेरे जीजाजी के घर के बगल वाले घर की दूसरी मंजिल तक पानी भरा हुआ था। पानी का स्तर अब थोड़ा नीचे चला गया है और आप दूसरी मंजिल तक जा सकते हैं, लेकिन सब खराब हो गया।

पीओके ही नहीं अब ग्वादर में भी बढ़ी पाकिस्तान की मुसीबत, बलूचों की 'बेटी' ने किया जंग का ऐलान

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर इन दिनों पाकिस्तान के लिए गले की हड्डी बन गया है। पीओके के लोगों ने पाकिस्तानी सेना और पुलिस के अत्याचारों से तंग आकर आर-पार की लड़ाई शुरू कर दी है। हालात इतने खराब हैं कि पाकिस्तानी अर्धसैनिक बलों और पुलिस के जवानों को लोग खदेड़कर मार रहे हैं। इस बीच बलूचिस्तान में भी पाकिस्तान के लिए टेंशन बढ़ गई है। बलूच नेता और सामाजिक कार्यकर्ता महरंग बलूच ने ग्वादर बंदरगाह शहर की बाड़बंदी के खिलाफ विरोध करने की कसम खाई है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान का यह कदम बलूच समुदाय को खदेड़ने के लिए मजबूर करने की रणनीति है, ताकि ग्वादर की जमीन को चीन को सौंपी जा सके। एक्स पर एक बयान में, बलूच नेता महरंग बलूच ने इस मामले पर ग्वादर में बलूच यकजेहत समिति (बीवाईसी) द्वारा विरोध प्रदर्शन आयोजित करने की भी घोषणा की। एक्स पर अपनी पोस्ट में, उन्होंने

लिखा, ग्वादर की बाड़ लगाने की औपनिवेशिक परियोजना चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारे (सीपीईसी) का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य ग्वादर की स्थानीय आबादी को बेदखल करना और ग्वादर को चीन को सौंपना है। लेकिन हम, स्थानीय आबादी, किसी भी स्थिति में हमारी भूमि और समुद्र को विदेशियों को नहीं सौंपेगी, न ही हम ऐसी किसी परियोजना को सफल होने देंगे, बलूच यकजेहती समिति (बीवाईसी) ग्वादर की बाड़ लगाने के खिलाफ एक प्रतिरोध आंदोलन शुरू कर रही है।

चीन के खिलाफ भड़का बलूचों का गुस्सा

पिछले बयान में उन्होंने कहा था, 'विकास और सुरक्षा के नाम पर ग्वादर की बाड़ लगाने और उसे चीन को सौंपने की योजना के खिलाफ हम किसी भी हालत में चुप नहीं रहेंगे, लेकिन हम मजबूत सार्वजनिक प्रतिरोध करेंगे।' महरंग के अलावा, बलूचिस्तान के एक अन्य नेता सम्मी दीन बलूच ने बलूच समुदाय द्वारा लंबे समय से सहन किए जा रहे जबरन गायब होने का मुद्दा उठाया था। अपने बयान में उन्होंने कहा, ÷बलूचिस्तान में लापता लोगों की बरामदगी की मांग को अंतरराष्ट्रीय समर्थन और ध्यान मिल रहा है। जवाबी कार्रवाई में, एक तरफ, पाकिस्तानी प्रशासन ने अपने प्रतिनिधियों द्वारा हम पर की गई क्रूरताओं को सही ठहराने के लिए अपना अभियान शुरू कर दिया है।÷और दूसरी ओर, यह जबरन गायब किए जाने के पूरे मुद्दे को गलत साबित करने और उसे नीचा दिखाने के लिए अपनी पूरी मशीनरी का उपयोग कर रहा है।

बलूचिस्तान में लोगों का अपहरण बड़ा मुद्दा

महंग बलूच ने कहा, बलूचिस्तान में, अपहृत व्यक्तियों में से किसी को भी सुनसान स्थानों से अपहरण नहीं किया जाता है। उनका अपहरण आम तौर पर उनके अपने घरों, कार्यालयों, बाजारों और शैक्षणिक संस्थानों से किया जाता है। ज्यादातर समय, इन व्यक्तियों का अपहरण उनके परिवार के सदस्यों के सामने किया जाता है।÷उन्होंने कहा, ÷ऐसा बहुत कम होता है, लेकिन कभी-कभी, इनमें से कुछ व्यक्तियों को रिहा कर दिया जाता है। उनमें से अधिकांश को मानसिक और शारीरिक यातना दी जाती है। कई अपहृत लोगों के परिवार अभी भी विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, और कभी-कभी जो भाग्यशाली लोग वापस लौटते हैं वे पकड़े जाने और प्रताड़ित किए जाने का बयान देते हैं। यहां सवाल सिर्फ यह है कि अगर सभी अपहृत बलूचियां आतंकवादी हैं तो सेना ने जिन्हें रिहा किया, वे कौन हैं? और मीडिया और प्रशासन इन लोगों से यह क्यों नहीं पूछता कि वे कहां थे?

मालदीव रक्षामंत्री ने कबूली सच्चाई, कहा हमारे पायलट भारतीय डोर्नियर और हेलीकॉप्टर उड़ाने में सक्षम नहीं

एजेंसी

माले। मालदीव के रक्षा मंत्री घासन मौमून ने कहा है कि मालदीव राष्ट्रीय रक्षा बल के पास अभी भी भारत से दान में मिले तीन विमानों को उड़ाने में सक्षम पायलट नहीं हैं। घासन ने कल राष्ट्रपति कार्यालय में मीडिया को विमान संचालन के लिए मालदीव में तैनात 76 भारतीय सैनिकों की वापसी और उनके स्थान पर भारत के नागरिकों को नियुक्त करने के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में यह टिप्पणी की। इसे मालदीव की सेना की सबसे बड़ी नाकामी के तौर पर देखा जा रहा है। ऐसे में मालदीव को भारत से मिले हेलीकॉप्टर और डोर्नियर के संचालन पर ग्रहण लग गया है।

मालदीव के रक्षा मंत्री ने क्या कहा

एक पत्रकार के सवाल का जवाब देते हुए, घासन ने कहा कि भारतीय विमानों को चलाने की क्षमता वाला कोई पायलट मालदीव के पास नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ पायलटों को पिछली सरकारों द्वारा किए गए समझौतों के तहत डोर्नियर और दो हेलीकॉप्टरों को उड़ाने का प्रशिक्षण देना शुरू किया

गया था। उन्होंने कहा, चूंकि यह एक प्रशिक्षण था जिसके लिए विभिन्न चरणों को पार करना आवश्यक था, हमारे सैनिक विभिन्न कारणों से पूरा नहीं कर पाए थे। इसलिए, इस समय हमारी सेना में कोई भी ऐसा व्यक्ति नहीं है जिसके पास हेलीकॉप्टर प्लेटफार्मों और डोर्नियर को उड़ाने के लिए लाइसेंस प्राप्त हो या पूरी तरह से परिचालन करने के लायक हों।

मुइज्जू की पार्टी का झूठ पकड़ा गया

घासन की टिप्पणियों के विपरीत, जब मुइज्जू सरकार के वरिष्ठ नेता पिछले पांच वर्षों के दौरान विपक्ष में थे, तो उन्होंने पिछली सरकार की आलोचना की थी और दावा किया था कि एमएनडीएफ में सक्षम पायलट थे।

चीन की धमकी के बाद भारत सहित 26 देश हुए इकट्ठा, करेंगे दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक अभ्यास

एजेंसी

वॉशिंगटन। चीन से उत्पन्न होने वाले कथित खतरों का मुकाबला करने के लिए दुनिया के 26 देश एक साथ आए हैं। ये देश दुनिया के सबसे बड़े नौसैनिक अभ्यास को भी अंजाम देंगे। इस अभ्यास का नाम एक्सरसाइज रिम ऑफ द पैसिफिक है। RIMPAC 2024 का आयोजन इस साल हवाई में हो रहा है। इस अभ्यास में ऑस्ट्रेलिया, ब्रूनेई, कनाडा, चिली, कोलंबिया, डेनमार्क, इक्वाडोर, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इज़राइल, जापान, मलेशिया, मैक्सिको, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, पेरू, कोरिया गणराज्य, फिलीपींस, सिंगापुर , श्रीलंका, थाईलैंड, टोंगा, यू.के., और यू.एस की नौसेनाएं शामिल होंगी।

इस साल रिमपैक 2024 की थीम साझेदार: एकीकृत और तैयार है। इसे यह बताने का प्रयास माना जाता है कि रिमपैक न केवल कई देशों को एक साथ लाने के लिए बनाया गया एक अभ्यास है, बल्कि एक ऐसा आयोजन भी है जो अपने प्रतिभागियों को प्रत्येक देश की प्रशिक्षण और आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आवश्यक संबंधों और साझेदारी को विकसित करने का अवसर देता है।

हर दो साल में आयोजित होता है यह अभ्यास

RIMPAC समन्वयक रॉयल ऑस्ट्रेलियन नेवी लेफ्टिनेंट कमांडर टिमोथी गिल के अनुसार, राष्ट्रों के बीच साझेदारी के साथ जबरदस्त वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा, हमारे पास ऐसे और भी राष्ट्र हैं जो हमारे साथ जुड़ना चाहते हैं, हमारे साथ प्रशिक्षण लेना चाहते हैं, और एक इकाई के रूप में सभी देशों के साथ प्रशिक्षण लेना चाहते हैं। हम सभी समुद्री सुरक्षा और संरक्षा के एक ही लक्ष्य पर केंद्रित हैं। रिमपैक, जो हर दो साल में हवाई और उसके आसपास होता है, दुनिया का सबसे बड़ा नौसैनिक युद्धाभ्यास माना जाता है।

चीन के खिलाफ आयोजित होता है रिमपैक अभ्यास

सेंटर फॉर सिक्योरिटी स्टडीज (सीएसएस) में स्विस और यूरो-अटलांटिक सुरक्षा टीम के वरिष्ठ शोधकर्ता गोराना ग्रिजिक का तर्क है, ÷विभिन्न यूरोपीय देशों ने पहली बार चीन को एक सुरक्षा चुनौती के रूप में पहचाना है। ये देश वैश्विक सुरक्षा को संबोधित करने की तात्कालिकता पर जोर दे रहे है।

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।
Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300
E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in
R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472
Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

प्लास्टिक का सामान बनाने वाली फैक्टरी में लगी आग, नौ घायल

एजेंसी

नई दिल्ली। बवाना इलाके में स्थित एक प्लास्टिक का सामान बनाने वाली फैक्टरी में अचानक से भीषण आग लग गई। घटना में नौ फैक्ट्री कर्मचारी घायल हो गए। पुलिस ने सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां सभी का उपचार चल रहा है। फिलहाल पुलिस मामला दर्ज करके आग लगने के कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। फैक्टरी मालिक से जानने की कोशिश कर रही है कि फैक्टरी में आग बुझाने के यंत्र रखे थे या नहीं। जानकारी के मुताबिक घायलों की पहचान कुलदीप, बब्लू, मस्तराम, सुरेश, धनश्याम, राकेश,राजकुमार,पंकज पाल और संतोष के रूप में हुई है। पुलिस को तीन बजकर दस मिनट पर एफ ब्लॉक बवाना इंडस्ट्रियल एरिया सेक्टर-1 स्थित प्लास्टिक का सामान बनाने वाली तीन मंजिल फैक्टरी में आग लगने की पीसीआर कॉल मिली थी,जिसमें बताया गया कि फैक्टरी में कुछ कर्मचारी भी फंसे हो सकते हैं। पुलिस मौके पर पहुंची। ग्राउंड फ्लोर पर भीषण आग लगी हुई थी। आग ने जल्द ही पूरी फैक्टरी को अपनी चपेट में ले लिया था। दमकल ने करीब चार घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

केजरीवाल करेंगे आईएनडीआईए के लिए चुनाव प्रचार

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. संदीप पाठक ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल आईएनडीआईए के लिए चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे और पूरे देश में जाकर वोट मांगेंगे। केजरीवाल 15 मई को लखनऊ में गठबंधन के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। इसके अलावा केजरीवाल 16 मई को झारखंड के जमशेदपुर में चुनाव प्रचार में हिस्सा लेंगे। उसके बाद मुंबई में 17 मई को चुनाव प्रचार करेंगे। संदीप पाठक ने कहा कि भाजपा सरकार ने केजरीवाल को षड्यंत्र करके जेल की सलाखों के पीछे बंद कर दिया था। भाजपा किसी भी हालत में केजरीवाल को चुनाव प्रचार से दूर रखना चाहती थी। पाठक ने कहा, हमें पूरा विश्वास है कि केजरीवाल के चुनाव प्रचार करने से गठबंधन को फायदा पहुंचेगा और 2024 लोकसभा चुनाव में गठबंधन की जीत होगी।

किडनी ट्रांसप्लांट का मकड़जाल, जयपुर पुलिस ने गुरुग्राम के फोर्टिस अस्पताल के दो सर्जन को किया गिरफ्तार

गुरुग्राम। फर्जी एनओसी के आधार पर अवैध तरीके से किडनी ट्रांसप्लांट के मामले में जयपुर पुलिस ने दोपहर फोर्टिस अस्पताल के दो सर्जन डॉक्टर्स को गिरफ्तार किया है। इससे पहले फोर्टिस के नर्सिंग स्टाफ भानू लववंशी उर्फ भानू प्रताप की गिरफ्तारी के बाद पुलिस को डॉक्टर्स के बारे में जानकारी मिली थी। पुलिस ने बताया कि दोनों डाक्टर ट्रांसप्लांट के बाद मरीजों को देखने के लिए किराये के घरों में जाते थे। भानू प्रताप से पूछताछ के बाद जयपुर पुलिस ने अस्पताल के दो डॉक्टर्स से छह घंटे अलग-अलग पूछताछ की। इसके बाद सर्जन संदीप गुप्ता और जितेंद्र गोस्वामी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के मुताबिक जितेंद्र गोस्वामी फोर्टिस से पहले मणिपाल अस्पताल में काम करता था। मणिपाल का लाइसेंस रिन्यू नहीं होने पर सितंबर 2023 में उसने फोर्टिस में काम करना शुरू किया था। डॉ. जितेंद्र और संदीप गुप्ता ही फोर्टिस में आर्गन ट्रांसप्लांट करते थे। दोनों डॉक्टर्स से पूछताछ में पता चला कि इन्हें कई अन्य डॉक्टर्स की जानकारी भी है, जो पहले इस तरह अवैध रूप से ट्रांसप्लांट कर चुके हैं।इससे पहले शुक्रवार को जयपुर पुलिस ने फोर्टिस के नर्सिंग स्टाफ भानू प्रताप को राजस्थान के बारां के हरनावदा से गिरफ्तार किया था। पुलिस पूछताछ में पता चला था कि वह फोर्टिस अस्पताल में नौकरी करता था। फर्जी एनओसी के मामले में अप्रैल के महीने में जांच के दौरान भानू से पहले भी एसीबी पूछताछ कर चुकी है।

राजधानी दिल्ली में दिखा रफ्तार का कहर, भीषण कार दुर्घटना में गई दो युवकों की जान

बाहरी दिल्ली। अमन विहार थाना क्षेत्र में दोपहर एक तेज रफ्तार कार कई बार पलटी खाते हुए पलट गई। कार में पांच युवक सवार थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में सभी घायलों को पास के ही अस्पताल लेकर गए, जहां डॉक्टर ने घायल दो युवकों को मृत घोषित कर दिया। जबकि तीन घायलों का अस्पताल चल रहा है। पुलिस ने मृतक के शवों को कब्जे में लेकर रोहिणी स्थित बाबा अंबेडकर अस्पताल के शवगृह में रखवा दिया है। पुलिस हादसे के बारे में जानकारी जुटा रही है।

पुलिस ने सभी को अस्पताल में कराया भर्ती

रोहिणी जिला पुलिस उपायुक्त गुरइकबास सिंह सिद्धू ने बताया कि दोपहर लगभग 12:30 बजे रोहिणी सेक्टर-22 स्थित सीएनजी पंप के पास एक अर्टिगा कार पलटने के संबंध में सूचना मिली। जानकारी मिलते ही अमन विहार थाना पुलिस तुरंत घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने लोगों की मदद से सभी अस्पताल में भर्ती कराया।

जहां घायलों में दो ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। जब कि बाकी तीन का इलाज चल रहा है।मृतकों की पहचान 23 वर्षीय संजय और 22 वर्षीय आशुतोष के रूप में हुई। दोनों किशन विहार क्षेत्र में रहते थे। जबकि घायल 20 वर्षीय साहिल, 18 वर्षीय राशिद और 23 वर्षीय लोकेश सिंह का इलाज अस्पताल में चल रहा है। ये तीनों भी किशन विहार के रहने वाले हैं।

इंडिया समूह की सरकार बनने पर सभी लोगों का होगा मुफ्त इलाज

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने देश के सभी लोगों का मुफ्त इलाज सुनिश्चित कराने समेत दस गारंटी की घोषणा करते हुए कहा कि इंडिया समूह की सरकार बनने पर वह अपने सहयोगी दलों से इसे पूरा करवायेंगे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक श्री केजरीवाल ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी का कोई भरोसा नहीं लेकिन केजरीवाल की गारंटी पर सभी को भरोसा है। उन्होंने दिल्ली और पंजाब में लोगों को जो गारंटी दी है उसे पूरा करके दिखाया है लेकिन प्रधानमंत्री ने हर साल दो करोड़ लोगों नौकरी देने और हर नागरिक के खाते में पंद्रह लाख देने समेत किसी भी गारंटी को पूरा नहीं किया है। उन्होंने कहा कि इंडिया समूह की सरकार बनने पर देश भर में चौबीस घंटे बिजली का इंतजाम करेंगे। बिजली की मांग से अधिक उत्पादन करने की क्षमता है और इसे हम करके दिखायेंगे। उन्होंने कहा कि देश भर के गरीबों को दो सौ यूनिट बिजली मुफ्त देंगे। श्री केजरीवाल ने कहा कि अगर किसी देश के अंदर शिक्षा की कमी है तो वह देश आगे नहीं बढेगा। इंडिया समूह की सरकार बनने पर देश के सभी सरकारी स्कूलों को शानदान बनायेंगे और बच्चों को अच्छी शिक्षा देंगे।

NAME CHANGE

I hitherto known as RAGINI SONI D/o MADAN MOHAN SONI R/o 94, Near Kashyap Atta Chakki, Pochanpur, Barthal, South West Delhi, Delhi-110077, have changed my name and shall hereafter be known as NANDINI SONI.

NAME CHANGE

I, PRAVEEN VERMA TILLU S/O ROHTAS CHANDRA VERMA residing at WZ-69, WZ-BLOCK, SHADI KHAMPUR, DELHI-110008 have changed my name to PRAVEEN VERMA for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, BINDU D/o SUMIT KUMAR, R/o House No. 346, Khera Garhi, Khera Kalan, North West Delhi, Delhi-110082, declare that name of my father has been wrongly written as SUMIT KUMAR SHARMA in my all Educational Documents. The actual name of my father is SUMIT KUMAR, which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, SHUHIB AHMED S/O NASIR AHMAD residing at F-132-133, OLD SEEMAPURI, PO-JHILMIL, DELHI-110095 have changed my name to SHOAIB for all future purposes.

NAME CHANGE

I, hitherto known as RAJESH KUMAR PAL S/O NATHU RAM R/O R-1/1 G/F, SAURABH VIHAR, BADARPUR, SOUTH DELHI, DELHI-110044 have changed my name and shall hereafter be known as RAJU PAL.

दिल्ली के सीएम हाउस में हंगामा

राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल का आरोप- केजरीवाल ने अपने पीए से मुझे पिटवाया

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के सीएम हाउस में बड़ा हंगामा हुआ है। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल ने सीएम केजरीवाल के पीए पर मारपीट का आरोप लगाया है। सीएम हाउस से निकलकर स्वाति मालीवाल पुलिस स्टेशन पहुंची हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, स्वाति ने फोन कर पुलिस को बुलाया। सीएम केजरीवाल के घर पर दिल्ली पुलिस की टीम पहुंची है।

क्या है पूरा मामला?

स्वाति मालीवाल ने सीएम आवास से पीसीआर कॉल की है। उन्होंने केजरीवाल के करीबी विभव कुमार के खिलाफ PCR कॉल की है। आप से राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल के नाम से दिल्ली पुलिस को 2 पीसीआर कॉल मिलीं।

इन कॉल में कहा गया कि मुझे सीएम का पीएस विभव पीट रहा है। ये कॉल सीएम हाउस से की गई। पुलिस मौके पर पहुंची तो स्वाति नहीं मिली। दिल्ली पुलिस पीसीआर कॉल की सच्चाई जानने में जुटी है।

स्वाति ने केजरीवाल पर भी गंभीर आरोप लगाए

दिल्ली पुलिस के सूत्रों के मुताबिक, कॉलर स्वाति मालीवाल का कहना है कि मुझे मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपने पीए विभव से पिटवाया है। करीब 10 बजे के करीब कॉल की गई थी। हालांकि PCR जब मौके पर पहुंची तो वहां स्वाति मालीवाल नहीं मिलीं।

आप के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल एक जून तक अंतरिम जमानत पर हैं। उन्हें दो जून को आत्मसमर्पण करना है। केजरीवाल ने कहा, 'उन्होंने मुझे जेल भेजा, क्योंकि मैंने आपके लिए काम किया। भाजपा नहीं चाहती कि दिल्ली के लोगों का काम हो।' केजरीवाल ने आरोप लगाया कि तिहाड़ जेल में उन्हें 15 दिन तक इंसुलिन नहीं उपलब्ध कराई गई।

अमित शाह की सभा में पत्रकार पिटाई पर भड़के राहुल-प्रियंका

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी तथा प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि उत्तर प्रदेश के रायबरेली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी सभा में भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने एक पत्रकार की पिटाई कर प्रेस का गला घोटने का काम किया है लेकिन पुलिस इस पूरे घटनाक्रम में मूकदर्शक बनी रही।

दोनों नेताओं ने कहा कि आज देश में मीडिया का एक वर्ग झूठ फैला रहा है और प्रधानमंत्री से शाबाशी पा रहा है तो एक दूसरा वर्ग है जो जान जोखिम में डालकर सच बोल रहा है और सच बोलने की कीमत चुका रहा है। श्री गांधी ने कहा, आज देश में दो तरह का मीडिया है -एक वो जिनकी पीठ 'झूठ और नफ़रत' फैलाने पर प्रधानमंत्री खुद थपथपाते हैं। दूसरे वो जो 'सच की आवाज़' उठाने की कीमत अपनी जान जोखिम में डाल कर चुका रहे हैं। देश के गृहमंत्री की सभा में बस अपना काम कर रहे एक जुझारू पत्रकार के साथ पुलिस के संरक्षण में ऐसी गुंडागर्दी बताती है कि भारत क्यों नरेंद्र मोदी के राज में प्रेस फ्रीडम के मामले में 159वें स्थान पर है। हम सब इस बहादुर युवा के साथ खड़े हैं।

श्रीमती वाड्रा ने दावा किया कि पत्रकार श्री शाह की चुनावी सभा के दौरान महिलाओं से बात कर रहे थे और महिलाएं बोल रही थीं कि उन्हें पैसा देकर चुनावी सभा में लाया गया है लेकिन भाजपा कार्यकर्ताओं को यह पसंद नहीं आया तथा उन्होंने पत्रकार की पिटाई कर दी।

दिल्ली में स्कूलों, अस्पतालों के बाद एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी, एक ही पते से आ रहे ईमेल

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में फिर धमकी भरा ईमेल आया है। इस बार दिल्ली एयरपोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी दी गई है। इससे पहले बुराड़ी के अस्पताल और संजय गांधी अस्पताल में धमकी वाला ईमेल मिला था। पुलिस मौके पर मौजूद है और दोनों अस्पतालों में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। अस्पतालों को धमकी भरा ईमेल मिलने के बाद मौके पर पुलिस, दमकल विभाग और सिविक एजेंसियां, बम और डॉग स्क्वॉड की मदद से अस्पताल में तलाशी अभियान चलाया गया। अस्पताल परिसर से कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली। इससे पहले स्कूलों को बस से उड़ाने की धमकी का ईमेल आया था। हालांकि, किसी भी स्कूल में कोई भी विस्फोटक पदार्थ नहीं मिला था। सुरक्षा बलों की मदद से सभी स्कूलों का खाली कराया

गया था और बच्चों का सुरक्षित घर पहुंचाया गया था।

इसके बाद मेल करने वाले पते की जांच शुरू की गई। हालांकि, इस मामले में पुलिस के हाथ कोई सुराग नहीं लगा है। दिल्ली पुलिस की खास टीम इंटरपोल की मदद से रूस में संपर्क कर चुकी है और मेल करने वाले के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। जिस मेल आईडी से स्कूलों को उड़ाने की धमकी दी गई थी। उसका सर्वर रूस का राजधानी मास्को में है। हालांकि, अब तक मेल भेजने वाले का पता नहीं लगाया जा सका है।

दिल्ली में 25 मई को मतदान

दिल्ली की सभी सात लोकसभा सीटों पर 25 मई को मतदान होना है। उससे पहले देश की राजधानी को सुरक्षित रखने और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। चुनाव को प्रभावित करने के लिए असमाजिक तत्व या आतंकी किसी घटना को अंजाम दे सकते हैं। इससे निपटने के लिए सुरक्षा बल तैयार हैं।

दो मेट्रो स्टेशन पर खालिस्तान के समर्थन में नारे लिखे, केस दर्ज

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली का माहौल खराब करने की कोशिश में दोपहर दिल्ली के दो मेट्रो स्टेशन पर खालिस्तान के समर्थन में नारे लिख दिए गए। जैसे ही पुलिस को इसकी सूचना मिली, तुरंत स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच गई। इसके बाद मेट्रो पुलिस को भी बुला लिया गया। किसी अज्ञात व्यक्ति ने मेट्रो स्टेशन की दीवार पर नारे लिखे हुए थे। छानबीन और औपचारिताएं पूरी करने के बाद नारों को मिटा दिया गया। मेट्रो पुलिस ने इस संबंध में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी। घटना के बाद खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने सोशल मीडिया पर नारे लिखवाए जाने की जिम्मेदारी लेते हुए एक बार फिर देश के खिलाफ जहर उगला। पुलिस के मुताबिक दोपहर करीब एक बजे किसी ने पुलिस कंट्रोल रूम को कॉल कर सूचना दी कि किसी ने करोल बाग मेट्रो स्टेशन की दीवार पर आपत्तिजनक खालिस्तानी नारे लिख दिए हैं।

कुछ देर बाद इसी तरह की कॉल झंडेवालान मेट्रो स्टेशन के पास से भी आई। सूचना मिलते ही दोनों जगहों पर पुलिस पहुंच गई। क्राइम टीम के अलावा एफएसएल को भी मौके पर बुला लिया गया।

जंगपुरा हत्याकांड मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार, घर की नौकरानी निकली डॉक्टर के मर्डर की मास्टरमाइंड

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली के पॉश इलाके जंगपुरा इलाके में 63 वर्षीय डॉक्टर योगेश चन्द्र पॉल की हत्या के मामले में पुलिस ने मृतक के घर काम करने वाली नौकरानी सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में 62 वर्षीय बसंती, हिमांशु जोशी और आकाश जोशी शामिल हैं। हिमांशु और आकाश दोनों सगे भाई हैं। पुलिस ने दोनों के पास से 55 हजार रुपये और ज्वेलरी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपियों ने बताया कि वारदात की मास्टरमाइंड बसंती है। उसने अपनी सहेली के साथ मिलकर पूरी साजिश रची थी। इसके बाद अपने जानकारों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल पुलिस फरार आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर ही है। सभी आरोपी नेपाल भाग गए हैं।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि गत शुक्रवार शाम करीब 6:30 बजे जंगपुरा सी 14 में रहने वाली महिला डॉक्टर ने पुलिस को अपने पति की हत्या की सूचना दी थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर 63 वर्षीय डॉक्टर योगेश चन्द्र के शव को कब्जे में

लेकर जांच शुरू की थी। नौकरानी बसंती को हिरासत में लिए जाने के बाद उसने बताया कि पूरी वारदात उसकी मुखबिरी पर हुई थी और वही इस वारदात की मास्टरमाइंड है। दो आरोपियों को पुलिस ने हरिद्वार से दबोच लिया, जबकि अन्य आरोपी फिलहाल नेपाल भाग गए हैं।

क्लीनिक से पीछा कर रहे थे आरोपी

बीरबल रोड स्थित डॉक्टर के क्लीनिक के पास के लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज से पुलिस को पता चला कि 10 मई की दोपहर जब डॉक्टर घर के लिए निकले तो दो आरोपियों ने उनका पीछा शुरू कर दिया। कॉलोनी के सीसीटीवी की फुटेज में दिखा कि आरोपी डॉक्टर के घर के अंदर जाने के बाद कुछ ही देर में अंदर चले गए और फिर करीब 3.05 बजे घर से तीन लोग निकलते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने संदिग्धों की पहचान की। 5 बजे एक महिला को आरोपियों के साथ देखा। आरोपियों के बारे में जानकारी जुटाने पर पता चला कि वह डॉक्टर के घर काम करने वाली बसंती के जानकार हैं।

कॉलेजियम से नाराज हिमाचल के दो जिला जज, खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा, बोले- अयोग्यों को चुन लिया गया

एजेंसी

नई दिल्ली। कॉलेजियम के तहत हिमाचल प्रदेश के दो जिला न्यायाधीशों ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। दोनों न्यायाधीशों ने अपने नामों पर विचार किए जाने की मांग की है। आरोप लगाए जा रहे हैं कि हाईकोर्ट कॉलेजियम ने सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सलाह को भी नजरअंदाज किया है और जूनियर्स के नामों को आगे बढ़ाया है।

एक रिपोर्ट के अनुसार, बिलासपुर और सोलन के जिला न्यायाधीश चिराग भानू और अरविंद मल्होत्रा ने सुप्रीम कोर्ट में रिट याचिका दाखिल की है। इस याचिका के जरिए उन्होंने शीर्ष न्यायालय से 4 जनवरी के प्रस्ताव के अनुसार हाईकोर्ट कॉलेजियम को उनके नामों पर दोबारा विचार करने निर्देश जारी करने की मांग की है। दोनों न्यायाधीशों का कहना है कि उनके नामों पर दोबारा विचार करने के सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम के फैसले के बाद केंद्रीय कानून मंत्री का भी हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश को पत्र गया था। इस पत्र के जरिए हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस से सिंह और मल्होत्रा के नामों की सिफारिश की थी। खबर है कि इसे शुरू में रोक दिया गया था। 4 जनवरी को भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाले कॉलेजियम ने उनके नामों पर दोबारा विचार के

मल्होत्रा के नामों पर दोबारा विचार करने का अनुरोध किया गया था। न्यायाधीशों का कहना है कि कानून मंत्री के पत्र और सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सलाह को दरकिनार कर दिया। खास बात है कि बीते साल 12 जुलाई को हाईकोर्ट जज के तौर पर नियुक्ति के लिए हाईकोर्ट कॉलेजियम ने सिंह और मल्होत्रा के नामों की सिफारिश की थी। अब याचिकाकर्ताओं का कहना है कि हाईकोर्ट कॉलेजियम ने उनके नामों को जानबूझकर हटा दिया है। साथ ही दावा किया है कि उनकी वरिष्ठता को नजरअंदाज करते हुए दो 'अयोग्य जूनियर अधिकारियों' के नामों की सिफारिश हाईकोर्ट जज के तौर पर की है।

NAME CHANGE

I, hitherto known as SATRUVAHAN S/O NANKU R. YADAV R/O J-216, MANGOL PURI, DELHI-110083 have changed my name and shall hereafter be known as SHATR? VAHAN YADAV.

NAME CHANGE

I, MEHNAZ/MAHNAAZ W/O JAVED KHAN residing at 69, RASHID MARKET, KRISHNA NAGAR, DELHI-110051 have changed my name to MAINAZ for all future purposes

NAME CHANGE

I, PAWAN GOUR S/O MANOJ KUMAR GOUR residing at H NO-370, 5, AZAD CHOWK, SANGAM VIHAR, WAZIRABAD, DELHI-110084 have changed my name to PAWAN KUMAR GAUR for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सकिला बेगम पत्नी मोहम्मद सलीम, 2253 एल/2, ब्लाक एक्स, सत्यम होल के पास शादीपुर, बलजीत नगर, सेंट्रल दिल्ली, दिल्ली-110008. अपने पति के साथ रहती हूं। हमारा पुत्र मोहम्मद कलीम अहमद जिसका चाल चलन, चरित्र और व्यवहार सही नहीं है, इसलिए हम दोनों ने इससे अपना सारा रिश्ता समाप्त कर दिया है। अब भविष्य में मोहम्मद कलीम अहमद के द्वारा किए गए किसी भी कृत्य का जिम्मेदार वह स्वयं होगा। हम दोनों का कोई वास्ता नहीं है।

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I, PARAMJEET KAUR SEHGAL W/O PARMINDER SINGH SEHGAL R/O A 176, AB FIRST FLOOR, PLOT NO-35. GANESH NAGAR, TILAK NAGAR, WEST DELHI-110018 declare that name of mine has been wrongly written as PARAMJEET KAUR in my service record. The actual name of mine is PARAMJEET KAUR SEHGAL which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, POOJA W/o DHARMENDER SINGH R/o VILL-LUHARI, BAGHPAT, UTTAR PRADESH-250611, have changed my name from POOJA to ANTU DEVI for all future purposes.

NAME CHANGE

I, SHAHIN D/O MOHAMMAD RAHISH R/O H.NO-266, LINK ROAD, MADARSA MAHARAJPUR ,BHARAT NAGAR, I E SAHIBABAD,GHAZIABAD, UTTAR PRADESH -201010, have changed my name and shall hereafter be known as SANDHYA.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I ALESH D/O SURENDRA W/O ASHISH KUMAR residing at C 57 STREET NO 7 JYOTI COLONY SHAHDARA,NORTH EAST DELHI, DELHI 110032,declare that name of mine and my father has been wrongly written as ALESH KUMARI and SURENDER KUMAR in my Obc certificate no OBC/04/42/21626/26/7/2011/9421066832/11786 .The actual name of mine and my father are ALESH and SURENDRA, respectively which may be amended accordingly.

LOST & FOUND

It is to inform you that Original Conveyance Deed duly registered with Sub Registrar vide Document No. 2023-24/16/1/3141 dt. 18.09.2023 with respect to Plot No.HPP-R2-E407, Area admeasuring Plot 350 Sq Yards situated at HYDE PARKESTATE New Chandigarh falling under Mullapur Master Plan Area Distt SAS Nagar Punjab executed between DLF Home Developers Ltd. and me (Hridey Vikram Bhatia) has been lost somewhere in the New Friends Colony market on 05.03.2024 at 7:30 PM when I was going to purchase Sweets from Nathu Sweets.

PUBLIC NOTICE

My client Amar Singh S/O Meva Lal R/O 13/143, Block No.13 Kalyanpuri, East Delhi-110091 has debarred his Daughter Sonam from his all moveable, immoveable properties and severed all her relations due to her bad conduct and misbehavior. My client shall not be responsible for any act of her in future. Since she is not loyal for my client and any bodies dealing with her would be at their own risks and costs.

Pankaj Saluja Advocate
Chamber No:- D-402, Karkardooma District And Session Court Complex, Delhi-110032

PUBLIC NOTICE

My client Vijay Pal son of shri Ram Charan R/o F-537, Block-F, Aali Vihar, Sarita Vihar, New Delhi-110076 has disowned his daughter namely Kajal from his all moveable and immovable properties and also severed all relations with her. My client will not be responsible for the acts and actions of her daughter in law, if any body deals with her.

AJIT SINGH TOMAR ADVOCATE
Office: E-27. SARITA VIHAR NEW DELHI-110076

NAME CHANGE

I, ANJANA DEVI W/o No. JC 522910W Rank SUB Name MUKHTIAR SINGH, R/o VPO-MALANGAN, TEH-JHANDUTTA, DIST-BILASPUR (HP)-174029 have changed my name from ANJANA DEVI to ANJNA DEVI for all future purposes. Vide Affidavit dated 13/05/2024 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as KM GOLA BANO alias GULAKSHA D/o VAKEEL W/o SHAKIL AHAMAD residing at Garaw Garhi, Chhaura Gadaua, Hathras, Uttar Pradesh - 204216 have changed my name and shall hereafter be known as GOLA BANO.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैं सत्य नारायण स/ह श्री वजीर सिंह पता सभी कार्य व्यवहार में दर्ज मेरा पुराना पता क्रै-166 दुर्गा पार्क, स्ट्रीट नंबर-7, थाना डाबडी डिस्ट्रीक साउथ वेस्ट न्यू दिल्ली -110045 है, अब मेरा (नया पोस्टल पता) स्थायी पता, प्लॉट नंबर 87/48 ग्राउंड फ्लोर, नांगलोई नजफगढ़ रोड, ए ब्लॉक, शिव एंक्लेव नजफगढ़, साउथ वेस्ट दिल्ली -110043 हो गया है।

मोबाइल नंबर: +919891952620

PUBLIC NOTICE

My client Raj Kumari W/o Markandey Tiwari R/o H No.24, Sanjay Colony, Phase-II, Okhla, South Delhi- 110020 has disowned her daughter in law namely Khushu W/o Late Late Sh. Manoj Kumar Tiwari from her all moveable and immovable properties and also severed all relations with her. My client will not be responsible for the acts and actions of her daughter in law, if any body deals with her.

AJIT SINGH TOMAR ADVOCATE
Office: E-27. SARITA VIHAR NEW DELHI-110076

सूचना

मैं शरीफ़ अहमद पुत्र अली मोहम्मद निवासी K-2/1250, संगम विहार, नई दिल्ली- 62 जन साधारण को सूचित करता हूँ कि मेरा बेटा वसीम अहमद पुत्र शरीफ़ अहमद निवासी K-2/1250 G/F, संगम विहार, नई दिल्ली-62 मेरे नियंत्रण से बाहर है, बुरे लोगो के साथ उसका उठना-बैठना है । उपरोक्त वसीम अहमद के बुरे बर्ताव के कारण मैंने व मेरे परिवार ने उपरोक्त वसीम अहमद से सारे सम्बन्ध खत्म कर दिए है तथा उसके पुत्र वाले सारे अधिकार खत्म के दिए है। अगर कोई व्यक्ति उपरोक्त वसीम अहमद से किसी प्रकार का लेन-देन करता है तो उसका वो स्वयं ज़िम्मेदार होगा और यदि उपरोक्त वसीम अहमद किसी अपराधिक गतिविधि में लिप्त होता है या किसी से कोई लेन-देन करता है तो उसका वो स्वयं ज़िम्मेदार होगा। मैं व मेरे परिवार का कोई सदस्य उपरोक्त वसीम अहमद द्वारा किये किसी गैर कानूनी काम या लेन-देन के लिए ज़िम्मेदार नही होंगे ।

NAME CHANGE

I, BHAWANA W/O AJEET KUMAR R/O A-1, Type - VI. (Tower-1), NBCC-GPRA Complex, New Delhi, Kidwai Nagar East, PO: Sarojini Nagar, DIST: South West Delhi, Delhi-110023 have changed my name from BHAWANA to BHAWANA SAH KUMAR for all future purposes.

NAME CHANGE

I, RAMANAMMA mother of NO-15330311N Rank- HAV Name-JAGANNADHAM K, presently residing at H.NO-7-33, VPO-LAKKAVARAM, TEH-CHODAVARAM, DISTT-VISAKHAPATNAM, ANDHRA PRADESH-531075 have changed my name from RAMANAMMA to KARRI RAVANAMMA for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1953 instead of my correct date of birth as 01/01/1956 vide affidavit dated 13/05/2024 before Notary Public, Delhi.

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे मुवक्किलगण डाक्टर अनिल सिंह पुत्र स्व. श्री एन. के. सिंह, और उनकी पत्नि कंचन सिंह दोनो निवासी प्लाट नं. डी 121, खसरा नं. 28/5/2 और 6/1 समता एन्कलेव, नई दिल्ली 110071, ने अपने पुत्र श्री अभिषेक कुमार से दुर्व्यवहार व उसके नियंत्रण से बाहर होने की वजह से समस्त संबंध विच्छेद कर लिए है तथा अपनी चल व अचल समपत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य मे मेरे मुवक्किलगण उसके किसी भी नैतिक व अनैतिक कार्य के प्रति उत्तरदायी नहीं होंगे। कोई भी व्यक्ति उपरोक्त पुत्र के साथ कोई लेन-देन या व्यवहार रखता है तो वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरे मुवक्किलगण की किसी भी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नही होगी।

RAJNIKANT MISHRA ADVOCATE
HALL NO. 4, SEAT NO. 9, LAWYER'S CHAMBER BLOCK, DISTRICT COURTS DWARKA, SECTOR-10, NEW DELHI 110075

PUBLIC NOTICE

Notice to public at large that my client Mr.Tek Chand S/o Sh. Ami Chand R/o WZ-144, Village Tihar, New Delhi has severed his relations and debarred his son Sohan and his wife Poonam from all their movable/immovable property. If anybody deals with them which is at their own risk & responsibility.

AMIT GABA ADVOCATE
Ch.No.T-7, Tis Hazari Court, Delhi

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती आशा वर्मा पत्नी श्री राकेश वर्मा, आवासीय संपत्ति का क्षेत्रफल 50 वर्ग गज i.e. 41.80 वर्ग मीटर, आवासीय कॉलोनी लक्ष्मी नगर, मोदीनगर, गाजियाबाद, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित हैं की मालकिन है, और उपरोक्त संपत्ति श्री अंकुर पुत्र श्री हरिओम शर्मा को विक्रय कर रही है। व उपरोक्त संपत्ति सत्य माइक्रो हाउसिंग फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड, शाखा गाजियाबाद द्वारा वित्तपोषित की जाएगी। उपरोक्त संपत्ति के स्वामित्व सम्बंधित दस्तावेज मूल विक्रय-विलेख दिनांक 24.09.2007 क्रमांक संख्या 10652, खंड संख्या 2167, पुस्तक संख्या 01, पृष्ठ संख्या 65-78, दिनांक 24.09.2007, एसआरओ- मोदी नगर व विक्रय-विलेख दिनांक 30.05.2008 क्रमांक संख्या 6075, खंड संख्या 2570, पुस्तक संख्या 01, पृष्ठ संख्या 01-12, दिनांक 30.05.2008, एसआरओ-मोदी नगर, दोनों विक्रय-विलेख श्रीमती आशा वर्मा पत्नी श्री राकेश वर्मा के द्वारा कही खो गया है, जिसका ऑनलाइन एफआईआर (प्राथमिकी नंबर) एल.आर. संख्या 20240000366500 और 20240000366496 दिनांक 08.05.2024 को ऑनलाइन पुलिस यूनिट- पुलिस कंप्यूटर केंद्र, तकनीकी सेवाएं हेडक्वार्टर, लखनऊ में दर्ज की गई है यदि मूल बिक्री विलेख किसी भी व्यक्ति के कब्जे में पाया जाता है तो कृपया मूल संपत्ति दस्तावेजों के साथ हमे इस नोटिस की तारीख से 07 दिनों के भीतर निम्न पते पर संपर्क करें ! ऐसा न करने पर, उपरोक्त बिक्री विलेख के अनुसार विषय संपत्ति के संबंध में शून्य और शून्य के रूप में दावा माना जाएगा.

[ASHWANI KUMAR] Advocate
Chamber No. 122, Tehsil Compound, Ghaziabad, U.P.

हरियाणा रोजगार कौशल निगम के विलय मामले में शिक्षा विभाग को नोटिस

एजेंसी

चंडीगढ़। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने हरियाणा कंप्यूटर लैब सहायक वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए शिक्षा विभाग को नोटिस जारी किया है। शिक्षा विभाग को 12 जुलाई तक हाई कोर्ट में जवाब दाखिल करना होगा। दरअसल, शिक्षा विभाग की ओर से अप्रैल माह में 4200 कंप्यूटर शिक्षक और लैब सहायकों का अनुबंध एक वर्ष के लिए बढ़ाया गया। इनमें 2000 कप्यूटर शिक्षक और 2200 लैब सहायक शामिल थे। वहीं कंप्यूटर शिक्षक और लैब सहायकों ने विद्यालय शिक्षा निदेशालय के हरियाणा कौशल रोजगार निगम के अधीन करने के प्रस्ताव का विरोध जताते हुए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। हाई कोर्ट में दायर की गई याचिका में कंप्यूटर शिक्षक और लैब सहायकों ने विरोध जताते हुए तर्क दिया है कि एचकेआरएन के जरिये भर्ती नियमों के विरुद्ध है जबकि 30 जून 2022 के अनुबंध नियम पी-25 में कर्मचारियों को स्थानांतरित (पोर्ट) करने का कोई प्रावधान नहीं है।

हाई कोर्ट ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कंप्यूटर शिक्षक और लैब सहायक यथास्थिति के मुताबिक कार्यरत रहने का आदेश दिया था। अब हरियाणा कंप्यूटर लैब सहायक वेलफेयर एसोसिएशन की याचिका पर हाई कोर्ट ने शिक्षा विभाग को नोटिस जारी कर 12 जुलाई तक जवाब मांगा है।

इस बार झाड़ू से भ्रष्टाचार साफ करना है : सुशील गुप्ता

यमुनानगर। आम आदमी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष और कुरुक्षेत्र लोकसभा से 'इंडिया' गठबंधन के प्रत्याशी डॉ. सुशील गुप्ता ने रादौर विधानसभा के गांवो के दौरे किए। इस मौके पर उनके साथ विधायक बिशन लाल सैनी, आदर्शपाल सिंह मौजूद रहे।

डॉक्टर सुशील गुप्ता ने कहा इस प्रदेश में जितना नशा बीजेपी के राज में फैला उतना कभी नहीं फैला। हर गांव और हर घर तक नशा पहुंच गया है। सरकार ने आज तक जहरीली शराब हुई 50 लोगों की जांच पूरी नहीं होने दी। हरियाणा की अवैध शराब का कारोबार गुजरात और दिल्ली तक जाता है। उन्होंने कहा कि हरियाणा के हर गांव में लोग बीजेपी और जेजेपी से नफरत करने लगे हैं। क्योंकि ये देश की संविधान और लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं। संसद में एक सवाल पूछने पर 150 सांसदों को सस्पेंड कर दिया। जब से देश आजाद हुआ है तब से लेकर चार महीने पहले तक कभी किसी मुख्यमंत्री को गिरफ्तार नहीं किया गया था। परंतु बीजेपी ने दिल्ली की जनता द्वारा तीन बार चुने हुए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को गिरफ्तार कर लिया। अरविंद केजरीवाल की जमानत से बीजेपी की साजिश बेनकाब हुई है।

सर्विस वोटर से मिले पोस्टल बैलेट की पहले होगी स्कैनिंग

चंडीगढ़। हरियाणा में लोकसभा चुनाव के लिए सभी जिलों के रिटर्निंग अधिकारियों को चुनाव सामग्री कलेक्ट करने के निर्देश दिए हैं। चुनाव सामग्री के लिए राज्य निर्वाचन आयोग ने अंबाला में एक स्टोर स्थापित किया है। मतगणना से पहले सर्विस मतदाताओं से मिले पोस्टल बैलेट की स्कैनिंग की जाएगी। मुख्य निर्वाचन अधिकारी अनुराग अग्रवाल ने प्रदेश के सभी उपायुक्त-कम-जिला निर्वाचन अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने को कहा है कि वह अंबाला स्टोर से चुनाव सामग्री हासिल कर लें।अग्रवाल ने कहा कि मतगणना से पहले सर्विस मतदाताओं से प्राप्त पोस्टल बैलेट की स्कैनिंग होगी। इसलिए हर 10 स्कैनर पर एक सहायक रिटर्निंग अधिकारी की नियुक्ति की जाएगी। प्रस्तावित मतगणना की हर टेबल पर अलग से सहायक रिटर्निंग अधिकारी की नियुक्ति होगी। इन अधिकारियों के नाम व मोबाइल नंबर मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय में भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

भारत विकास परिषद ने किया 50 नर्सों का सम्मान

झज्जर। भारत विकास परिषद की बहादुरगढ़ शाखा और विवेकानन्द शाखा के संयुक्त तत्वाधान में अतंरराष्ट्रीय नर्स दिवस के उपलक्ष्य में ब्रहम शक्ति संजीवनी अस्पताल में 50 नर्सों को सम्मानित किया गया। नगर परिषद बहादुरगढ़ की चेयरपर्सन सरोज रमेश राठी ने नर्सिंग की सेवा को महान बताया और नर्सों को सम्मानित किया। नर्स दिवस पर प्रकाश डालते हुए सरोज राठी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस हर वर्ष 12 मई को आधुनिक नर्सिंग की जननी फ्लोरेंस की याद में मनाया जाता है। यह मुख्य रूप से स्वास्थ्य सेवाओं में कार्यरत नर्सों को समाज में उनके परिश्रम और सेवा के लिए सम्मानित करने के लिए मनाया जाता है। ब्रहमशक्ति संजीवनी अस्पताल के निदेशक डॉ. मनीष शर्मा ने नर्सों को संबोधित करते हुए कहा कि फ्लोरेंस नाइटिगेंल आधुनिक नर्सिंग की जननी मानी जाती हैं। फ्लोरेंस ने नोट्स ऑन नर्सिंग नाम की पुस्तक का प्रकाशन किया। यह नर्सिंग पाठयक्रम के लिए लिखी गई विश्व की पहली पुस्तक है। समारोह में सम्मानित की गई नर्सों ने हमेशा हृदय से रोगियों की सेवा करने का संकल्प व्यक्त किया। भाविप की विवेकानंद शाखा के संरक्षक पवन जैन ने बताया कि क्रीमिया युद्व के दौरान लालटेन लेकर उन्होंने घायल सैनिकों की देखभाल की, इसी वजह से इन्हें लेडी विद द लैंप कहा जाता है।

भाजपा सरकार ने नागरिकों को उपलब्ध करवाई जनसुविधाएं : रणजीत सिंह

- हिसारवासियों को बताया परिवार का सदस्य, अधिक से अधिक मतदान की अपील

एजेंसी

हिसार। हिसार लोकसभा क्षेत्र से भाजपा उम्मीदवार रणजीत सिंह ने शहरी क्षेत्र में तूफानी दौरा करके जनसंपर्क अभियान चलाया। अभियान के दौरान वे शहरवासियों से सीधे मिले और कहा कि हिसारवासी उनके परिवार का हिस्सा हैं और भविष्य में भी ये रिश्ता कायम रहेगा। रणजीत सिंह ने सब्जी मंडी क्षेत्र में जनसभा की और क्षेत्रवासियों को केन्द्र व प्रदेश सरकार की नीतियों से अवगत करवाया। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बराबर जनसुविधाएं उपलब्ध करवाने पर जोर दिया है। भाजपा सरकार का सदैव यह प्रयास रहा है कि देश के हर नागरिक को समान अधिकार व समान सुविधाएं मिले

और इसी नीति पर चलते हुए सरकार ने काम किया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार ने व्यापारियों व छोटे दुकानदारों के लिए भी लाभकारी नीतियां लागू की है। व्यापारियों के हित में बड़ा कदम उठाते हुए हरियाणा की भाजपा सरकार ने बीमा योजना लागू की है, ताकि किसी आपदा के समय व्यापारी के नुकसान की भरपाई हो सके। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे मतदान दिन अपना एक-एक वोट भाजपा के पक्ष में देकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ मजबूत करें ताकि देश को विकसित बनाने में हम अपना योगदान दें सकें।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री डॉ. कमल गुप्ता एवं पूर्व मेयर गौतम सरदाना ने कहा कि शहरवासियों ने तीसरी बार मोदी सरकार बनाने में सहयोग देने की ठान ली है। हर क्षेत्र की जनता साफ व स्वच्छ छवि के नेता रणजीत सिंह को सांसद बनाने को बेताब है। कार्यक्रम के दौरान उनके साथ हिसार लोकसभा संयोजक रवि सैनी, प्रवीण पोपली, सुदेश चौधरी, मंडल अध्यक्ष लोकेश असीजा, सुशील बुड़ाकिया, ओबीसी मोर्चा प्रदेश सदस्य, सुरेन्द्र सैनी, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष सुशील खोवाल, पार्षद प्रीतम सैनी, किसान मोर्चा जिला उपाध्यक्ष रघुवीर सिंह लांबा, किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष धर्मसिंह खटकड़, सब्जी मंडी मंडल अध्यक्ष सुभाष शर्मा, सातरोड मंडल अध्यक्ष जयवीर पंघाल, पूर्व एमसी दयानंद सैनी, सब्जी मंडी एसोसिएशन प्रधान ओमप्रकाश राडा, रवि महता, मौसम, प्रद्युमन जोशीला, संदीप यादव, डॉ. उमेद खन्ना, सुशील, महेंद्र सैनी और सैंकड़ों की संख्या में मंडी व्यापारी इस अवसर पर मौजूद रहे।

नारनौल के लघु सचिवालय भवन में लगी भीषण आग

एजेंसी

नारनौल। स्थानीय लघु सचिवालय की चौथी मंजिल पर सुबह अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। सूचना पर दमकल की चार गाड़ियां मौके पर पहुंचकर आग बुझाने में जुट गईं। आग से एक्साइज एंड टक्सेशन और नेशनल इन्फॉर्मेशन सेंटर को काफी नुकसान पहुंचा है।

जानकारी के अनुसार लघु सचिवालय के पास रहने वाले लोगों ने सुबह लगभग 5.30 बजे सचिवालय की चौथी मंजिल से धुआं और आग की लपटें उठती देखीं। लोगों ने इसकी जानकारी दमकल विभाग को दी। सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ी मौके पर पहुंची लेकिन आग विकराल होने के कारण दमकल की तीन और गाड़ियां और बुलानी पड़ी। चौथी मंजिल पर आग लगी होने के कारण आग बुझाने में काफी मशक्कत भी दमकल कर्मियों को करनी पड़ी। बताया कि बिल्डिंग के जिस हिस्से में आग लगी है वहां नेशनल इन्फॉर्मेशन सेंटर का कार्यालय है। वहीं इस बिल्डिंग में अन्य कई सरकारी कार्यालय हैं। यहां अनेक कंप्यूटर रखे हुए हैं। पूरे कार्यालय में लकड़ी का फर्नीचर लगा हुआ है। इसके कारण आग तेजी से फैलती जा रही है। आग लगने की सूचना मिलने के बाद अनेक प्रशासनिक अधिकारी भी सचिवालय पहुंच गए। बताया जा रहा है कि आग लगने से एक्साइज एंड टक्सेशन और नेशनल इन्फॉर्मेशन सेंटर को भारी नुकसान पहुंचा है। इसमें ऑफिस में रखे कई रिकॉर्ड्स जल गए हैं। अतिरिक्त उपायुक्त दीपक बाबूलाल ने घटना के बारे में बताया है कि उन्हें सुबह लगभग 5.30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद वह मौके पर पहुंच गए। आग किन कारणों से लगी है इस बारे में कुछ नहीं कह सकते। आग से हुए नुकसान का आकलन भी अभी नहीं लगाया जा सकता। हालांकि दो सरकारी कार्यालयों को काफी नुकसान हुआ है।

मतदाता संपर्क अभियान से हर मतदाता में हुआ नई उर्जा का संचार : डॉ. आशा खेदड़

एजेंसी

हिसार। भारतीय जनता पार्टी ने मतदाता संपर्क अभियान चलाकर दो दिनों में जिले के हर मतदाता से संपर्क किया है। पार्टी के इस अभियान से हर कार्यकर्ता व हर मतदाता में नई उर्जा का संचार हुआ है और यह नई उर्जा लोकसभा चुनाव में हमारे उम्मीदवार रणजीत सिंह की लाखों मतों से जीत सुनिश्चित करेगी। यह बात भाजपा जिला अध्यक्ष डॉ. आशा खेदड़ ने उकलाना विधानसभा क्षेत्र के गांव चमारखेड़ा व बिठमड़ा मतदाता संपर्क अभियान चलाते हुए कही।

उन्होंने कहा कि विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी ने राष्ट्रीय स्तर पर यह अभियान चलाया

है। इसके तहत हर पदाधिकारी व नेता ने बूथों पर जाकर मतदाताओं से संपर्क साधा है और उन्हें केन्द्र व प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों से अवगत करवाया है। भाजपा लोकसभा मीडिया प्रभारी राजेन्द्र सपड़ा ने बताया कि अभियान के दौरान जिला अध्यक्ष डॉ. आशा

- भारतीय जनता पार्टी ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने में लिए चलाया देशभर में अभियान

खेदड़ ट्रेक्टर चलाकर गांव पहुंची और एकत्रित ग्रामीणों से बातचीत की। उन्होंने बताया कि पार्टी की ओर से चलाए गए अभियान से पार्टी पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं में जोश का संचार हुआ है।

इन कार्यक्रमों में मुख्य रूप से मंडल अध्यक्ष सुमित कुमार, दिलबाग सिंह, लोकसभा सोशल मीडिया प्रमुख अमर पातड़, महिला मोर्चा मंडल अध्यक्ष आरजू, सुमन, राधा, रीतू, सोनिया, रविता, सुमन, राधिका, सुमन, इन्द्र सिंह ओला, सरपंच प्रतिनिधि धर्मपाल, पूर्व सरपंच दिलबाग सिंह, जयवीर सेन, रमेश पूनिया, पवन सिंह, महेंद्र सिंह ओला व चंद्रभान शर्मा सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैलेट पेपर से चुनाव कराने का अधिकारियों को दिया प्रशिक्षण

एजेंसी

फतेहाबाद। टोहाना के सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम प्रतीक हुड्डा ने कहा कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा सभी वर्गों की चुनाव में भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। लघु सचिवालय में लोकसभा आम चुनाव में 85 वर्ष से अधिक आयु व दिव्यांग मतदाताओं को बैलेट पेपर द्वारा घर से ही मतदान कराने के लिए सम्बंधित चुनाव अधिकारियों को ट्रेनिंग दी गई। सहायक निर्वाचन अधिकारी एवं एसडीएम प्रतीक हुड्डा ने कहा कि लोकसभा आम चुनाव में 85 वर्ष से अधिक आयु व दिव्यांग मतदाताओं को बैलेट पेपर द्वारा घर से ही मतदान करने की सुविधा दी गई है।

सनातन धर्म की रक्षा में ब्राह्मण समाज का बहुत बड़ा योगदान: नवीन जिन्दल

एजेंसी

कैथल। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी पूर्व सांसद नवीन जिन्दल कैथल की जिला सर्व ब्राह्मण धर्मशाला में आयोजित परशुराम जयंती पर मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचे। उन्होंने भगवान परशुराम के चित्र के आगे दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। नवीन जिंदल ने कहा कि देश की संस्कृति और सनातन धर्म की रक्षा में ब्राह्मण समाज का बहुत बड़ा योगदान है। मुगलों ने जब नालंदा में शास्त्र जला दिये,तब अपनी स्मरण शक्ति में हमारे वेद-पुराण का संग्रह कर ब्राह्मण समाज ने सनातन संस्कृति की रक्षा की। उन्होंने कहा कि जिन्दल परिवार आज जहां पर है, उसमें ब्राह्मण समाज का बड़ा योगदान है। ब्राह्मण समाज का आशीर्वाद सदैव फलीभूत होता है। ईश्वर ने हमें बहुत कुछ दिया है इसलिए

हम देश की सेवा करना चाहते हैं। उन्होंने आह्वान किया कि 25 मई को कमल के फूल के सामने का बटन दबाकर भारतीय जनता पार्टी को भारी मतों से विजयी बनाएं। इस अवसर पर विधायक लीलाराम गुर्जर, पूर्व विधायक दिनेश कौशिक, पूर्वसांसद जनरल (रि.) डीपी वत्स, जिलाध्यक्ष अशोक गुर्जर, विनोद निर्मल, राजू कौशिक, संदीप मौद्दिल, कमलेश शर्मा, सुरेश गर्ग नौच, कर्मवीर शर्मा,कृष्ण बंसल, मनीष कटवाड़, विक्की शर्मा, राजकुमार शर्मा, कविराज शर्मा मौजूद रहे।

पिछड़ा वर्ग और ओबीसी को आगे बढ़ाने का काम भाजपा ने किया: मदन चौहान

एजेंसी

यमुनानगर। भारतीय जनता पार्टी द्वारा जगाधरी विधानसभा क्षेत्र के गांव चुहडपुर कलां में पिछड़ा वर्ग सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें कृषि मंत्री कंवर पाल व भाजपा ओबीसी मोर्चा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य पूर्व मेयर मदन चौहान सहित बहुत से भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने शिरकत की।

इस मौके पर हरियाणा भाजपा के स्टार प्रचारक कृषि मंत्री कंवरपाल ने कहा कि ओबीसी वर्ग ए को आरक्षण देने की बात उन्होंने उस समय के तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल से की थी। जिस पर भाजपा सरकार ने निर्णय लेते हुए ओबीसी ए वर्ग को पंचायती राज चुनावों में आरक्षण देने का निर्णय किया गया। सबसे अधिक पिछड़ा वर्ग भारतीय जनता पार्टी के

साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है। जब से भाजपा मोदी सरकार व हरियाणा सरकार सत्ता में आई, तब से सबसे अधिक पिछड़े वर्ग को सम्मान दिया गया। पिछड़ा वर्ग के लिए गठित आयोग को सैंवाधनिक दर्जा दिया गया है। लगभग 550 सरपंच पिछड़ा वर्ग से चुने गए। सबसे अधिक मंत्री भी पिछड़ा वर्ग से रहे हैं।

जितेंद्र राठी बने भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष

एजेंसी

झज्जर। भारतीय शैली कुश्ती महासंघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष की जिम्मेदारी महासंघ के अध्यक्ष रहे स्व. नफे सिंह राठी के पुत्र जितेंद्र राठी को सौंपी गई है। यह निर्णय बहादुरगढ़ में आयोजित महासंघ की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में सर्वसम्मति से लिया गया। इससे पहले महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष नफे सिंह राठी थे। बैठक में सभी ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। जितेन्द्र राठी को प्रधान बनाने के अलावा बैठक में ध्यानचंद अवार्डी ज्ञान सिंह (ओलंपियन) को तकनीकी चेयरमैन व अर्जुन अवार्डी (ओलंपियन) कृपाशंकर पटेल को तकनीकी सचिव चुना गया। वरिष्ठ उप प्रधान जम्मू-कश्मीर के शिव कुमार शर्मा, उप प्रधान मध्य प्रदेश के अर्जुन यादव, महासचिव दिल्ली के गौरव रोशन लाल, कोषाध्यक्ष गुजरात के हनीफ राज शेख, संयुक्त सचिव चुत्री कसान , सदस्य सज्जन सिंह, महाराष्ट्र के मोहन खोपड़े, बैजनाथ सूद, खालिद शेख, सत्यनारायण, विकास दीप, जुगिंद्र पाल आदि बैठक में मौजूद थे।

नैना चौटाला को वोट देकर हिसार से पहली महिला सांसद बनाएं : दुष्यंत चौटाला

- पूर्व उप मुख्यमंत्री ने शहरी क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चलाकर मांगे माता के लिए वोट

एजेंसी

हिसार। पूर्व उप मुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने कहा है कि हिसार उनके दिल में हैं और पूरे भारत में सबसे कम उम्र का सांसद बनाकर उन्हें हिसार की जनता ने संसद में भेजा था। हिसार की जनता ने उन्हें उंगली पकड़ कर संसद में भेजा और उन्होंने भी जनता के लिए काफी कुछ किया। वे हिसार शहर में जनसंपर्क अभियान चलाकर पार्टी उम्मीदवार एवं अपनी मां नैना चौटाला के लिए वोट मांग रहे थे।

उन्होंने कहा कि हिसार की जनता का उन पर कर्ज है जो वे कभी नहीं चुका सकते लेकिन हमेशा से

कोशिश रही है कि यहां की जनता के लिए बहुत कुछ करूं। उन्होंने कहा कि जब वे सांसद थे तब हिसार के लिए कई कार्य किए। हिसार में पासपोर्ट सेवा केन्द्र नहीं था और पासपोर्ट बनवाने के लिए लोगों को चंडीगढ़ या अंबाला जाना पडता था। लोकसभा में आवाज उठाकर पासपोर्ट सेवा केन्द्र हिसार में स्थापित करवाया, ग्रामीण क्षेत्रों में पीने के पानी की कमी को देखते हुए पानी के टैंकरों की व्यवस्था की गई थी, दक्षिण भारत की और यात्रा करने के लिए वाया दिल्ली होकर जाना पडता था, हिसार को सीधे दक्षिण भारत से जोडा, छोटी-छोटी ढाणियों तक बिजली पहुंचाई। हिसार को एविएशन हब बनाने के लिए काम किया। इसके चलते हिसार में अंतरराष्ट्रीय स्तर का बडा हवाई अड्डा हिसार की धरती पर बन रहा है। हिसार ने विकास के नए आयाम को छुआ है।

दुष्यंत चौटाला ने हिसार की जनता को अपना परिवार बताते हुए कहा कि इस बार जजपा प्रत्याशी नैना सिंह चौटाला को सांसद चुनो, हिसार के विकास को हम सब मिलकर दोगुनी रफ्तार से आगे बढाएंगे। दुष्यंत ने शहर के शिव विहार, खजांचियान बाजार, राजगुरू मार्केट, पड़ाव चौक, 12 क्वाटर रोड, प्रीति नगर, सेक्टर 4, विनोद नगर, नेताजी कॉलोनी, सोरगर बस्ती, ऋषि नगर व शांति नगर में जनसंपर्क अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि इस बार महिला शक्ति होने के नाते नैना सिंह चौटाला को अभूतपूर्व और रिकॉर्ड तोड़ मत देकर विरोधियों को बता दो कि हिसार की जनता हमेशा रिकॉर्ड बनाती है। पहले सबसे कम उम्र का सांसद दिया और अब पहली बार महिला सांसद देने जा रही है।

भजनलाल परिवार ने सदैव किसान हितों के लिए संघर्ष किया: भव्य बिश्नोई

एजेंसी

हिसार। आदमपुर के विधायक भव्य बिश्नोई ने कहा है कि किसानों के हितों के लिए चौ. भजनलाल परिवार ने सदैव संघर्ष किया है। चाहे कांग्रेस में रहकर भी भू-माफिया की हुड्डा सरकार की नीतियों का विरोध हो या फिर किसान आंदोलन के दौरान भी उन्होंने व कुलदीप बिश्नोई ने किसानों की आवाज़ उठाने का काम किया था। वे भाजपा उम्मीदवार रणजीत सिंह के समर्थन में आदमपुर विधानसभा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान चला रहे थे।

उन्होंने हलके के गांव चुली कलां, चुली खुर्द, चुली बागडियान सहित एक दर्जन गांवों में जनसंपर्क अभियान चलाया। इस दौरान चूली कलां में किसानों के साथ संवाद करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा में आने के बाद भी उन्होंने क्षेत्र के किसान हितों के लिए विधानसभा तक आवाज उठाई है। क्षेत्र में किसानों के खालों के कार्य को पूरा करवाने के लिए उन्होंने मुख्यमंत्री से मिलकर नियमों में बदलाव तक करवाया और खाल की ग्रांट मंजूर करवाई। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेता सिर्फ किसानों की बात करते हैं,

जबकि भजनलाल परिवार ने सदैव किसानों की आवाज़ बनने का काम किया है। उन्होंने बहुत ही सदभावनापूर्ण तरीके अपनी बात सुनने के लिए किसानों का आभार जताया। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों से बात करके चुली कलां में किसानों की समस्या को तुरंत प्रभाव से दूर करने तथा गांव में किसानों के बीच पहुंचने के निर्देश भी दिए। भव्य ने कहा कि आदमपुर और भजनलाल परिवार का 56 वर्षों का आपसी प्यार, भाइचारे और अटूट

- रणजीत सिंह के समर्थन में विधायक ने किया दौरा, किसानों से किया संवाद

विश्वास का रिश्ता है। आगामी 25 मई को हलके की जनता भाजपा प्रत्याशी रणजीत सिंह को विजयी बनाकर इस रिश्ते को और ज्यादा मजबूत करने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि आज पूरा देश नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री देखना चाहता है, क्योंकि पिछले 10 वर्षों में उन्होंने ऐतिहासिक कार्य किए हैं।

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जिला प्रशासन ने कराई वॉकथॉन

एजेंसी

फतेहाबाद। जिला प्रशासन द्वारा लोकसभा आम चुनाव-2024 के तहत 25 मई को होने वाले मतदान का प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिला में स्वीप अभियान के तहत निरंतर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में सुबह 6 बजे से 8 बजे के बीच एमएम कॉलेज फतेहाबाद से पपीहा पार्क तक वॉकथॉन का आयोजन किया गया। जिला प्रशासन द्वारा आयोजित वॉकथॉन में खिलाड़ी, सामाजिक-धार्मिक संगठनों और आम नागरिकों ने पैदल चलते हुए मतदाता जागरूकता के लिए संदेश दिया। अतिरिक्त उपायुक्त एवं स्वीप कार्यक्रम के नोडल अधिकारी राहुल मोदी और उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं सीटीएम कैप्टन परमेश सिंह ने वॉकथॉन का नेतृत्व किया और मतदान के लिए नागरिकों को प्रेरित किया।

झज्जर निवासियों ने वॉकथॉन से दिया अधिक से अधिक मतदान का संदेश

- बच्चे, युवा, बुजुर्ग व महिला सभी वर्गों के लोगों ने लगाई वॉकथॉन में दौड़ वॉकथॉन

एजेंसी

झज्जर। मतदाता जागरूकता अभियान के तहत शहरवासियों ने वॉकथॉन करते हुए लोकसभा चुनाव में 25 मई के दिन अधिक से अधिक मतदान करने का संदेश दिया। शहर के महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम से प्रारंभ हुई वॉकथॉन में बच्चे, बुजुर्ग, महिला सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों ने पूरे जोश के साथ बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

बेरी के एसडीएम रविंद्र मलिक ने स्टेडियम से वॉकथॉन को हरी झंडी दिखाते हुए रवाना किया। मतदान जागरूकता के नारे लिखी तख्तियां हाथों में लेते हुए युवाओं व बच्चों ने वॉकथॉन में कदमताल करते हुए आमजन को मतदान के लिए प्रेरित किया। एडीसी एवं स्वीप की नोडल अधिकारी सलोनी शर्मा ने बताया कि लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत मतदान प्रतिशत बढ़ाने के उद्देश्य तथा शत प्रतिशत मतदान के लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वीप अभियान के तहत प्रात: 6 बजे जिला निर्वाचन अधिकारी कैप्टन शक्ति सिंह के मार्गदर्शन में वॉकथॉन के माध्यम से मतदान का संदेश दिया गया। उन्होंने बताया कि सभी मतदाताओं को 25 मई को मतदान के प्रति प्रेरित करने के लिए स्वीप अभियान के तहत अनेक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसके तहत ही वॉकथॉन का आयोजन किया गया है जिसमें देशवासियों की तरफ से गजब का उत्साह देखने को मिला। एडीसी ने कहा कि लोकतांत्रिक देश में एक आम आदमी की सबसे बड़ी ताकत मताधिकार है। वॉकथॉन को संबोधित करते हुए एसडीएम रविंद्र मलिक ने कहा कि हर योग्य व्यक्ति को अपने मताधिकार का प्रयोग अनिवार्य रूप से करना चाहिए। आप लोगों का एक-एक मत आपकी दिशा व दशा तय करेगा। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान कर हम अपने लिए एक बेहतर प्रतिनिधि और सरकार चुन सकते हैं। उन्होंने कहा कि वॉकथॉन से समाज में प्रत्येक मतदाता को मतदान करने का संदेश दिया गया है।

NAME CHANGE

I, MANDEEP S/o SATBIR SINGH, residing at Flat No. 8, Second Floor, F-7.5, Near Townsquare 2, Vatika India Next Sector 82, Sikanderpur, Gurgaon, Haryana-122004, have changed the name of my minor daughter VAANYA aged 08 years and she shall be here-after known as VAANYA NISARWAL.

एस्कॉर्ट्स कुबोटा नए विनिर्माण संयंत्र में 4,500 करोड़ रुपये का निवेश करेगी

नई दिल्ली। एस्कॉर्ट्स कुबोटा लिमिटेड, एक प्रमुख कृषि और निर्माण उपकरण निर्माता, एक नई विनिर्माण सुविधा स्थापित करने के लिए अगले तीन से चार वर्षों में 4,500 करोड़ रुपये तक के बड़े निवेश की योजना बना रही है। कंपनी के पूर्णकालिक निदेशक और सीएफओ भरत मदान ने कहा कि घिलोथ में एक साइट के लिए राजस्थान सरकार के साथ चर्चा चल रही है, जहां ग्रीनफील्ड प्लांट विकसित किया जाएगा।प्रस्तावित संयंत्र का लक्ष्य घरेलू ट्रैक्टर उत्पादन क्षमता को दोगुना कर 3.4 लाख यूनिट सालाना करना है और इसमें चरणों में नए इंजन और निर्माण उपकरण लाइनों की स्थापना शामिल होगी। मदन का अनुमान है कि निर्दिष्ट अवधि में परियोजना की लागत 4,000 करोड़ रुपये से 4,500 करोड़ रुपये के बीच होगी।उन्होंने खुलासा किया, इस साल, हम 400 करोड़ रुपये से 450 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत के साथ भूमि अधिग्रहण करने और चालू वित्तीय वर्ष के अंत तक निर्माण शुरू करने की उम्मीद करते हैं।

एयर इंडिया एक्सप्रेस नेटवर्क को स्थिर करते हुए धीरे-धीरे अपनी उड़ानें बहाल कर रही

नई दिल्ली। एयर इंडिया एक्सप्रेस धीरे-धीरे अपनी उड़ानें बहाल कर रही है और नेटवर्क को स्थिर कर रही है, एक अधिकारी ने कहा, जबकि केबिन क्रू यूनियन ने इस बात पर जोर दिया कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी सदस्य ड्यूटी पर शामिल हो गए हैं। अधिकारी ने कहा कि टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन, जो प्रतिदिन लगभग 380 सेवाएं संचालित करती है, ने कम से कम 20 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी हैं और कहा कि मंगलवार सुबह तक स्थिति पूरी तरह सामान्य होने की उम्मीद है।] एयर इंडिया एक्सप्रेस की ओर से कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं आई। एयरलाइन में कथित कुप्रबंधन के विरोध में केबिन क्रू के एक वर्ग की हड़ताल के कारण मंगलवार रात से सैकड़ों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं।- राष्ट्रीय राजधानी में मुख्य श्रम आयुक्त द्वारा बुलाई गई एक सुलह बैठक के बाद गुरुवार को हड़ताल वापस ले ली गई और वाहक ने 25 केबिन क्रू को जारी किए गए समाप्ति पत्र भी वापस ले लिए। बैठक में एयरलाइन और एयर इंडिया एक्सप्रेस कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। एक विज्ञप्ति में, यूनियन ने कहा कि बीमार होने की सूचना देने वाले सभी केबिन क्रू वापस आ गए हैं और ऐसे में केबिन क्रू की ओर से कोई देरी नहीं हुई है।

कमजोर शेयरों से शीर्ष कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 1.73 लाख करोड़ घट गया

नई दिल्ली। शीर्ष कंपनियों का बाजार मूल्यांकन गिरा- पिछले सप्ताह भारत की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से छह का संयुक्त बाजार मूल्यांकन 1,73,097.59 करोड़ रुपये घट गया, जो इक्विटी बाजार में व्यापक कमजोरी को दर्शाता है। सप्ताह के दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का बेंचमार्क सूचकांक 1,213.68 अंक या 1.64 प्रतिशत गिर गया।एचडीएफसी बैंक और भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) सबसे अधिक प्रभावित हुए। एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 60,678.26 करोड़ रुपये घटकर 10,93,026.58 करोड़ रुपये हो गया, जबकि एलआईसी का मूल्यांकन टैंक 43,168.1 करोड़ रुपये घटकर 5,76,049.17 करोड़ रुपये हो गया।रिलायंस इंडस्ट्रीज को भी भारी गिरावट का सामना करना पड़ा, इसका बाजार मूल्यांकन 36,094.96 करोड़ रुपये घटकर 19,04,643.44 करोड़ रुपये हो गया। आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में क्रमशः 17,567.94 करोड़ रुपये और 11,780.49 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई।

दूसरी ओर, हिंदुस्तान यूनिलीवर ने इस प्रवृत्ति को उलट दिया, जिसका मूल्यांकन 33,270.22 करोड़ रुपये बढ़कर 5,53,822.16 करोड़ रुपये हो गया। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (ञ्चष्टस्) का मूल्यांकन 20,442.2 करोड़ रुपये बढ़कर 14,09,552.63 करोड़ रुपये पर पहुंच गया।भारती एयरटेल और इंफोसिस के बाजार पूंजीकरण में भी बढ़ोतरी देखी गई, भारती एयरटेल का मूल्यांकन 14,653.98 करोड़ रुपये बढ़कर 7,38,424.68 करोड़ रुपये और इंफोसिस का मूल्यांकन 3,611.26 करोड़ रुपये बढ़कर 5,91,560.88 करोड़ रुपये हो गया।

टाटा पावर के लिए रूफटॉप सोलर सब्सिडी योजना एक अरब डॉलर का अवसर

नई दिल्ली। कंपनी के प्रबंध निदेशक प्रवीर सिन्हा ने कहा कि घरों के लिए केंद्र सरकार की छत पर सौर सब्सिडी योजना टाटा पावर के लिए 1 अरब डॉलर से अधिक का व्यावसायिक अवसर पेश कर सकती है। सिन्हा ने कहा कि आने वाले तीन वर्षों में यह अवसर सामने आएगा, क्योंकि कंपनी सौर मॉड्यूल के लिए घरेलू बाजार के पांचवें हिस्से पर कब्जा करना चाहती है।टाटा पावर के लिए रूफटॉप सोलर सब्सिडी योजना एक अरब डॉलर का अवसरसिन्हा ने एक साक्षात्कार में कहा, ÷एक जगह जहां हमें बहुत गति मिलेगी, वह है प्रधानमंत्री सूर्य घर का नया कार्यक्रम, जहां लक्ष्य लगभग 1 करोड़ घरों का है।÷ ÷यह एक बड़ा लाभ है जो हमारे लिए आएगा। इस फरवरी में स्थापित पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, 10 मिलियन घरों को छत पर सौर स्थापना के लिए सब्सिडी प्रदान करना चाहती है। सिन्हा का मानना है कि यह योजना अपनी अवधि के दौरान 25-30 गीगावॉट सौर मॉड्यूल की मांग पैदा कर सकती है। उन्होंने कहा, टाटा पावर इस मांग में से 5-6 गीगावॉट को पूरा करना चाहती है।सिन्हा के अनुसार, 20 सेंट प्रति वाट की अनुमानित कीमत पर, यह 1-1.2 बिलियन (?8,350-10,000 करोड़) के व्यावसायिक अवसर में तब्दील हो सकता है। सिन्हा, जो कहते हैं कि घरेलू सौर मॉड्यूल बाजार में टाटा पावर की 13फीसदी हिस्सेदारी है।

विदेशी निवेशकों ने 10 दिन में निकाले 17,083 करोड़, चुनावी माहौल से एफपीआई में अनिश्चितता

एजेंसी
नई दिल्ली। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने मई के पहले 10 दिन में घरेलू शेयर बाजारों से 17,083 करोड़ रुपये की निकासी की है। चुनाव के नतीजों को लेकर अनिश्चितता के बीच ऊंचे मूल्यांकन और मुनाफा वसूली के लिए विदेशी निवेशक घरेलू बाजारों से निकासी कर रहे हैं।

इससे पहले अप्रैल में मॉरीशस के साथ भारत की कर संधि में बदलाव और अमेरिका में बॉन्ड पर रिटर्न बढ़ने से एफपीआई ने 8,700 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी की थी। इस तरह, एफपीआई मई के पहले 10 दिन में ही अप्रैल से अधिक की निकासी कर चुके हैं। एफपीआई ने मार्च में 35,098 करोड़ और फरवरी में 1,539 करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था। माना जा रहा है कि चुनाव के बाद घरेलू कंपनियों के मजबूत वित्तीय नतीजों की वजह से एफपीआई भारतीय बाजार में निवेश बढ़ाएंगे।

बॉन्ड बाजार से 1,602 करोड़ रुपये की निकासी

एफपीआई ने शेयरों के अलावा ऋष्ठा या बॉन्ड बाजार से भी 1,602 करोड़ रुपये निकाले हैं। इससे पहले मार्च में बॉन्ड बाजार में 13,602 करोड़ रुपये, फरवरी में 22,419 करोड़ रुपये और जनवरी में 19,836 करोड़ रुपये का निवेश किया था। एफपीआई 2024 में अब तक कुल मिलाकर शेयरों से 14,860 करोड़ रुपये की निकासी कर चुके हैं।

गोल्ड ईटीएफ से निकले 396 करोड़

नई दिल्ली। गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) से अप्रैल में 396 करोड़ रुपये की शुद्ध निकासी हुई है। निवेशकों के मुनाफा काटने की वजह से यह निकासी हुई है। हालांकि, मार्च में इसमें 373 करोड़ रुपये का प्रवाह हुआ था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) के आंकड़ों के मुताबिक, इस निकासी के बावजूद अप्रैल के अंत में गोल्ड ईटीएफ के प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियां (एयूएम) पांच फीसदी बढ़कर 32,789 करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच गई। मार्च में गोल्ड ईटीएफ का एयूएम 31,224 करोड़ रुपये रहा था।

क्रेडिट कार्ड : बकाया भुगतान के लिए मिलेंगे तीन दिन अतिरिक्त, जरूरत पर सात दिन में बंद करा सकते हैं

एजेंसी
नई दिल्ली। आरबीआई ने पारदर्शिता बढ़ाने व उपभोक्ताओं के हितों की रक्षा के लिए क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में कई बदलाव किए हैं। नए नियमों के तहत आप अपने हिसाब से कार्ड नेटवर्क का चुनाव कर सकते हैं।जरूरत पर क्रेडिट कार्ड को सात दिन में बंद करा सकते हैं।?

खास बात है कि क्रेडिट कार्ड से जुड़े नियमों में बदलाव कर आरबीआई ने उपयोगकर्ताओं को बड़ी राहत दी है।?वह राहत है...बकाया भुगतान के लिए?देय तिथि से तीन दिन का अतिरिक्त समय।इसका मतलब है कि अगर आप देय तिथि के तीन दिन बाद भी क्रेडिट कार्ड बकाया चुकाते हैं तो आपको किसी भी तरह का विलंब शुल्क नहीं भरना होगा।?

...उपयोगकर्ताओं को मिलेगा मुआवजा

संशोधित नियमों के तहत कार्ड जारी करने वाले बैंकों को अनुरोध के सात कार्यदिवसों के भीतर क्रेडिट कार्ड को बंद करना होगा। ऐसा नहीं करने पर वे कार्डधारक को विलंब

शुल्क के रूप में प्रतिदिन 500 का भुगतान करेंगे। कार्ड जारीकर्ता अगर आपके अनुरोध तिथि से कार्ड बंद करने में 10 दिन लगाते हैं, तो इसे तीन दिन विलंब माना जाएगा। इस देरी के लिए वे क्रेडिट कार्डधारक को 1,500 रुपये का मुआवजा देंगे।

क्रेडिट स्कोर पर असर नहीं

क्रेडिट कार्ड का बकाया चुकाने के लिए देय तिथि के अतिरिक्त आपको तीन दिन मिलेंगे। इस अवधि के बाद ही कार्ड जारीकर्ता इस बकाये पर रिपोर्ट कर सकते हैं या जुर्माना लगा सकते हैं।?खास बात है कि इससे आपका क्रेडिट स्कोर भी प्रभावित नहीं होगा। उदाहरण के लिए, अगर बकाया भुगतान की देय तिथि एक मई है और आप 4 मई को भुगतान करते हैं, तो इस पर आपको विलंब शुल्क नहीं चुकाना पड़ेगा।?

बिजनेस क्रेडिट कार्ड

कारोबारी संस्थाएं व एकमात्र प्रोपराइटर बिजनेस क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करते हैं। इसे चार्ज कार्ड के रूप में जारी किया जाता है और इसमें ओवरड्राफ्ट सुविधा मिलती है। नए नियमों के तहत कारोबारी संस्थाएं व्यावसायिक खर्चों के लिए व्यक्तिगत कार्ड का इस्तेमाल नहीं कर सकती हैं। यह नियमों-शर्तों का उल्लंघन माना जाएगा।

30 दिन के भीतर जरूर सक्रिय कर लें कार्ड

बैंक बाजार के सीईओ आदिल शेट्टी कहते हैं कि नए नियमों के तहत कार्डधारक अब अपना कार्ड नेटवर्क चुन सकते हैं और अपनी सुविधा के अनुसार बकाया भुगतान के लिए?बिलिंग साइकिल तय कर सकते हैं। ध्यान रखने वाली बात है कि क्रेडिट कार्ड को 30 दिनों के भीतर सक्रिय जरूर कर लें। साल में कम-से-कम एक बार अपने कार्ड का उपयोग जरूर करें। ऐसा नहीं करने पर आपका कार्ड निष्क्रिय हो सकता है।

अर्थशास्त्री पार्क बोले- भारत को 10 फीसदी की आर्थिक वृद्धि के लिए बाजार सुधारों पर ध्यान देने की जरूरत

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत को 10 फीसदी की वृद्धि दर हासिल करने के लिए भूमि और श्रम जैसे कारक बाजार सुधारों पर ध्यान देने की जरूरत है। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) के मुख्य अर्थशास्त्री अल्बर्ट पार्क ने इस बात को लेकर चिंताएं हैं कि भारत में बेरोजगारी के औपचारिक क्षेत्र में भूमि और श्रम जैसे बुनियादी कारक बाजार का आकार अब भी छोटा है।

कारक बाजार सुधारों में भूमि, श्रम, ऊर्जा व ऋष्ठा तक पहुंच आदि शामिल हैं, जो उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं। पार्क ने कहा कि दोहरे अंक की वृद्धि दर हासिल करने के लिए भारत विभिन्न मापदंडों पर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। लेकिन, 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि

हासिल करने के लिए बुनियादी ढांचा क्षेत्र व वैश्विक अग्रणी प्रौद्योगिकियों में भारी निवेश की जरूरत होगी।

उन्होंने कहा, नियामकीय व कारोबारी सुगमता के साथ?शुल्क को आसान और कम कर भारत वैश्विक मूल्य श्रृंखला में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। इसके अलावा, मानव पूंजी में अधिक निवेश करने की जरूरत है। एडीबी के मुख्य अर्थशास्त्री ने कहा कि भारत को इलेक्ट्रॉनिक्स, कपड़ा जैसे सघन विनिर्माण वाले क्षेत्रों में निर्यात बढ़ाने की जरूरत है, जो अब भी बहुत सीमित हैं।?साथ ही, यह एशिया के अन्य अधिक गतिशील हिस्सों की तरह तेजी से नहीं बढ़ रहे हैं। हाल ही में एडीबी में चालू वित्त वर्ष यानी 2023-24 के लिए?भारत के विकास दर अनुमान को 6.7 फीसदी से बढ़ाकर 7 फीसदी कर दिया है। साथ ही, 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.2 फीसदी की रफ्तार से बढ़ने की उम्मीद जताई?है।

अमिताभ कांत का अनुमान, जापान को पछाड़कर 2025 तक दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनेगा भारत

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत के जी20 शेरपा और नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत का अनुमान है कि 2025 तक भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थवव्यवस्था बन जाएगी। भारत जापान को पछाड़ देगा। भारत फिलहाल पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। 2022 में भारत ने ब्रिटेन को पछाड़ दिया था। भारत से आगे अभी सिर्फ अमेरिका, चीन, जर्मनी और जापान की अर्थवस्यवस्था है। एक दशक पहले यानी 2014 में भारत की अर्थव्यवस्था दुनिया की 11वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था थी। भारत की जीडीपी लगभग 3.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर होने का अनुमान है।

कांत के अनुसार, फ्रैजाइल-5 से दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं तक भारत की यात्रा बड़ी अहम रही है। इसके कई मुख्य अंश हैं- रिकॉर्ड जीएसटी संग्रह, पिछली तीन तिमाहियों में 8 प्रतिशत से अधिक जीडीपी वृद्धि, भारतीय मुद्रा रुपये में 27 देशों के साथ व्यापार, मुद्रास्फीति प्रबंधनीय आदि। बता दें, फ्रैजाइल-5 शब्द 2013 में मॉर्गन स्टेनली द्वारा दिया गया है। यह भारत सहित पांच देशों के समूह को इंगित करता है, जिनकी अर्थव्यवस्था उस वक्त अच्छा प्रदर्शन कर रहीं थीं। इसमें चार देश हैं- ब्राजील, इंडोनेशिया, दक्षिण अफ्रीका और तुर्की थे।

भारत की मजबूत वृद्धि के लिए जिम्मेदार यह अंश

इस्पात, सीमेंट और ऑटोमोबाइल विनिर्माण क्षेत्रों में दोहरे अंक की वृद्धि
डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में वैश्विक नेता
ई-लेन-देन बढ़कर 134 बिलियन हुआ
औसत वार्षिक मुद्रास्फीति 2003-04 और 2013-14 के बीच 8.2 प्रतिशत से घटकर 5 प्रतिशत हुई
दृढ़ जीडीपी वृद्धि पूर्वानुमान
प्रबंधनीय स्तर पर मुद्रास्फीति
केंद्र सरकार के स्तर पर राजनीतिक स्थिरता
सराहनीय केंद्रीय बैंक मौद्रिक नीति

आईएमएफ रिपोर्ट में भी भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की नवीनतम रिपोर्ट, विश्व आर्थिक आउटलुक के अनुसार, भारत 2024 में प्रमुख अर्थवस्यवस्थाओं में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। आईएमएफ ने 2024 के लिए भारत के विकास अनुमान को 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 6.8 प्रतिशत कर दिया है। भारत की अर्थव्यवस्था 2022-23 में 7.2 प्रतिशत और 2021-22 में 8.7 प्रतिशत बढ़ी।

भारत-आसियान एफटीए की समीक्षा के लिए जुलाई में करेंगे अगले दौर की बातचीत

एजेंसी
नई दिल्ली। भारत और दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के संघ (आसियान) के बीच मुक्त व्यापार करार (एफटीए) की समीक्षा के लिए चौथे दौर की बैठक 7-9 मई को मलेशिया के पुत्रजया में हुई। इस बैठक में भारत और सभी 10 आसियान देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। अगले दौर की बातचीत 29-31 जुलाई को इंडोनेशिया के जकार्ता में होगी।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय की ओर से बताया गया कि चौथे दौर की बैठक की सह-अध्यक्षता वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त सचिव राजेश अग्रवाल और मलेशिया के निवेश, व्यापार और उद्योग मंत्रालय के उप-महासचिव (व्यापार) मस्तूरा अहमद मुस्तफा ने की। मंत्रालय ने कहा कि दोनों पक्ष अगले दौर 29-31 जुलाई, 2024 को पांचवीं संयुक्त समिति की बैठक के लिए इंडोनेशिया के जकार्ता में मिलेंगे। आसियान-भारत माल व्यापार समझौते की समीक्षा के लिए बातचीत मई, 2023 में शुरू हुई थी। इसका मकसद इसे पूरे क्षेत्र के कारोबार को अधिक सुगम और लाभकारी बनाना है। वाणिज्य मंत्रालय के मुताबिक समीक्षा कामकाज देख रही संयुक्त समिति की अब तक चार बैठकें हुई हैं। पहली दो बैठकों में समिति ने समीक्षा की शर्तें और बातचीत के ढांचे को अंतिम रूप दिया है, जबकि 18-19 फरवरी को हुई तीसरी बैठक से समीक्षा शुरू की गई है। भारत के वैश्विक व्यापार में 11 फीसदी की हिस्सेदारी के साथ आसियान भारत के प्रमुख व्यापार भागीदारों में से एक है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान द्विपक्षीय व्यापार 122.67 बिलियन अमेरिकी डॉलर का रहा। आसियान-भारत माल व्यापार समझौते के उन्नयन से द्विपक्षीय व्यापार को और बढ़ावा मिलेगा।

लेनोवो और मोटोरोला जर्मनी में प्रतिबंधित, बाजार में नहीं बेचेंगे डिवाइस

एजेंसी
नई दिल्ली। लेनोवो और उसकी सहायक कंपनी मोटोरोला को जर्मनी की एक अदालत द्वारा प्रतिबंध का सामना करना पड़ा है। इस प्रतिबंध के कारण दोनों कंपनियां देश में अपने डिवाइस नहीं बेच सकेंगी। कानूनी विवाद ङ्खङ्कह मॉड्यूल पर पेटेंट उल्लंघन को लेकर यूएस-आधारित इंटरडिजिटल और लेनोवो के बीच है। WWAN मॉड्यूल स्मार्टफोन के साथ-साथ पोर्टेबल डिवाइस पर वायरलेस कनेक्शन सक्षम बनाता है। प्रतिबंध लागू होते ही लेनोवो और मोटोरोला द्वारा निर्मित जीएसएम, यूएमटीएस, एलटीई और 5जी नेटवर्क को सपोर्ट करने वाले उपकरण जर्मन बाजार में नहीं बेचे जाएंगे। इसका मतलब है कि कंपनी हाल ही में लॉन्च हुए एज 50 लाइनअप के साथ-साथ अन्य मोटोरोला स्मार्टफोन भी नहीं बेचेगी। शुरुआत में WirtschaftsWoche द्वारा रिपोर्ट की गई, जर्मन अदालत ने लेनोवो उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है क्योंकि कंपनी इंटरडिजिटल तकनीक का उपयोग करती है लेकिन उचित और उचित लाइसेंस शुल्क की मांगों को पूरा नहीं करती है। हालाँकि, लेनोनवो का मानना है कि इंटरडिजिटा द्वारा निर्धारित शर्तें उचित नहीं थीं और वह अदालत के फैसले के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील करेगा।

सरकारी बैंकों को 2023-24 में रिकॉर्ड 1.42 लाख करोड़ मुनाफा, एनपीए 1.70फीसदी से नीचे

एजेंसी
नई दिल्ली। सरकारी बैंकों ने वित्त वर्ष 2023-24 में अब तक का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। इस अवधि में कुल 12 बैंकों का फायदा बढ़कर 1,42,129 करोड़ रुपये पहुंच गया। इन बैंकों ने 2022-23 में रिकॉर्ड 1.05 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया था। 2021-22 में यह आंकड़ा 66,540 करोड़ रुपये था। इस दौरान सिर्फ तीन बैंकों यूको, इंडियन ओवरसीज और पंजाब एंड सिंध बैंक के मुनाफे में गिरावट रही।

बैंकों का मुनाफा सरकार की %चार आर% की रणनीति की वजह से बढ़ा है। इसमें एनपीए को पारदर्शी रूप से पहचानना, समाधान व वसूली, पुनर्पूंजीकरण और वित्तीय तंत्र में सुधार करना शामिल है। इस रणनीति के तहत सरकार ने 2016-17 से 2020-21 के बीच कुल 3.11 लाख करोड़ रुपये की पूंजी बैंकों में डाली है। इससे बैंकों को मदद मिली है। दूसरी वजह है...लगातार वसूली और बुरे फंसे कर्ज यानी एनपीए में कमी करना है। इसका असर यह हुआ कि वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान सभी बैंकों का शुद्ध एनपीए घटकर 1.70 फीसदी के स्तर से नीचे आ गया। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का एनपीए सबसे 0.20 फीसदी रहा, जबकि पंजाब एंड सिंध बैंक का एनपीए सर्वाधिक 1.63 फीसदी रहा।

अकेले एसबीआई की रही आधी हिस्सेदारी

कुल लाभ में करीब आधा हिस्सा एसबीआई का रहा। बैंक ने 2023-24 में 61,077 करोड़ रुपये का मुनाफा कमाया है, जो 2022-23 की तुलना में 21 फीसदी अधिक है। बैंक ऑफ बड़ौदा 18,676 करोड़ के साथ दूसरे स्थान पर रहा। तीसरे स्थान पर केनरा बैंक का लाभ 37 फीसदी बढ़कर 14,554 करोड़ पहुंच गया। पंजाब नेशनल बैंक ने 8,245 करोड़ का मुनाफा कमाया, जबकि इंडियन बैंक का लाभ 52 फीसदी बढ़कर 8,062 करोड़ पहुंच गया। बैंक ऑफ इंडिया को 6,318 रुपये करोड़ का मुनाफा हुआ, बैंक ऑफ महाराष्ट्र का 56 फीसदी बढ़कर 4,005 करोड़ रुपये पहुंच गया। सबसे कम लाभ पंजाब एंड सिंध बैंक का रहा। लाभ 55त्न घटकर 595 करोड़ रुपये रह गया।

मार्च तिमाही में 43,091 करोड़ रुपये का मुनाफा

मार्च तिमाही में कुल 12 सरकारी बैंकों का मुनाफा 43,091 करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। मार्च, 2023 में यह 34,483 करोड़ रुपये रहा था।सबसे अधिक फायदा एसबीआई का 20,698 करोड़ रहा। इसमें 24 फीसदी की तेजी रही।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का लाभ 45 फीसदी, सेंट्रल बैंक का 41 फीसदी, इंडियन बैंक का 55 फीसदी और पीएनबी का फायदा तीन गुना बढ़ा। बैंक ऑफ बड़ौदा को 5,132 करोड़ व केनरा बैंक को 3,757 करोड़ लाभ।

तेल कंपनियों का लाभ उच्चतम स्तर पर, कमाए 81,000 करोड़ रुपये

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (एचपीसीएल), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन (एचपीसीएल) ने 2023-24 में 81,000 करोड़ का रिकॉर्ड मुनाफा कमाया है। यह तेल-संकट के पूर्व के वर्षों की उनकी सालाना कमाई से कहीं अधिक है। अप्रैल, 2023 से मार्च, 2024 के दौरान तीनों कंपनियों का सामूहिक रूप से एकल शुद्ध लाभ तेल संकट से पहले के वर्षों में उनकी 39,356 करोड़ रुपये की वार्षिक कमाई से बेहतर रहा है।

आईओसी ने 2023-24 में 39,618.84 करोड़ रुपये का एकल शुद्ध लाभ कमाया है। 2022-23 में यह आंकड़ा 8,241.82 करोड़ रुपये रहा था। बीपीसीएल का शुद्ध लाभ 1,870.10 करोड़ रुपये से बढ़कर 2023-24 में 26,673.50 करोड़ रुपये पहुंच गया। एचपीसीएल को 14,693.83 करोड़ का मुनाफा।?2022-23 में 8,974.03 करोड़ का घाटा हुआ था।

कीमतों को बढ़ने से रोकने के लिए सरकार ने कसी कमर, बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदना शुरू

एजेंसी
नई दिल्ली। अक्सर प्याज के दाम देखते ही देखते आसमान छूने लगते हैं। लेकिन चुनाव नजदीक देख सरकार ऐसा नहीं होने देना चाहती। इसलिए सरकार ने इस साल अपने बफर स्टॉक के लिए पांच लाख टन प्याज खरीदने की योजना बनाई है। इसका इस्तेमाल कीमतें बढ़ने की स्थिति में उन्हें काबू करने के लिए किया जा सकता है। इसी को लेकर सरकार ने किसानों से प्याज खरीदना शुरू कर दिया है।

बाजार दरों पर किसानों से प्याज खरीदना शुरू

उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि केंद्र सरकार ने कीमतों में वृद्धि होने पर आपूर्ति बढ़ाने के लिए 2024-25 के लिए पांच लाख टन का बफर स्टॉक बनाने के लिए बाजार दरों पर किसानों से प्याज खरीदना शुरू कर दिया है। यदि प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी होती है तो बफर सरकार को बाजारों में हस्तक्षेप करने की इजाजत देगा। खासकर तब जब सरकार ने पिछले सप्ताह प्याज निर्यात परसे

प्रतिबंध हटाने का एलान कर दिया है।

प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाया

गौरतलब है, देश में चल रहे लोकसभा चुनावों के बीच सरकार ने प्याज निर्यात पर प्रतिबंध हटाने का फैसला लिया, लेकिन साथ न्यूनतम निर्यात मूल्य (एमईपी) 550 डॉलर प्रति टन तय किया है। इसके साथ ही प्याज के निर्यात पर 40 प्रतिशत शुल्क भी लगा दिया है। पिछले साल अगस्त में भारत ने 31 दिसंबर, 2023 तक प्याज पर 40 प्रतिशत निर्यात शुल्क लगाया था।

प्याज की दरें बढ़ने की उम्मीद नहीं

उपभोक्ता मामलों की सचिव निधि खरे ने सामान्य उपलब्धता, स्थिर कीमतों और सर्दियों की फसल से 1.91 लाख टन होने वाले मजबूत उत्पादन का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को मुक्त निर्यात के कारण प्याज की दरें बढ़ने की उम्मीद नहीं है। प्याज की आपूर्ति गर्मी के मौसम में कम हो जाती है।

आपूर्ति में कमी के कारण कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने दिसंबर में प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध लगा दिया था।

ये एजेंसियां खरीदेंगी प्याज

सरकार की तरफ से नेशनल कॉआपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (हृष्टष्टस्न) और नेशनल एग्रीकल्चरल कॉअपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ह्वस्नक्षष्ठ) जैसी एजेंसियां प्याज खरीदेंगी। सरकार ने एजेंसियों को निर्देश दिया गया है कि वे किसानों से सीधे बफर के लिए प्याज खरीदना शुरू करें। सरकार के निर्देश के अनुसार, खरीद के लिए एनएएफईडी और एनसीसीएफ प्याज किसानों का पूर्व पंजीकरण करेंगे ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि रुपये सीधे उनके बैंक खातों में भेजे जाएं।

2023-24 में भारत-चीन के बीच 118.4 अरब डॉलर का व्यापार, द्विपक्षीय कारोबार में चीन ने अमेरिका को पछाड़ा

नई दिल्ली। भारत के साथ वित्त वर्ष 2023-24 में द्विपक्षीय व्यापार के मामले में चीन ने अमेरिका की पीछे छोड़ दिया है। इस अवधि में भारत और चीन के बीच कुल 118.4 अरब डॉलर का व्यापार हुआ। वहीं, अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार 118.3 अरब डॉलर रहा। 2021-22 और 2022-23 में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार अमेरिका रहा था।

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के आंकड़ों के मुताबिक, बीते वित्त वर्ष में चीन को भारत का निर्यात 8.7 फीसदी बढ़कर 16.67 अरब डॉलर पहुंच गया। लौह अयस्क, सूती धागा/कपड़े/मेडअप, हथकरघा, मसाले, फल-सब्जियां, प्लास्टिक और लिनोलियम जैसे क्षेत्रों में भारत का निर्यात बढ़ा है। वहीं, पड़ोसी देश से भारत का आयात 3.24 फीसदी बढ़कर 101.7 अरब डॉलर पहुंच गया। दूसरी ओर, अमेरिका को 2023-24 के दौरान भारत से निर्यात 1.32 फीसदी घटकर 77.5 अरब डॉलर रह गया। अमेरिका से भारत का आयात करीब 20 फीसदी घटकर 40.8 अरब डॉलर रह गया। चीन 2013-14 से 2017-18 तक व 2020-21 में भी भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार था। इससे पहले संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) देश का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार था।

चीन से?85.09 अरब डॉलर का व्यापार घाटा

जीटीआरआई ने कहा, 2018-19 से 2023-24 के दौरान शीर्ष-15 भागीदारों के साथ भारत के व्यापार में काफी बदलाव आया है। इससे न सिर्फ आयात और निर्यात प्रभावित हुआ है बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में व्यापार अधिशेष एवं घाटे की स्थिति भी बदली है। इस अवधि में चीन को निर्यात में 0.6 फीसदी की मामूली गिरावट रही, जबकि आयात 44.7 फीसदी बढ़कर 101.75 अरब डॉलर पहुंच गया। आयात में वृद्धि से व्यापार घाटा 2018-19 के 53.57 अरब डॉलर से बढ़कर 85.09 अरब डॉलर पहुंच गया।

इसके विपरीत, इस अवधि में अमेरिका के साथ व्यापार में वृद्धि देखी गई। अमेरिका को निर्यात 52.41 अरब डॉलर से 47.9 फीसदी बढ़कर 77.52 अरब डॉलर पहुंच गया। अमेरिका से आयात भी 14.7 फीसदी बढ़कर 40.78 अरब डॉलर पहुंच गया। इससे भारत का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष 16.86 अरब डॉलर से बढ़कर 36.74 अरब डॉलर पहुंच गया।

सिर्फ स्वाद के लिए अपनी डाइट में शामिल करते हैं Cheese, तो एक जरूर जान लें इससे होने वाले फायदे

चीज (benefits of cheese) कई लोगों को बेहद पसंद होता है। बर्गर पिज्जा सैंडविच जैसे कई लोकप्रिय फूड्स में इसका इस्तेमाल किया जाता है। स्वादिष्ट होने के साथ ही यह सेहत के लिए भी फायदेमंद होता है। हालांकि कई लोगों को इसका स्वाद कुछ खास पंसद नहीं आता जिसकी वजह से वह इसे खाने से कतराते हैं। आइए जानते हैं इसे खाने के कुछ फायदे।

चीज (Cheese) इन दिनों लोगों की लाइफस्टाइल का अहम हिस्सा बन चुका है। बर्गर, पिज्जा, सैंडविच जैसे कई लोकप्रिय फूड आइटम्स में इसका इस्तेमाल किया जाता है। इसके स्वाद को लोग इन दिनों इतना पसंद करने लगे हैं कि लगभग हर व्यंजन में इसका इस्तेमाल किया जाता है। स्वादिष्ट होने के साथ ही यह सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होता है।

बाजार में इसकी कई किस्में पाई जाती हैं, जिसे लोग अपनी पसंद के मुताबिक डाइट का हिस्सा बनाते हैं। चीज गाय, भेड़, बकरी और अन्य जानवरों के दूध से बनाया जा सकता है। यह विभिन्न पोषक तत्वों से भरपूर होता है और कई फायदे पहुंचाता है। आइए जानते हैं चीज खाने के कुछ फायदे-

दिल के लिए गुणकारी

चीज कैल्शियम, फैट और प्रोटीन का एक बड़ा सोर्स है और इसमें जिंक, फास्फोरस और राइबोफ्लेविन के साथ-साथ विटामिन ए और बी 12 भी भारी मात्रा में पाया जाता है। इसमें गुड फैट भी पाया जाता है,जो दिल की सेहत के लिए लाभकारी माना जाता है।

दांतों को कैविटी से बचाए

चीज और डेयरी प्रोडक्ट्स सामान्य तौर पर आपके दांतों को कैविटी से बचाने का काम करते हैं। एक शोध के अनुसार औसत से ज्यादा डेयरी प्रोडक्ट कंज्यूम करने वाले बच्चों की तुलना में औसत से कम डेयरी प्रोडक्ट्स खाने वाले बच्चों में 3 साल के बाद कैविटी फ्री होने की ज्यादा संभावना थी।

हड्डियों को मजबूत बनाए

चीज कैल्शियम के सबसे अच्छे डाइट सोर्सेस में से एक है, जो हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाए रखने के लिए महत्वपूर्ण है। ऐसे में पर्याप्त कैल्शियम का सेवन ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में मदद कर सकता है।

प्रोटीन कंटेंट

पोषक तत्वों से भरपूर चीज हाई क्वालिटी वाले प्रोटीन का एक अच्छा सोर्स है, जो मांसपेशियों की ग्रोथ, रिपेयरिंग और शरीर के समग्र कार्य के लिए जरूरी है। ऐसे में वेजिटेरियन्स के लिए यह प्रोटीन का एक बढ़िया सोर्स साबित हो सकता है।

विटामिन बी12 का बढ़िया सोर्स

विटामिन बी12 नर्व फंक्शन, डीएनए सिंथसिस और रेड ब्लड सेल्स के निर्माण के लिए आवश्यक है और चीज में विटामिन बी12 भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इस वजह से यह वेजिटेरियन या वीगन डाइट फॉलो करने वाले व्यक्तियों के लिए विटामिन बी12 का बढ़िया सोर्स साबित होगा।

गट हेल्थ के लिए बेहतर

कुछ प्रकार के चीज, जैसे योगार्ट, चेडर और गौडा (Gouda), में फायदेमंद प्रोबायोटिक्स होते हैं। ये प्रोबायोटिक्स आंत के स्वास्थ्य और पाचन क्रिया का समर्थन कर सकते हैं।

कुछ प्रकार के कैंसर को रोके

शोध के अनुसार दूध और चीज कुछ सामान्य कैंसर, जैसे कोलोरेक्टल और ब्लैडर कैंसर को रोक सकते हैं। ऐसा माना जाता है कि चीज में मौजूद कैल्शियम, विटामिन डी और लैक्टिक एसिड आपको इन कैंसर से बचा सकते हैं।

गरीबों के हित में बड़े बदलाव का संकेत है कांग्रेस का एजेंडा

किसी भी माध्यम का कुशल उपयोग इस बात की समझ के अभाव में खतरनाक है कि इसका उपयोग क्यों किया जा रहा है और यह कहां ले जाएगा। आज की कांग्रेस के लिए यह सेवानिवृत्त नौकरशाहों से दूर रहने की चेतावनी होनी चाहिए। उसे भ्रष्टाचार रोकने के लिए पैनी नजर रखनी होगी। चाहे वह सत्ता में हो या न हो, लेकिन कांग्रेस को एक टीम बनाने के लिए अधिक युवा नेतृत्व और प्रतिबद्ध लोगों की आवश्यकता होगी ताकि पार्टी जीवंत रह सके।

जैसे-जैसे चुनाव अभियान आगे बढ़ रहा है उसके मद्देनजर भारतीय राजनीतिक परिदृश्य पर बहुत कुछ पहले ही बदल चुका है। पहली बात, कांग्रेस पार्टी एक दशक से भी ज्यादा वक्त में पहली बार मतदाताओं के सामने अपनी राजनीतिक स्थिति को स्पष्ट रूप से पेश करने में सफल हुई है। यह भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस है जो पूरी तरह से वामपंथ के साथ चल रही है। सवाल यह नहीं है कि वह कितने डिग्री तक वामपंथ के साथ है परन्तु यह दिशा और स्थिति का सवाल ज्यादा है और बताता है कि वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य में पार्टी किस स्थान पर खड़ी है।

कभी उदारीकरण और निजीकरण की समर्थक पार्टी से इस वक्त जो उभर कर सामने आ रहा है वह अब सामाजिक न्याय, धन-आय सम्बन्धी असमानता या श्रमिकों के अधिकारों के एजेंडे के साथ एक अनिश्चय की स्थिति वाला रवैया नहीं है। यह एजेंडे का स्पष्ट रूप से रखा जाना है। यह वामपंथ की ओर एक तेज मोड़ है जो हाल के समय में कभी स्पष्ट नहीं था जितना इंदिरा गांधी के कार्यकाल के दौरान बैंकों के राष्ट्रीयकरण के दौरान था। वर्तमान में मतदाताओं की प्रतिक्रिया यह दर्शाती है कि पार्टी जनता की भावनाओं को समझ रही है और उसकी गतिविधियां राष्ट्र के मूड के अनुरूप है।

कांग्रेस के पुनरुद्धार के लिए इस प्रखर वैचारिक स्थिति के प्रति कटिबद्धता महत्वपूर्ण है जबकि कुछ लोग कहेंगे कि पार्टी परिस्थितियों से मजबूर हो गई है। इसके बावजूद ऐसा लगता है कि वामपंथ के प्रति इस झुकाव को नेतृत्व और काडर द्वारा पूरे दिल से गले लगाया गया है। कांग्रेस ने 4 जून को आने वाले परिणामों की घोषणा से बहुत पहले यह एक महत्वपूर्ण चुनाव किया है।उल्लेखनीय है कि नारेबाजी और उम्मीद-सेटिंग के कारण विजयी के रूप में देखे जाने के लिए भाजपा को अपने 303 के पिछले आंकड़े को पार करना होगा वहीं इंडिया गठबंधन को जीत का दावा करने के लिए भाजपा को 272 से नीचे खींचना होगा। इस बात की संभावना को छोड़ दें कि इस समय कांग्रेस और/या इंडिया गठबंधन इन चुनावों में बहुत खराब प्रदर्शन कर रहा है या नहीं, लेकिन देश में एक ऐसी पार्टी है जो आने वाले दिनों में भारत की नीति तय करेगी। यह एक ऐसी भूमिका है जिसे कांग्रेस ने त्याग दिया था और जिसके कारण वह अप्रासंगिक हो गई थी। इसी ने %क्या', %कैसे% और %क्यों% की ठोस स्थिति में बंधी स्पष्ट राजनीतिक दिशा के अभाव में भाजपा के लिए जमीन छोड़ दी थी। इस निश्चित दिशा के बिना हमारे पास जो कुछ भी था वह भाजपा की सांप्रदायिकता और भ्रष्टाचार पर एक दंतहीन हमला था जिसमें दृढ़ विश्वास नहीं था और जो मतदाताओं की मंशा के अनुरूप कारगर नहीं है। बहरहाल अब कहानी बदल गई है।कांग्रेस में एक दशक से आ रही गिरावट और केंद्रीय सत्ता में रहने के दौरान भी इसकी धीरे-धीरे हो रही गिरावट, नव-उदारवादी एजेंडे का नेतृत्व करने के लिए जानी जाने वाली पार्टी का अपरिहार्य परिणाम थी। हाल के दिनों में इसकी एकमात्र उपलब्धि 1991 के आर्थिक सुधार थे। ये सुधार भी परिस्थितियों के कारण मजबूरीवश किए गए थे। इन सुधारों ने एक ओर %एनीमल स्प्रिट% (अर्थ व्यवस्था में, %एनीमल स्प्रिट% शब्द बाजार मनोविज्ञान और स्वभावजन्य अर्थशास्त्र में उपयोग में आता है। %एनीमल स्प्रिट% आत्मविश्वास, आशा, भय और निराशावाद की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करती है जो व्यक्ति या व्यक्ति समूहों की वित्तीय निर्णय लेने की क्षमता को प्रभावित कर सकती है और बदले में आर्थिक विकास को बढ़ावा या बाधित कर सकती है) को उजागर करने का प्रयास किया लेकिन दूसरी ओर इसने श्रमिकों के अधिकारों पर अंकुश लगाने तथा व्यापक भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने की ओर भी कदम बढ़ाए।मजबूत शासन और कमजोर या गैर-मौजूद पुलिसिंग के अभाव या मिलीभगत के कारण यह भ्रष्टाचार सार्वजनिक क्षेत्र के आधिपत्य से निजी क्षेत्र की ओर बढ़ रहा है। मोटे तौर पर इन घटनाक्रमों ने आश्चर्यजनक रूप से भाजपा समर्थक धनी वर्गों के उदय को बढ़ावा दिया जिन्होंने वर्ग, जाति और स्थिति के मामले में अन्य मिश्रित कुलीन वर्ग के साथ गठबंधन करते हुए भाजपा को सत्ता में लाने के लिए मदद की। इस काम के लिए उन्होंने कांग्रेस शासन में हुए बड़े भ्रष्टाचार के मामलों का हवाला दिया। इंडिया अगेंस्ट करप्शन आंदोलन का नेतृत्व करने वाले अन्ना हजारे की निंदनीय भूमिका पहले ही उजागर हो चुकी है जो भाजपा के वृहद भ्रष्टाचार घोटालों पर चुप रहे हैं।इस फ्रेम में किसी भी कीमत पर जीडीपी वृद्धि भारतीय अभिजात वर्ग की बात करने वाला बिंदु आ गया जो आने वाले व्यवसायिक उछाल को भुनाना चाहता है। सत्तारुढ़ भाजपा ने विशेष प्राथमिकता देते हुए अपने चुनिंदा व्यापारिक घरानों को चरम सीमा पर पहुंचा दिया जबकि अन्य लोगों को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के माध्यम से अपने विवादों को निपटाने के लिए कहा गया। शेष भारत को प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत असफल और अर्थव्यवस्था को खोखला करने वाली एवं खाद्य कूपन की योजना के कीचड़ में लोटने के लिए छोड़ दिया गया था। इस योजना के तहत आज 80 करोड़ भारतीयों को अनाज मिलता है जो भारत के आधे से अधिक हैं।आज कांग्रेस को और ताकत देने वाला एक ऐसा नेतृत्व है जो राष्ट्र के सामने मौजूद चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार और मजबूत दिख रहा है। राहुल गांधी नेतृत्व की भूमिका में खिल गए हैं और ड्राईविंग सीट पर जंच रहे हैं। वे सही संदेश और संकेत भेज रहे हैं। न्याय यात्रा की कहानियों और अनुभवों को मिलाकर राहुल एक रोमांचक राजनीतिक आख्यान बना रहे हैं जो साहसिक, जमीन से जुड़ा और ताज़ा है।यह उल्लेखनीय है कि असंख्य बाधाओं के बावजूद राहुल गांधी इस अभियान को किसी भी कड़ुवाहट से दूर रखने में सफल रहे हैं जबकि भाजपा ने अपने संसाधनों को बड़े पैमाने पर राहुल और उनके परिवार को बदनाम करने के कड़ुवाहट भरे और घृणित अभियान पर केंद्रित कर रखा है। राहुल का उभरना यह भी साबित करता है कि राजनीतिक पंडितों पर भरोसे की एक सीमा होती है। उनमें से कुछ उन्हें ऐसी सलाह दे रहे हैं जिन पर सवाल उठ सकते हैं। इनमें से एक ने तो इस बेहद सफल न्याय यात्रा के समय और औचित्य पर भी सवाल उठाए हैं।कांग्रेस के इस पुनरुत्थान ने स्वयं प्रधानमंत्री के नेतृत्व में चलाए जा रहे भाजपा के अभियान को भी पटरी से उतार दिया है। भाजपा ने क्या किया है और अगले पांच वर्षों के लिए क्या करने का वादा करती है, यह बताने के बजाय भाजपा का अभियान इस बात पर केंद्रित है कि कांग्रेस क्या कर रही है या उसकी क्या कथित बुराइयां हैं। अगर पार्टी उस स्लाइड को वापस खींचने के प्रति सावधान नहीं है तो यह खुद के बजाय प्रतिद्वंद्वी के बारे में अधिक बात करने के जाल में फंस जाएगी।अंत में, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि कांग्रेस स्पष्ट रूप से कहे या न कहे लेकिन उसने मनमोहन सिंह और उन सभी सुधारों को खारिज कर दिया है जो उन्होंने पेश किए थे। नई कांग्रेस को अपनी विश्वसनीयता बनाने के लिए यह एक आवश्यक शर्त है। आखिरकार मनमोहन सिंह एक नौकरशाह थे जो भले ही अर्थव्यवस्था के उप-समूह में सफल रहे हों लेकिन राजनीति के सुपर सेट में बुरी तरह विफल रहे थे। आर्थिक सुधार एक माध्यम है जबकि राजनीति एक दर्शन है।किसी भी माध्यम का कुशल उपयोग इस बात की समझ के अभाव में खतरनाक है कि इसका उपयोग क्यों किया जा रहा है और यह कहां ले जाएगा। आज की कांग्रेस के लिए यह सेवानिवृत्त नौकरशाहों से दूर रहने की चेतावनी होनी चाहिए। उसे भ्रष्टाचार रोकने के लिए पैनी नजर रखनी होगी। चाहे वह सत्ता में हो या न हो, लेकिन कांग्रेस को एक टीम बनाने के लिए अधिक युवा नेतृत्व और प्रतिबद्ध लोगों की आवश्यकता होगी ताकि पार्टी जीवंत रह सके।

संपादकीय

मुद्दों की भटकन

हम कहते नहीं थकते कि देश का विकास कुलांचे भर रहा है। हम दुनिया की सबसे तेज गति वाली अर्थव्यवस्था हैं। अभी पांचवें स्थान पर हैं व जल्दी ही तीसरे स्थान पर होंगे। ये ज्ञान की सदी है। 21वीं सदी भारतीय युवाओं की है। हम चांद पर पहुंचे। हमने मंगल के दरवाजे पर दस्तक दी। हमारी ओलंपिक में उपलब्धियां रहीं। पैरा ओलंपिक में हमारे मेडलों का सैकड़ा पहली बार आया। अकसर ये हमारे मीडिया की सुर्खियां हुआ करती थीं। लेकिन सवाल है कि आम चुनाव के तीसरे चरण तक आते-आते देश का राजनीतिक विमर्श इतना नकारात्मक क्यों हो गया? आखिर क्यों हम देश की जनता को सकारात्मक मुद्दों पर चुनाव में मतदान करने के लिये प्रेरित नहीं कर सकते? अब सत्ता पक्ष हो या विपक्ष, मुद्दों में नकारात्मकता व आक्रामकता क्यों है? क्यों राजनीतिक दलों के नेता आमने-सामने बैठकर अपने कार्यकाल की उपलब्धियों व भविष्य के एजेंडे को लेकर जनता से रूबरू नहीं होते? अमेरिका व अन्य विकसित देशों में शीर्ष राजनेताओं द्वारा लंबी बहसों से जनता को समझाने का प्रयास किया जाता रहा है। आखिर अमृतकाल के दौर में पहुंचकर भी देश में मतदाता इतना जागरूक क्यों नहीं हो पाया है कि उसे क्षेत्रवाद, धर्म-संप्रदाय, जातिवाद और अन्य संकीर्णताएं न लुभा सकें? क्यों चुनाव आयोग की मुहिम में बरामद रिकॉर्ड मूल्य की वस्तुओं में आधा मूल्य नशीले पदार्थों का होता है? क्यों छोटे-छोटे प्रलोभनों के जरिये मतदाता बहकते हैं? कहीं न कहीं हमारे नेताओं ने देश के जनमानस को पूरी तरह लोकतंत्र के प्रति जागरूक करने के बजाय संकीर्णता के शार्टकट से अपना उल्लू सीधा करना चाहा है। निस्संदेह, देश में साक्षरता का प्रतिशत बढ़ा है। सोशल मीडिया के जरिये समाज में जागरूकता आई है। लोग सार्वजनिक विमर्श में अखबार व अन्य मीडिया की भाषा बोलते नजर आते हैं। तो फिर वे मतदान करते समय क्यों बहक जाते हैं? आखिर क्यों कहा जाता है कि फलां जगह पचास प्रतिशत या साठ प्रतिशत मतदान हुआ है? आखिर पचास प्रतिशत या चालीस प्रतिशत वोट न देने वाले लोग कौन हैं?

यहां एक तथ्य यह भी है कि यदि आम चुनाव के दौरान विभिन्न राजनीतिक दलों के लोग धर्म, सांप्रदायिकता, क्षेत्र, जाति व अन्य संकीर्णताओं का सहारा ले रहे हैं तो कहीं न कहीं एक वजह यह भी है कि आजादी के साढ़े सात दशक बाद भी लोग इन मुद्दों की तरफ आकर्षित होते हैं? कई जगह सत्ता पक्ष के खिलाफ चुनावों में नाराजगी दिखायी देती है तो जनता फिर दूसरे राजनैतिक दल को सत्ता सौंप देती है। यह उसके पास विकल्प न होने की स्थिति होती है, लेकिन फिर दूसरा दल भी उन्हीं संकीर्णताओं को अपना एजेंडा बनाकर चुनाव मैदान में आ जाता है। सवाल यह है कि किसी दल ने अपने कार्यकाल में जो उपलब्धियां हासिल की हैं क्यों नहीं उन्हें चुनावी मुद्दा बनाया जाता है? क्या दल विशेष को अपनी बखान की गई उपलब्धियों की जमीनी हकीकत का अहसास होता है? भारत एक विविधता की संस्कृतियों का देश है। हर क्षेत्र की अपनी विशेषता और जरूरतें हैं। उत्तर भारत के राजनीतिक रुझान और दक्षिण भारत के राजनीतिक रुझान में हमेशा अंतर देखा गया है। जिसका लाभ एक क्षेत्र में पिछड़ने वाला राजनीतिक दल दूसरे क्षेत्र में उठाता है। हाल के दशकों में ऐसे कद्दावर नेता कम ही हुए हैं जिनकी राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता रही हो। लेकिन देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिये जरूरी है कि सत्ता की रीतियां-नीतियां पूरे देश के मनोभावों के अनुकूल हों। राजनेताओं की कार्यशैली और घोषणाएं संकीर्णताओं से मुक्त हों। यदि देश में नकारात्मक मुद्दों के आधार पर चुनाव लड़े जाते हैं तो पूरी दुनिया में कोई अच्छा संदेश नहीं जाएगा। जिसका असर हमारी अंतर्राष्ट्रीय स्वीकार्यता पर भी पड़ेगा। यदि राजनीतिक परिदृश्य में सकारात्मकता का प्रवाह नहीं होता तो हम कैसे दावा कर सकते हैं कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। बड़े लोकतंत्र का बड़प्पन हमारे राजनेताओं में भी नजर आना चाहिए और मतदाताओं में भी। यदि हम संकीर्णताओं के पक्ष में मतदान कर रहे होते हैं तो कहीं न कहीं हम कमजोर व अयोग्य लोगों को ऊंची कुर्सी पर बैठाकर लोकतंत्र का अवमूल्यन कर रहे होते हैं।

चुनावी मुद्दों समेत भारतीयता की विकृत व्याख्या के सियासी मायने को ऐसे समझिए

दुनिया का सबसे बड़ा और सर्वाधिक सफल लोकतंत्र समझा जाने वाला भारतीय लोकतंत्र में कतिपय नेताओं द्वारा वक्त-वक्त पर किस प्रकार से जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, पहाड़, मैदान, तुष्टीकरण और नस्लीय वैचारिक विकृति पिरोयी गई, यह राजनैतिक और सामाजिक शोध का विषय है। क्योंकि सिर्फ बहुमत प्राप्ति की गरज से नेताओं ने जिन नीतिगत उलटबांसियों को तवज्जो दी, उससे शांतिपूर्ण और सहिष्णु भारतीय समाज का बहुत बड़ा अहित हुआ है। वहीं, इन बातों का दुष्प्रभाव चुनावी राजनीति पर भी पड़ा है।सच कहूं तो ऐसे नेताओं की शतरंजी सियासी चालों से न केवल क्षेत्रीयता बल्कि राष्ट्रीयता का भाव भी प्रभावित हुआ है। वहीं, परिवारवाद और सम्पर्कवाद के खेल ने सियासी स्थिति-परिस्थिति को और अधिक जटिल बना दिया है। ऐसा मैं इसलिए कह रहा हूँ कि एनआरआई बुद्धिजीवी सैम पित्रोदा ने भारतीयता की जो शर्मनाक व्याख्या की है, वह आम चुनाव 2024 को आने वाले दिनों में एक नई दिशा देगी। उनके हालिया बयानों से जो बहस छिड़ेगी, उसका उत्तर देना बिल्कुल आसान नहीं होगा। क्योंकि इससे पहले शायद ही किसी ने विभिन्न रूप रंग वाले भारतीयों को ऐसी उपमा दी हो। जो बेतुकी ही नहीं, बल्कि आपत्तिजनक भी है। इसलिए आशंका है कि गत तीन चरणों के चुनावों में कांग्रेस नीत इंडिया गठबंधन को जो तवज्जो मिली, वह चौथे चरण से प्रभावित भी हो सकता है।सैम पित्रोदा के शब्दों में, ÷हम भारत जैसे विविधता से। भरे देश को एकजूट रख सकते हैं। जहाँ पूर्व के लोग चीनी जैसे लगते हैं, पश्चिम के लोग अरब और उत्तर के लोग गोरों जैसे दिखते हैं, जबकि दक्षिण भारतीय अफ्रीकी जैसे लगते हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हम सब भाई-बहन हैं। भारत में अलग-अलग क्षेत्र के लोगों के रीति-रिवाज, खान-पान, धर्म, भाषा भिन्न हैं, लेकिन भारत के लोग एक दूसरे का सम्मान करते हैं।÷ इससे पहले उन्होंने कहा है कि, ÷हम 75 साल से बहुत सुखद माहौल में रह रहे हैं, जहां कुछ लड़ाइयों को छोड़ दें तो लोग साथ रह रहे हैं।÷

देखा जाए तो भारतीयों की पहचान को विदेशी मूल से जोड़कर देखने का सैम पित्रोदा ने जो दुस्साहस किया है, उससे आगबबूला हुई भाजपा ने उनके बेतुके बयान को ही चुनावी मुद्दा बना दिया। पार्टी का आरोप है कि धर्म के आधार पर हुए राष्ट्र विभाजन के पश्चात अब चमड़ी व रंग के आधार पर कांग्रेस देश को बांटने की साजिश रच रही है। समझा जाता है कि उनके बयान के बाद बैक फुट पर दिखाई पड़ी कांग्रेस को राजनैतिक धर्मसंकट से बचाने के लिए उन्होंने इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से त्यागपत्र दे दिया, जिसे कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा स्वीकार कर लिया गया है, जो कि बड़ी बात है।

वहीं, कांग्रेस ने उनकी टिप्पणियों से खुद को पूरी तरह से अलग कर लिया है, क्योंकि उसका मानना है कि भारत की विविधता को चित्रित करने के लिए एक पॉडकास्ट में पित्रोदा द्वारा दी गई उपमाएं बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और अस्वीकार्य हैं। बता दें कि पिछले दिनों भी सैम पित्रोदा ने भारत में अमेरिका की तर्ज पर विरासत टैक्स की पैरवी कर कांग्रेस की खूब किरकिरी कराई थी। उससे पहले वह यह भी कह गए थे कि अयोध्या में निर्मित राम मंदिर भारत के विचार के विपरीत है।

यदि पिछले तीनों लोकसभा चुनावों यानी 2014, 2019 और 2024 में कतिपय कांग्रेसी नेताओं के बयानों पर गौर किया जाए तो मणिशंकर अय्यर, शशि थरूर से लेकर सैम पित्रोदा तक पार्टी नेताओं की ऐसी फेहरिस्त है, जिनके बयानों से पीएम मोदी की सरकार को अकस्मात चुनावी संजीवनी मिली। यही वजह है कि इस बार कांग्रेस नेतृत्व ने समय रहते ही निर्णय ले लिया और पित्रोदा का इस्तीफा स्वीकार कर लिया, ताकि चुनावी डैमेज कंट्रोल किया जा सके।

मेरा स्पष्ट मानना है कि गोरे अंग्रेजों से लेकर काले अंग्रेजों तक ने कभी बहुमत प्राप्ति की गरज से तो कभी किसी लॉबी को संतुष्ट करने के लिए जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, लिंग, पहाड़, मैदान, उत्तर, दक्षिण, पूरब, पश्चिम, तुष्टीकरण और नस्लीय आधार पर व्यक्तियों के विभाजन का जो सिलसिला प्रारंभ किया, वह आज तक जारी है। इसके आधार पर हुई गोलबंदी से भारतीय संविधान भी अछूता नहीं बचा और उनके निर्माण से लेकर विभिन्न संशोधनों तक में जो वैचारिक विकृति की बू आती है, वह चुनाव दर चुनाव किसी न किसी त्रासदी को जन्म देती आई है, जिससे बचे जाने की जरूरत है। कहना न होगा कि एक भारत और श्रेष्ठ भारत का विचार उत्तम है, लेकिन मौजूदा कानूनी विसंगतियों के उन्मूलन के बिना उसे कतई नहीं पाया जा सकता, यही शाश्वत सत्य है। यह कड़वा सच है कि जब तक भारतीय मतदाताओं को बरगलाने का सिलसिला जारी रहेगा, तबतक सियासी स्थायित्व की कल्पना बेमानी है।

दवाएं भी दे सकती हैं दगा

दवाएं उतनी ही मात्रा में लेना चाहिए जितनी चिकित्सक ने लिखी हों। इससे कम या अधिक नुकसानदायक हो सकती हैं। अब तक ऐसी कोई औषधि नहीं है, जिसके कोई साइड इफेक्ट्स न हों। अतः अपने मन से खाई गई कोई दवा, जहर भी हो सकती है।

जीवन की रक्षा करने वाली दवाइयां हमेशा सुरक्षित नहीं होती हैं। यदि आप चिकित्सक की सलाह के बिना इन्हें मनमाने तरीके से ले रहे हो तो ये खतरनाक भी हो सकती हैं।

कोर्स और डोज पर दें ध्यान

लगभग सभी बीमारियों में दवाइयों की निश्चित मात्रा निर्धारित समय तक ही दी जाती है। खुराक एवं मात्रा में से किसी भी एक का ध्यान न रखा जाए तो ये दवाइयां खतरनाक हो सकती हैं। दमा के तेज अटैक से तुरंत राहत के लिए चिकित्सक ओरल स्टीरायड्स मरीज को देते हैं, लेकिन देखा गया कि करीब 5 से 10 प्रतिशत मरीज उन पर्चों को संभालकर रख लेते हैं ताकि जब दोबारा अटैक आए तो वही दवा फिर से खा लें। कई मरीज तो चिकित्सक को बिना बताए हफ्तों और यहां तक कि महीनों भी अपने मन से स्टेरायड्स खाते रहते हैं। इसके गंभीर परिणाम होते हैं। इसी तरह ब्लड प्रेशर की दवाइयों की खुराक बिना रक्तचाप नापे ज्यादा या कम नहीं करना चाहिए।

कहीं ऐसा तो नहीं करते

कई मरीजों के परिजन अस्पताल के आईसीयू में यह कहते हुए सुनाई पड़ते हैं कि हमारे मरीज को रक्तचाप की शिकायत अर्से से है और वे नियमित दवा खाते हैं। अब सिरदर्द की शिकायत होने पर भी उन्हें लगा कि रक्तचाप बढ़ गया है इसलिए एक गोली और खा ली।

इससे रक्तचाप तेजी से गिर गया तो आईसीयू में भर्ती करवाना पड़ा। कई लोग सिरदर्द, बदन दर्द के लिए एस्प्रीन, ब्रूफेन व अन्य दर्द निवारक दवाएं बिना निदान के अपने आप कई वर्षों तक लगातार लेते रहते हैं। ये दवाइयां कुछ समय के लिए सिर्फ दर्द को दबाती हैं। कारण को ठीक नहीं करतीं। इन दवाइयों से पेट में अल्सर, एनिमिया, गुर्दे खराब होना इत्यादि परेशानियां आ सकती हैं।

कई लोग कमजोरी के लिए विभिन्न प्रकार के टॉनिक व विटामिन्स खाते रहते हैं। बी-कॉम्प्लेक्स व विटामिन-सी यदि ज्यादा ले भी लिए तो मूत्र के साथ निकल जाते हैं। लेकिन कुछ घुलनशील विटामिन्स जैसे विटामिन ए व विटामिन डी ज्यादा खुराक के कारण शरीर की प्राकृतिक प्रक्रिया में व्यवधान भी उत्पन्न कर सकते हैं।

एंटीबायटिक्स से बचें

एंटीबायटिक्स अपने मन से न लें। कई बार उनकी जरूरत नहीं होती। कई मरीज इस हिस्ट्री के साथ आते हैं कि पिछली बार जैसे लक्षण थे, इसलिए हमने आपका पिछला पर्चे दिखाकर दवा ले ली, लेकिन इस बार फायदा नहीं हुआ। एक ही एंटीबायटिक को बार-बार लेने से उससे शरीर में रोग-प्रतिरोधक शक्ति कम हो जाती है। ऐसी स्थिति में हल्की एंटीबायटिक असर नहीं करती। अब केवल ताकतवर एंटीबायटिक देने पर भी फायदा होता है।

अधिक समय तक एंटीबायटिक खाने से बीमारी बढ़ती रहती है और कई बार उसके साइड इफेक्ट्स जैसे- दस्त होना, पेट खराब हो जाना, मुंह में छाले इत्यादि हो सकते हैं। इसलिए कोई सी भी एलोपैथिक दवाई चिकित्सक के परामर्श के बगैर न लें। खासकर वे लोग जो पहले ही से दवाइयां लेते रहते हैं, उन्हें विशेष ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि उनकी पहले की दवाइयां इन नई दवाइयों से मिल कर उनके लिए नई परेशानियां खड़ी कर सकती हैं।

दर्द को न करें नजरअंदाज

अपने शरीर में होने वाले दर्द को हम अक्सर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन कई बार ये दर्द किसी बीमारी का संकेत भी हो सकते हैं। ऐसे में इन्हें अनदेखा करने की बजाय तुरंत इनका इलाज करवाकर बड़ी बीमारी को टाला जा सकता है...

पेट दर्द

पेट दर्द होना एक सामान्य सी बात है, लेकिन महानगरों में यह कुछ ज्यादा ही देखने में आता है। वजह यह कि महानगरों के लोगों का खाने-पीने का कोई वक्त नहीं होता। फिर बाहर के खाने से बचना भी यहां के लोगों के लिए मुश्किल होता है। जहां तक महिलाओं की बात है तो उनमें पेट का दर्द यूट्रस में होने वाली समस्याओं का संकेत हो सकता है। कई बार दर्द के साथ-साथ पेट में गड़बड़ भी हो सकती है जैसे- कब्ज या डायरिया। सही वजह पता लगाने का सबसे बेहतर तरीका है अल्ट्रासाउंड। इससे पेट की गांठ का आसानी से पता लगाया जा सकता है। अगर जल्दी पता लग जाए, तो सिर्फ दवा से ही इसका इलाज संभव है, लेकिन गांठ बढ़ जाने से की-होल सर्जरी करवानी पड़ती है।

कमर दर्द

कमर दर्द से भी तमाम लोग परेशान रहते हैं। दिनभर कंप्यूटर के सामने बैठे रहने से यह समस्या और भी बढ़ जाती है। कमर दर्द अगर नीचे की तरफ बढ़ने लगे और तेज हो जाए, तो जल्द से जल्द डॉक्टर को दिखाएं। कभी-कभी दर्द कुछ मिनट ही होता है और कभी-कभी यह घंटों तक रहता है। ऐसा दर्द पथरी की वजह से हो सकता है। इसकी जांच एक्स-रे, अल्ट्रासाउंड और यूरीन टेस्ट के जरिए करवाई जा सकती है।

जबड़े का दर्द

जबड़े का दर्द अक्सर जबड़ों के जॉइंट्स के ज्यादा काम करने की वजह से होता है। यह समय के साथ सही भी हो जाता है, लेकिन न मुंह खोलते और बंद करते वक्त जब आवाज के साथ ऐसा दर्द हो तो यह जॉइंट की चोट की वजह से भी हो सकता है। साधारण एक्स-रे से इसका पता लगाया जा सकता है। दवा से इसका इलाज करवाया जा सकता है।

जोड़ों का दर्द

यह दर्द ज्यादातर मामलों में पचास साल की उम्र के बाद शुरू होता है। इसकी शुरुआत घुटनों में हल्के दर्द के साथ होती है। धीरे-धीरे यह दर्द हाथों की अंगुलियों के जोड़ों में भी आ जाता है। यह दर्द हिलने-डुलने से बढ़ता जाता है। दर्द के बढ़ जाने पर तुरंत ऑर्थोपेडिक डॉक्टर से संपर्क करें। एक्स-रे या बोन डेंसिटी टेस्ट से ऑस्टियोआर्थराइटिस या रुमेटॉइडआर्थराइटिस का पता लगाया जा सकता है। यह समस्या पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में पाई जाती है। इस बीमारी को जड़ से खत्म नहीं किया जा सकता, लेकिन फिजियोथेरेपी और स्टेरॉइड्स लेकर इसे बढ़ने से रोका जरूर जा सकता है। तकलीफ बढ़ने पर नी-रिप्लेसमेंट सर्जरी की जरूरत भी पड़ सकती है।

अंगूठों का दर्द

अगर अंगूठों में दर्द रहता है तो यह गठिया का लक्षण हो सकता है। जोड़ों में ज्यादा यूरिक एसिड क्रिस्टल जमा हो जाने से यह दर्द होता है। वक्त गुजरने के साथ ही यह दर्द इतना असहनीय हो सकता है कि इससे चलने-फिरने में भी दिक्कत हो सकती है। इसे एक्स-रे द्वारा पहचानकर दवा से ठीक किया जा सकता है।

माथे का दर्द

ज्यादातर दर्द पूरे सिर में होता है, लेकिन जब यह दर्द काफी तेज हो तो यह गंभीर स्थिति हो सकती है, इसलिए सिर दर्द को कभी नजरअंदाज न करें और तुरंत डॉक्टर से मिलें। यह 50 साल से ज्यादा उम्र वाले लोगों में देखा जाता है।

पसीने का जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

गर्मियों के मौसम मे चिल-चिलाती धूप व बढ़ती गर्मी पसीने का कारण बनती है जो शरीर से पसीने की दुर्गन्ध का भी मुख्य कारण है। साथ ही यह घमौरियों व चर्मरोग को भी जन्म देते है।

इस बढ़ती गर्मियो मे पसीने से निजात पाने के लिए जड़ी-बूटी द्वारा इसका उपचार संभव है।

एक बार पहने हुए वस्त्रों को बिना धोए अलमारी में न रखें।

बिना धुले वस्त्रों को अलमारी में रखने पर दुर्गन्ध पैदा करने वाले बैक्टीरिया सक्रिय होकर वस्त्रों में दुर्गन्ध पैदा कर देते हैं।

शरीर की साफ-सफाई का विशेष ख्याल रखना चाहिए। नीम युक्त साबुन का नहाते वक्त इस्तेमाल करें तो बेहतर रहेगा।

जहाँ तक हो सके कड़ी धूप से बचें।

वस्त्र ऐसे पहनें जो शरीर से चिपके हुए न हों क्योंकि तंग वस्त्रों में ज्यादा पसीना आता है और वाष्पीकरण सही ढंग से नहीं हो पाता है जिससे कपड़ों से दुर्गन्ध आने लगती है।

सिन्थेटिक वस्त्र न पहनकर सूती वस्त्र पहने तो ज्यादा ठीक रहेगा।

तली-भुनी य मसालायुक्त चीजें न खाएँ।

मौसमी फलों का सेवन करें।

जड़ी-बूटी द्वारा उपचार

बबूल के पत्ते और बाल हरड़ को बराबर-बराबर मिलाकर महीन पीस लें। इस चूर्ण की सारे शरीर पर मालिश करें और कुछ समय रूक-रूक कर स्नान कर लें। नियमित रूप से यह प्रयोग कुछ दिनों तक करते रहने से पसीना आना बंद हो जाएगा।

दुर्गन्ध करे दूर

पसीने की दुर्गन्ध दूर करने के लिए बेलपत्र के रस का लेप शरीर पर करना चाहिए। अडूसा के पत्रों के रस में थोड़ा शंख चूर्ण मिलाकर शरीर पर लगाने से शरीर से पसीने की दुर्गन्ध दूर हो जाती है।

विटामिन डी की कमी घातक

विटामिन डी की कमी आपकी धमनियों को कठोर बना सकती है। एक नए अध्ययन के मुताबिक लोगों के शरीर में विटामिन डी की कमी धमनियों को सख्त बना सकती है।

विटामिन डी की कमी से रक्त वाहिनियों के स्वास्थ्य पर असर पड़ सकता है, इससे रक्तचाप (बीपी) बढ़ सकता है और दिल की बीमारियां हो सकती हैं। अध्ययन में शामिल जिन प्रतिभागियों ने विटामिन डी की उच्च मात्रा ली, उनकी रक्तवाहिनियों के स्वास्थ्य में सुधार देखा गया और उनका रक्तचाप भी कम हो गया था। अध्ययन में संस्थान के करीब 550 कर्मचारी शामिल हुए थे।

तुरंत एनर्जी दे सुबह का नाश्ता

सुबह का नाश्ता शरीर के लिए फायदेमंद होता है। जो शरीर को तुरंत एनर्जी प्रदान करता है। साथ ही नाश्ते मे अंकुरित अनाज तथा फलों में केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर व शहद, दही ले तो यह और अधिक फायदेमंद होगा।

अंकुरित फलों व अनाज में एनर्जी

पसंदीदा फलों को जैसे केला, पपीता, सेब, आम, अंगूर, सबको छोटे-छोटे टुकड़े करके कांच के कटोरे में रखें। सबसे पहले तीन बड़े चम्मच, शहद डालें और फल डालें। उसके ऊपर योगार्ट (गाढ़ा दही) अगर आप इसे ठंडा खाना चाहते हैं तो इसे फ्रिज में रख दें, अब बाहर निकालकर नाश्ता करें। यह आपके लिए सुपाच्य तथा तुरंत स्फूर्ति देने वाला होगा। खासतौर पर महिलाओं के लिए पौष्टिकता, रक्तवृद्धि तथा त्वचा की नमी बनाए रखने वाला नाश्ता है। सभी विटामिन सी वाले फल यानी अंगूर, अनार, अनानस, संतरा, पपीता, मौसमी सभी फलों को काट लें। अब उस पर काला नमक, सफेद नमक, भुनाजीरा, नींबू डालकर मिक्स करें। इस तरह से अपनी दिनचर्या में पौष्टिक नाश्ता का समावेश करें। सुबह सही समय अवश्य नाश्ता करें। वक्त की कमी की वजह से कुछ भी खाकर पेट न भरें। अगर समय की कमी हो, तो रात में ही अंकुरित अनाज की तैयारी कर लें, रात में ही भिगा दें, जो अंकुरित अनाज आपको पसंद हो जैसे- काला चना, साबुत मूंग, लोभिया, मूंगफली दाना। सुबह उसमें प्याज, टमाटर, खीरा, ककड़ी, हरी धनिया, मिर्च महीन काट कर ऊपर से नींबू निचोड़ दें।

नमकीन दलिया फायदेमंद

काला नमक काली मिर्च, भुना जीरा डाल कर खाएं, अगर आप को कच्चा अंकुरित अनाज पसंद नहीं है, तो कुकर में एक सीटी लगा बनाया जा सकता है। बस हो गया आपका सेहतमंद नाश्ता तैयार। फिर कभी-कभी नमकीन दलिया भी तैयार करके खाया जा सकता है। चाहे तो आप इस नमकीन दलिया में स्वाद के लिए कोई पसंदीदा सब्जी भी डाली जा सकती है। इस तरह कम समय में पौष्टिक नाश्ता तैयार हो सकता है। सुबह के नाश्ते में हो सके तो दूध अवश्य लें। सुबह के समय पाचन क्रिया तेज होती है।

चिकन पॉक्स घबराएं नहीं

इन्हें जल्दी हो सकता है संक्रमण

गर्भावस्था के समय महिला को चिकन पॉक्स होने पर नवजात शिशु में संक्रमण का खतरा 70 प्रतिशत बढ़ जाता है। कमजोर रोग-प्रतिरोधक क्षमता वाले लोगों को भी यह वायरस आसानी से शिकार बना लेता है, इसलिए गर्भ ठहरने के 14 हफ्ते के बाद दी गई पावर बूस्टर डोज को वैरिसेला वायरस के बचाव के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

दोबारा चिकन पॉक्स, दोगुनी सावधानी

जिन लोगों को दोबारा चिकन पॉक्स हो रहा है, उन्हें सचेत रहने की ज्यादा जरूरत होती है।

चिकनपॉक्स एक बार हो तो अधिक गंभीर नहीं है, जबकि यदि दस साल की उम्र के बीच बच्चों को दो बार से अधिक बार हो तो ल्यूकीमिया बीमारी हो सकती है। ये खून से संबंधित बीमारी है, जिससे रक्त में पाई जाने वाली लाल रक्त कणिकाएं तेजी से क्षतिग्रस्त होती हैं।

डॉक्टरों का मानना है कि चिकन पॉक्स को समझने में मरीज देरी कर देते हैं, जिससे अक्सर इलाज मुश्किल हो जाता है। इसलिए सबसे पहले चिकन पॉक्स के लक्षण जानने जरूरी हैं। विशेषज्ञ बताते हैं कि सबसे खास लक्षण है शरीर में पानी युक्त लाल दानों का उभरना। इसके बाद मरीज को जुकाम व बुखार की शिकायत शुरू हो जाती है।

सावधानियां जरूर बरतें

एक बार आपको ये लक्षण दिख जाएं तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। दूसरे लोगों को इससे सुरक्षित रखने का प्रयास भी करें। याद रखें कि हवा और खांसी के माध्यम से संक्रमण एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के शरीर तक पहुंच जाता है। बच्चों को विशेष रूप से चिकन पॉक्स के रोगी से दूर रखें। चिकन पॉक्स के रोगी घर से कम से कम निकलें। इससे एक परिवार का संक्रमण दूसरे परिवार तक पहुंचने से रुकेगा। रोगी के पास खूब सफाई रखें, जिससे संक्रमण बढ़ने न पाए।

साफ-सफाई का रखें ख्याल

कई लोगों को भ्रम है कि चिकन पॉक्स के रोगी को नहलाना नहीं चाहिए, जबकि सच यह है कि चिकन पॉक्स के मरीज को अतिरिक्त साफ-सफाई की जरूरत होती है। मरीज को रोज नीम के पानी से नहलाना चाहिए। साफ कपड़े पहनाने चाहिए। उसके बर्तन वगैरह भी अलग रखने चाहिए, ताकि उसका संक्रमण दूसरों तक न पहुंचे।

कब घातक होता है चिकन पॉक्स? यों तो चिकन पॉक्स पूरी तरह से इलाज वाली बीमारी है और सही इलाज मिलने पर जल्दी ठीक भी हो जाती है। संक्रमण भी एक हफ्ते से दो हफ्ते के बीच में खत्म हो जाता है। लेकिन अगर सावधानियां न बरती जाएं तो दो से तीन हफ्ते तक संक्रमण शरीर में बढ़ता रहता है। अगर ये नियंत्रित न हो तो दिमाग और लीवर तक इसका असर पहुंच जाएगा। इसके बाद दूसरी बीमारियां आपको अपनी गिरफ्त में लेने लगती हैं। इनमें ज्वॉइंडिस यानी पीलिया जैसी बीमारी भी हो सकती है, जिसे आम लोग जानते-समझते हैं। हाइड्रोसेफेलिक्स जैसी गंभीर बीमारी भी हो सकती है, जिसका अक्सर लोगों ने नाम भी नहीं सुना होता। हाइड्रोसेफेलिक्स में दिमाग में पानी भर जाता है।

टीकाकरण ही एकमात्र बचाव

चिकनपॉक्स से बचाव के लिए सीएक्सवी वैक्सीनेशन एकमात्र विकल्प है। गर्भवती महिला को डोज दी जाती है, जिससे बच्चा सुरक्षित रहे। अगर गर्भवती महिला को दवा नहीं दी गई है तो जन्म के 14 हफ्ते के भीतर बच्चों को चिकन पॉक्स की तीन डोज दी जाना चाहिए। निजी नर्सिंग होम में टीका 1350 रुपए में उपलब्ध है।

मिथ और हकीकत

मिथ- गहरे रंग की चीजें खाने से गहरे दाग पड़ते हैं!

सच- गहरे दाग से बचना चाहते हैं तो केवल एक सूत्र याद रखें कि दागों पर बार-बार नाखून न लगें।

मिथ- चिकन पॉक्स ठीक होने के चार या पांच महीने तक नॉनवेज नहीं खाना चाहिए, वरना शरीर में खुजली हो जाती है।

सच- मेडिकल साइंस नॉनवेज खाने से कतई नहीं रोकती। यहां तक कि अगर आप सी फूड खाएं तो भी कोई नुकसान नहीं होता।

मिथ- चिकन पॉक्स के दौरान बाल नहीं धुलने चाहिए और नहाना भी नहीं चाहिए वरना शरीर में हवा घुल जाती है और बुढ़ापे में कई समस्याओं का सामना पड़ता है।

सच- आप रोज नहा सकते हैं। बाल भी धुल सकते हैं। केवल इतना ध्यान रखिए कि दाग वाले स्थान पर गीले तौलिए से न पोंछें, वरना संक्रमण हो सकता है।

मिथ- अगर एक बार चिकन पॉक्स हो गया तो दोबारा नहीं हो सकता।

सच- ऐसा नहीं है। कई लोगों को ये दोबारा होता है। इसलिए किसी गलतफहमी में न रहें। सावधानी बरतें।

मिथ- खुजली वाले स्थान पर कुछ लगाना नहीं चाहिए।

सच- डॉक्टर ऐसा कोई परहेज नहीं बताते।

शतावरी

हैल्थ फैक्ट्स

रोग भगाए, सौंदर्य निखारे, शक्ति बढ़ाए

शतावरी का पौधा हमारे लिए वरदान साबित हो रहा है। इसका चूर्ण दूध के साथ लेने से हड्डियों को शक्ति प्रदान करता है व दर्द को तेजी से दूर करने में मदद करता है। शतावरी एक औषधीय पौधा है जिसका उल्लेख आयुर्वेद में किया गया है। इसका वनस्पतीय नाम है 'स्पारॅगस रेसमोसस' है। शतावरी में ऐसे अनेक गुण छुपे हुए हैं जो आपकी हर एक बीमारी को यूं गायब कर सकते हैं। इसको गुणों की खान कहना गलत न होगा।

स्त्री रोगों में लाभकारी = यह पौधा तमाम तरह के स्त्री रोगों जैसे बांझपन, गर्भपात या नई नवेली मां में दूध की कमी को पूरा करता है। आयुर्वेद में शतावरी की पत्तियों और जड़ों को शुक्रजनन, शीतल, मधुर एवं दिव्य रसायन माना गया है। यह दमा, खांसी, दिल के रोग के लिए कारगर है। परंपरागत रूप से शतावरी को महिलाओं की जड़ी बूटी माना गया है, हालांकि यह पौधा पुरु षों के हार्मोन लेवल को बढ़ा कर उनकी कामुकता में भी इजाफा कर सकता है।

शतावरी से अन्य लाभ

1. **अतिरिक्त वजन कम करे :** महिलाओं में मासिक धर्म के दौरान अतिरिक्त पानी की वजह से जो वजन बढ़ता है शतावरी उसे कम करता है।
2. **ब्रेस्ट मिल्क बढ़ाए :** प्रसूता माता को यदि दूध नहीं आ रहा हो या कम आता हो तो शतावरी की जड़ों के चूर्ण का सेवन दिन में कम से कम चार बार करना चाहिए।
3. **मधुमेह में फायदेमंद :** शतावरी की जड़ों के चूर्ण का सेवन बगैर शक्करयुक्त दूध के साथ नियमित किया जाए तो यह काफी फायदेमंद होता है।
4. **शक्तिवर्धक :** अगर शतावरी के पत्तों के रस को दो चम्मच दूध में मिला कर दिन में दो बार लें, तो यह शक्ति प्रदान करता है।
5. **यूरीन में खून में लाभकारी :** अगर मूत्र में खून आने की समस्या है तो शतावरी का सेवन नियमित रूप से करें।
6. **अल्सर दूर करे :** शतावरी काफी ठंडा होता है इसलिए यह बुखार, जलन और पेट के अल्सर को दूर कर सकता है।
7. **बीमारियों का नाश करे:** यह जड़ी-बूटी हैजा, टाइफाइड बुखार, ई.कोलाई आदि से लड़ सकता है।
8. सुंदरता बढ़ाए: शतावरी में विटामिन 'ए' होता है जो कि त्वचा की सुंदरता को निखारता है। यह चेहरे से झुर्रियों को मिटाता है।
9. **माइग्रेन दूर करे :** शतावरी की ताजी जड़ को मोटा-मोटा कूट लें, इसका रस निकालें और इसमें बराबर मात्रा में तिल का तेल मिलाकर पका लें। इस तेल को सिर में लगाएं और लाभ देखें।
10. **प्रजनन छमता बढ़ाए :** यह गर्भ को पूरी तरह से पोषण पहुंचा कर प्रजनन दर को बढ़ाता है।

- शतावरी में विटामिन 'ए' होता है जो त्वचा की सुंदरता को निखारता है साथ ही यह चेहरे की झुर्रियों को मिटाता है
- आयुर्वेद में शतावरी की पत्तियों और जड़ों को शुक्रजनन, शीतल, मधुर एवं दिव्य रसायन माना गया है, यह दमा, खांसी, दिल के रोग के लिए कारगर है
- शुगर में शतावरी चूर्ण का सेवन दूध के साथ नियमित करने से काफी फायदा पहुंचता है
- यदि मूत्र में खून आने की समस्या है तो शतावरी का सेवन नियमित रूप से करें

मध्य आयु में हाई बीपी तो बुढ़ापे में स्मृति लोप

बोस्टन। वैज्ञानिकों ने कहा कि 50 वर्ष के आसपास की अवस्था में उच्च रक्तचाप का कई वर्षो बाद आपके दिमाग पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। कई अध्ययनों से यह पता चलता है कि मध्य आयु में हृदय संबंधी जोखिम खासकर रक्तचाप का संबंध स्मृति लोप से है।फ्रेमिंघम हार्ट स्टडी (एफएचएस) के आंकड़ों का इस्तेमाल करते हुए बोस्टन यूनिवर्सिटी स्कूल ऑफ मेडिसिन के अनुसंधानकर्ताओं ने एफएचएस के 378 लोगों पर यह अध्ययन किया है। इसमें 50-60 वर्ष की आयु में इन लोगों के रक्तचाप और 30 साल बाद 80 या उससे अधिक आयु की अवस्था में इनके दिमाग के काम करने की क्षमता पर अध्ययन किया गया। मध्य आयु में जिन लोगों को उच्च रक्तचाप था, उनके दिमाग ने बहुत बाद ज्यादा खराब प्रदर्शन किया। इस अध्ययन का प्रकाशन ''जर्नल ऑफ अल्जाइमर्स डिजीज' में हुआ है।

ज्यादा कॉफी पीना पिता बनने में हो सकता है बाधक

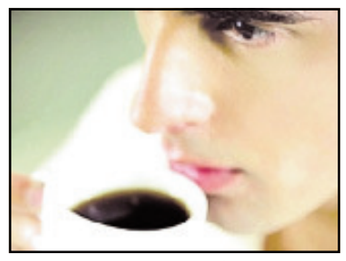

एक दिन में 200 मिली ग्राम से ज्यादा कॉफी पीने से शरीर में एस्ट्रोजन का उत्पादन बढ़ जाता है। एस्ट्रोजन का स्तर बढ़ने से महिला और पुरुषों दोनों में प्रजनन संबंधी विकार और नपुंसकता पैदा होती है। कामकाजी लोगों के कॉफी, चाकलेट और कोला एक मजबूत तनावरोधी का काम करते हैं और युवा पीढ़ी खासतौर से उत्तेजना के लिए इनका इस्तेमाल करती है, लेकिन जब इसकी तलब लत में बदल जाती है तो यह नपुंसकता पैदा करने लगता है। एक विशेषज्ञ का कहना है कि बहुत ज्यादा कॉफी पीने से पुरुषों की प्रजनन क्षमता प्रभावित होती है. जो पुरुष रोजाना दो कप या उससे ज्यादा कॉफी पीता है उसमें बाप बनने की संभावना बहुत कम होती है। जबकि लड़कियों में कैफीन फेलोपियन ट्यूब में पेसमेकर कोशिकाओं की प्रणाली को बाधित कर देता है.ये कोशिकाएं ट्यूब संकुचन का काम करती हैं और अंडों को ट्यूब में नीचे जाने से रोकती है। लेकिन जब महिलाएं बहुत ज्यादा कैफीन लेती हैं। उन्हें गर्भधारण करने में कैफीन नहीं लेनेवालों की अपेक्षा ज्यादा समय लगता है.इसलिए, अगर आप कुछ महीनों से परिवार को बढ़ाने की तैयारी में लगे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही है तो चाय, कॉफी, कोला और कोकोआ में पाए जानेवाले कैफीन की मात्रा कम से कम ले, खासतौर पर तब जब आप रोजाना 200 मिली ग्राम से ज्यादा कैफीन का उपभोग कर रहे हों।

एक अन्य विशेषज्ञ का कहना है कि कैफीन की ज्यादा मात्रा का सेवन करने वालों को प्रजनन संबंधी समस्याओं से लेकर गर्भपात तक की समस्या हो सकती है। इसलिए महिलाओं को उन खाने-पीने की उन चीजों का कम सेवन करना चाहिए, जिसमें ज्यादा मात्रा में कैफीन पाया जाता है, खासतौर पर जब वे गर्भधारण की अवस्था में हो या गर्भधारण करने की कोशिश कर रही हों। विशेषज्ञ कि गर्भवती महिलाओं को न सिर्फ कैफीन के सेवन से बचना चाहिए, बल्कि इसकी जगह स्वास्य के लिए हानिकारक चीजों जैसे शराब या चीनी से भरपूर सॉफ्ट ड्रिंक आदि से भी बचना चाहिए।

रात को ज्यादा रोशनी भी नींद न आने की वजह

अगर आपके आस-पड़ोस में रात में खूब रोशनी रहती हो तो आप अच्छी तरह सो नहीं पाएंगे, जिससे दिन में भी आपकी कार्यक्षमता प्रभावित होगी। एक नए शोध में इसकी जानकारी मिली है। कनाडा के वेंकुवर में 68वें अमेरिकन एकेडमी ऑफ न्यूरोलॉजी में अप्रैल 2016 में इस शोध को प्रस्तुत किया जाएगा जो रात में रोशनी से नींद प्रभावित होने के बारे में की गई है।कैलिफोर्निया की स्टैनफोर्ड यूनिर्वसटी के शोधकर्ता मौरिस ओहैयन ने बताया, ''हमारी दुनिया 24 घंटे काम करने वाला समाज बन गया है। हम बाहर खूब उजाला रखते हैं जैसे स्ट्रीट लाइटों के माध्यम से ताकि हमें कामकाज में आसानी हो और सुरक्षा का मसला भी है।' ओहैयन ने बताया, ''चिंता की बात यह है कि हमने अपने आसपास अंधेरे के आवरण को कम कर दिया है जिससे हमारी नींद प्रभावित हो रही है।'

ग्रामीण इलाकों और छोटे शहरों की तुलना में बड़े शहरों के लोग तीन से चार गुना अधिक रात के प्रकाश में रहते हैं। इस शोध के लिए 15 हजार 863 लोगों का फोन द्वारा 8 सालों तक सर्वेक्षण किया गया, जिसमें निद्रा से जुड़ी आदतों और नींद की गुणवत्ता जैसे सवाल किए गए थे। निष्कर्षों के अनुसार, कम प्रकाश में रहने वाले लोगों की तुलना में जो लोग अधिक प्रकाश में रहते थे वह नींद की कमी से ग्रसित थे।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते ह। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंगे। आलस्य को त्याग। पुरुषार्थ का सहारा लें। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। शुभांक-3-6-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ायेगें। उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। अच्छी सफलताएं प्राप्त करेग। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यों में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-1-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते ह। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते है। शुभांक-2-5-7

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंग। शुभांक-4-6-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। शुभांक-5-7-9

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेंगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोंगो को आश्चर्य में डाल देंगे। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होंगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-4-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती हैं। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। महत्वपूर्ण यात्राओं के संकेत हैं। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): कार्य सार्थक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यों में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। चल-अचल सम्पति में वृद्धि होगी। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-5-7-9

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शुभांक-2-5-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-6-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

हंसी के फूव्वारें

राज (हरीश से), ''सुनाओ दोस्त क्या हाल है?''

हरीश, ''बहुत बुरा हाल है. सब साथ छोड़ गए है एक बीवी थी वह भी कटी पतंग की तरह आसमान में कहीं उड़ती फिरती है, तुम अपना हाल सुनाओ.''

राज,''मैं तो बड़े मजे में हूं. आजकल कटी पतंगें लूटना ही मेरा काम है, आराम से गुजर रही है.''

□ □ □

एक मशहूर क्रिकेटर का विवाह हुआ. विवाह के कुछ दिन उपरांत वह अपनी ससुराल गया तो उलकी साली शोखी से बोली, ''जीजा जी, दीदी कैसी लगी?''

क्रिकेटर बड़ी गंभीर आवाज में बोला, ''मीडियम फास्ट.''

□ □ □

विजय लक्ष्मी (शारदा से), ''मेरी बेटी का संगीत अभ्यास मेरे लिए बहुत भाग्यशाली साबित हुआ?'' शारदा, ''वह कैसे.''

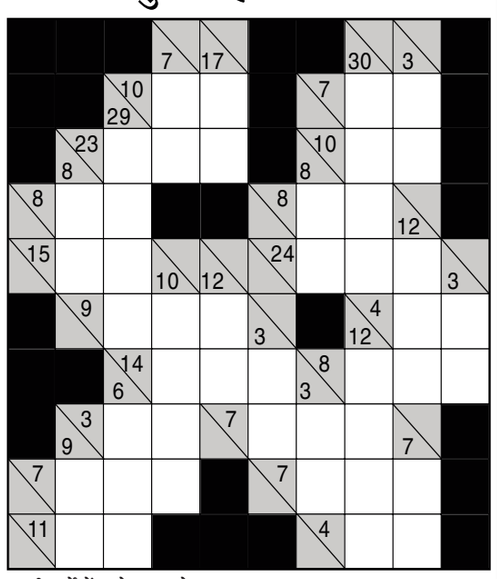

विजय लक्ष्मी, ''मेरा पड़ोसी इसी कारण अपना मकान आधे दामों पर बेच गया और मैंने खरीद लिया.''

□ □ □

काकुरो पहेली - 4053

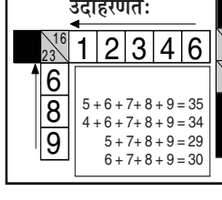

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

5 + 6 + 7+ 8 + 9 = 35
4 + 6 + 7+ 8 + 9 = 34
5 + 7+ 8 + 9 = 29
6 + 7+ 8 + 9 = 30

काकुरो - 4052 का हल

फिल्म वर्ग पहेली - 4053

बायें से दायें:-

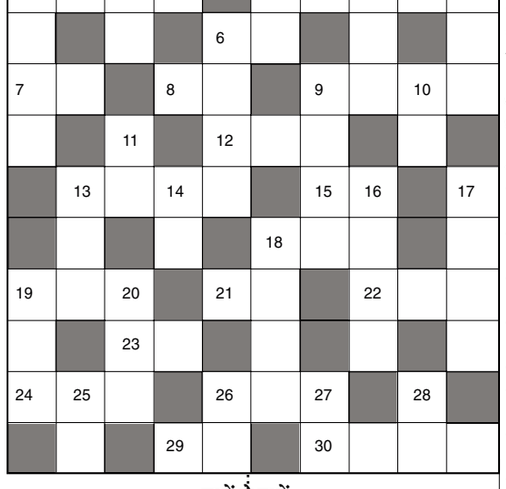

१. कारगिल युद्ध पर बनी जे. पी. दत्ता की बहु-सितारा फिल्म-२,१,१
३. 'रूप सलोना तेरा' गीत वाली सनी, अक्षय, मनीषा की फिल्म-२,३
६. आमिर, माधुरी दीक्षित की 'खंभे जैसी खड़ी है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'अपना बनाना है' गीत वाली अनिल कपूर, शिल्पा, करिश्मा की फिल्म-२
८. कुमार गौरव, माधुरी की 'पहली बारिश मैं और' गीत वाली फिल्म-२
९. 'रिमझिम के गीत' गीत वाली राजेद्र कुमार, बबीता की फिल्म-४
१२. 'छोटा कद और पेट बड़ा' गीत वाली संजयदत्त, नम्रता की फिल्म-३
१३. अजय देवगन, मधु, सोनाली की 'किसी के इश्क' गीत वाली फिल्म-४
१५. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम की नायिका कौन थी-२
१८. अक्षय कुमार, माधुरी की 'अब तेरे दिल में' गीत वाली फिल्म-३
१९. 'सात सुरों के तार' गीत वाली जैकी, माधुरी दीक्षित की फिल्म-३
२१. फरदीन, करीना की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'डैडी कूल कूल' गीत वाली शाहरूख खान, पूजा भट्ट की फिल्म-३
२३. राजीव कपूर, डिम्पल की 'कोई भी नाम दो' गीत वाली फिल्म-२
२४. अभिनेत्री पूजा भट्ट के पिता-३
२६. दिलीपकुमार, वहीदा रहमान की 'कल के सपने' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'तुझे ना देखूँ तो' गीत वाली जीतेंद्र, कमल सदाना, दिव्या की फिल्म-२
३०. सुमीत सहगल, शिखा की 'पीछे पीछे आजा' गीत वाली फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'दिल लगाने की' गीत वाली अक्षय, अमिताभ, राखी, जूही की फिल्म-२,२
२. अतीन भल्ला, संदली की एक फिल्म-२
३. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली फिल्म-२
४. संजयदत्त, काजोल की 'आवाज दो हमको' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली फिल्म-३
६. अजय देवगन, रवीना की 'कितना हसीन चेहरा' गीत वाली फिल्म-४
९. राजेश खन्ना, शबाना आजमी की फिल्म-४
१०. जैकी श्रॉफ, रति की 'जितना कभी किसी ने' गीत वाली फिल्म-२
११. 'दिलवालों के दिल का' गीत वाली मनोज वाजपेयी, रवीना की फिल्म-२
१३. सनी, बॉबी, उर्मीला की 'कोई नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'तुम आए तो आया' गीत वाली अजय देवगन, पूजा भट्ट की फिल्म-२
१६.'कहाँ से आई रानी' गीतवाली फिल्म-२,२
१७. 'मैं जब बोलूँ हाँ' गीत वाली जीतेंद्र, नीतूसिंह की फिल्म-४
१८. अशोककुमार, सुमिता की 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' गीत वाली फिल्म-४
१९. 'दोस्त दोस्त ना रहा' गीत वाली फिल्म-३
२०. अक्षय, करिश्मा की 'दिल ले गया' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'रजिया सुल्तन' में रजिया सुल्तन की शीर्षक भूमिका किसने की हैं-२
२६. 'तेरा क्या लगता है' गीत वाली फिल्म-२
२७. फिल्म 'काजल' की नायिका कौन थी-३
२८. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 4052

का	ला	प	थ	र		को	ह	रा	
र		ड़ो		क्ष	त्रि	य		जा	ल
वॉ		स	ड़	क		ला	वा		म्हे
	जा	न			ज		दा	दा	
दि	ल		ख	ट्टा	मी	ठा		मि	ली
व्या		खे	ल		र		स	नी	
	प		ना	ना		डॉ	न		डो
प	रि	च	य		सु		म	वा	ली
	वा		क	सू	र			रि	
पा	र	स		र्या		वि	रा	स	त

4053

8	2			6			1	
	6		8	9			7	5
3			1					2
	3		4				6	
6		2		1		4		3
	8				5		2	
2					3			1
5	1			7	6		4	
	9			4			3	6

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

4052

8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5

शब्द पहेली - 4053

बाएँ से दाएँ

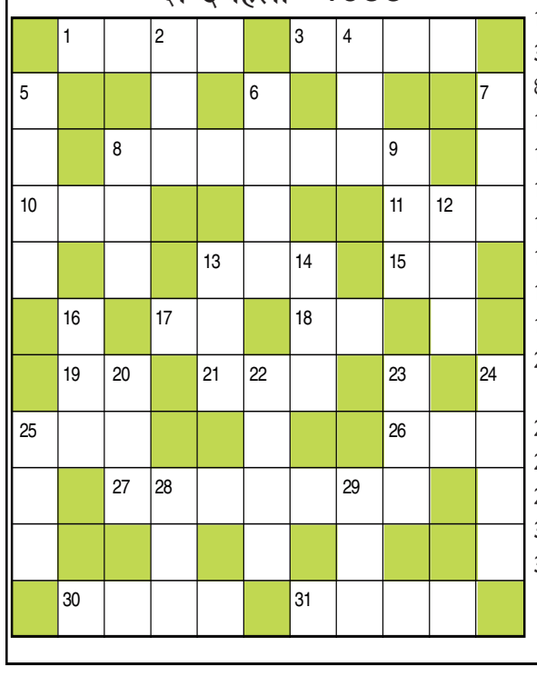

1.नेमत,वर,ईष्टकृपा -4
3.उद्देश्य,ध्येय-4
8.सयाना,चतुर-4,3
10.मनुष्य-3
11.मोल,दाम-3
13.बैठने का स्थान-3
15.दौड़ना (अंग्रेजी-2)
17.पराजित-2
18.वध,कत्ल-2
19.काव्यकार,शायर-2
21.राशिचक्र की दसवीं राशि-3
25.आक्रमण,प्रहार-3
26.पालतू जानवर-3
27.ईश्वर,भगवान-7
30.ईश्वरीय कृपा-4
31.भयभीत होना, डरना-4

ऊपर से नीचे

2.असुर,दैत्य-3
4.गागर,घड़ा-3
5.मन की करना-4
6.प्रार्थना,ईश वंदना-4
7.चरित्र,ईमान-3
8.कार्यविधि-3
9.रेखा,लाईन-3
12.माला का मोती-3
13.राहत,विश्राम-3
14.कैनाल,उपनदी-3
16.नगद राशि-3
20.रुदन -3
22.पक्षियों का शोर-4
23.मध्यांग, कटि-3
24.12 राशियों का समूह-4
25.महल,बड़ा भवन-3
28.सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
29.अदृश्य, जो दिखाई न दे-3

शब्द पहेली -4052 का हल

स	ज	दा	क	र	ना		म	त	वा	ला
ह	रा		त		का	म	ना		दा	वा
न		बे	र	ह	म		ना	रा		रि
शी	ल	वा	न		या	द		नी	र	स
ल		प		ख	ब	र	ची		न	
ता	र	न	हा	र		का	न	भ	र	ना
	म		र	ह	ब	र		यं		प
प्र	ण	य		रा	हु		ब	क	वा	स
ति		दा	स		बे	क	रा	र		न्द
का	न		चि	रा	ग		म		क	हो
र	म	जा	न		म	द	द	क	र	ना

अज्ञात शरारती तत्वों ने दुर्गा मां की प्रतिमा तोड़ी, भक्तों में आक्रोश

एजेंसी

देवरिया। भटनी थाना क्षेत्र के उत्तरी रेलवे कॉलोनी स्थित प्राचीन दुर्गा मंदिर में रात अज्ञात शरारती तत्वों ने दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती, शेर, धनुष, त्रिशूल आदि प्रतिमाओं को तोड़ दिया। इतना ही नहीं दान पेटी तोड़ कर पैसे भी लेकर फरार हो गए। इस घटना को लेकर आस-पास के लोगों में काफी आक्रोश है। इसकी सूचना सोमवार सुबह पुलिस को दी गई। पुलिस ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि शहर के उत्तरी रेलवे कॉलोनी में दुर्गा मंदिर स्थित है। यहां रहने वाले आस-पास के लोग जय मां दुर्गा सेवा समिति बनाकर यहां की व्यवस्थाओं को करते हैं। इस मंदिर की देखरेख और पूजा-पाठ अंकित पाण्डेय का परिवार करता है। सुबह पूजा के लिए मंदिर का शटर खोलने पर क्षत-विक्षत प्रतिमाओं को देख कर पुजारी ने घटना की सूचना आस-पास के लोगों को दी। मौके पर पहुंचे लोगों ने देखा कि मंदिर में स्थापित दुर्गा, लक्ष्मी, सरस्वती, शेर, धनुष, त्रिशूल आदि प्रतिमाओं को तोड़ दिया गया है। अज्ञात शरारती तत्वों ने दान पेटी तोड़ कर पैसा भी लेकर फरार हो गए। शरारतियों ने प्रतिमाओं को पहनाये गए सभी जेवरात भी लेकर चले गए। हालांकि समिति के अनुसार कोई भी जेवरात सोने चांदी के नहीं थे। उपद्रवियों की ओर से किए गए इस घटना से क्षेत्रीयजनों में काफी आक्रोश है। घटना की जानकारी स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन शुरु कर दी है। भटनी थाना के थानेदार जितेन्द्र सिंह ने बताया कि मंदिर में तोड़फोड़ की सूचना मिली है। पुलिस मौके पर पहुंच कर मामले की जांच कर रही है। घटना को अंजाम देने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

जसवां परागपुर से था बिकाऊ विधायकों का चौकीदार, होशियार के भी खोलूंगा चिट्ठे : मुख्यमंत्री

देहरा। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह ने कहा नौ बिकाऊ विधायकों का चौकीदार जसवां परागपुर विधानसभा क्षेत्र का विधायक था। भाजपा हाईकमान के दबाव में उसने बिके विधायकों की एक महीने तक चौकीदारी की और घर भी नहीं आया। बिकाऊ विधायकों को दूसरी क़िस्त पंचकूला के होटल हॉलिडे इन में मिलनी थी इसलिए भाजपा के राज्यसभा उम्मीदवार को वोट डालने के बाद जल्दबाजी में शिमला से भाग गए। मुख्यमंत्री ने ये बातें रविवार को डाडासीबा में लोकसभा उम्मीदवार सतपाल रायजादा के चुनाव प्रचार के लिए आयोजित जनसभा में कहीं। उन्होंने कहा कि इस्तीफा दे चुके देहरा से आजाद विधायक होशियार सिंह का एक-एक चिट्ठा खोलूंगा। उन्हें लोगों के वोट का सौदा नहीं करना चाहिए था। विधायकी से इस्तीफा के साथ ही निर्दलीयों को राजनीति से भी सन्यास ले लेना चाहिए। जिनके सारे काम हो रहे हों वे विधायक 14 महीने में इस्तीफा नहीं देते। बिकाऊ विधायकों का इस्तीफा तो कोर्ट से भी स्वीकार नहीं हुआ, कोर्ट ने कहा कि विधानसभा स्पीकर ने जो पूछा है, उसका जवाब दो।

हाईकोर्ट-जिला न्यायालयों के रिकॉर्ड का शीघ्र होगा डिजिटलीकरण : मुख्य न्यायाधीश

धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमएस रामाचंद्रा राव ने देहरा में ज्यूडिशियल कोर्ट कांफ्लेक्स की आधारशिला रखी। इस अवसर पर बचत भवन देहरा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमएस रामाचंद्रा राव ने कहा कि प्रदेश उच्च न्यायालय लोगों को उनके घर-द्वार के समीप तीव्र एवं किफायती न्याय सुनिश्चित बनाने के लिए समर्पित प्रयास कर रहा है। जनता के लिए न्याय व्यवस्था को अधिक सुगम और सुलभ बनाने के लिए प्रभावी कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि उच्च न्यायालय तथा जिला न्यायालयों में उचित भवन बुनियादी ढांचा विकसित करने के साथ साथ सभी हितधारकों को सेवाओं के वितरण में सुधार के लिए बड़े पैमाने पर आईटी का उपयोग सुनिश्चित किया जा रहा है। राज्य की जिला न्यायपालिका के लिए ई-भुगतान की सुविधा लाइव कर दी गई है, जिससे अदालती शुल्क, जुर्माना, दंड और न्यायिक जमा का ऑनलाइन भुगतान संभव हो गया है, जिसमें से अदालती शुल्क को स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ एकीकृत किया गया है और अन्य भुगतान सीधे हिमकोश के साथ एकीकृत किए गए हैं। . उच्च न्यायालय में अदालती शुल्क के भुगतान के लिए ई-भुगतान व्यवस्था भी शुरू किया गया है। जिला बिलासपुर, किन्नौर, हमीरपुर, शिमला, सोलन और सिरमौर के लिए वर्चुअल कोर्ट सफलतापूर्वक लागू किए गए हैं।

ऑपरेशन स्माइल : गुमशुदा महिला और बालिका सकुशल बरामद

देहरादून। उत्तराखंड पुलिस का ऑपरेशन स्माइल अभियान लोगों के चेहरों पर मुस्कान बिखेर रहा है। इसी के तहत दून पुलिस ने गुमशुदा महिला एवं उसकी तीन वर्षीय पुत्री को सकुशल बरामद कर रविवार को परिजनों को सुपुर्द कर दिया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अजय सिंह के दिए गए निर्देशों के क्रम में दून पुलिस ने गुमशुदा महिला एवं उसकी तीन वर्षीय पुत्री को सकुशल बरामद कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। वादी ने थाना सेलाकुई में 15 अप्रैल को अपनी पत्नी व पुत्री (03 वर्ष) की गुमशुदगी की सूचना दी। इसपर ऑपरेशन स्माइल के तहत गुमशुदा की तलाश के लिए पुलिस टीमों का गठन किया गया। पुलिस टीम कार्यवाही करते हुए रविवार को गुमशुदा वादिनी की पत्नी एवं उनकी तीन वर्षीय पुत्री को सकुशल बरामद किया। परिजनों को बुलाकर उक्त दोनों को परिजनों के सुपुर्द किया गया। गुमशुदा महिला की ओर से बताया गया कि वह पारिवारिक अनबन के कारण अपनी पुत्री को लेकर अपने चाचा के पास लखीमपुर खीरी चली गई थी।

बाराबंकी में बोले सीएम योगी, रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच हो रहा चुनाव

चौथे चरण से मोदी लहर बनी सुनामी, अयोध्या की तरह होगा महादेवा का विकास

एजेंसी

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अजनसभा को संबोधित करने पर बाराबंकी के हैदरगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने कहा कि हैदरगढ़ भारतीय जनता पार्टी के हृदय में बसता है। तीसरे चरण तक पूरे देश के अंदर मोदी लहर थी। अब चौथे चरण से वह सुनामी में बदलने जा रही है। पूरा देश बोल रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। आज का नया भारत देश और दुनिया के अंदर हुए परिवर्तन का साक्षी है। दुनिया भर में भारत का सम्मान बढ़ा है। सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। विकास के कार्य तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। सरकार की तमाम कल्याणकारी योजनाएं नए रिकॉर्ड बनाए हैं। कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के लोग जो बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं, इनके समय की सच्चाई पूरा देश जानता है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव रामभक्तों और रामद्रोहियों के बीच हो रहा है।

पीएम मोदी ने किसी का चेहरा या जाति देखकर योजनाओं का लाभ नहीं दिया - योगी

सीएम योगी ने कहा कि पहले गरीब भूख से मरता था, किसान आत्महत्या करता था, नौजवान पलायन करता था और विकास के

कार्य भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ जाते थे। लेकिन मोदी सरकार में पूरे देश ने परिवर्तन देखा है। आज 80 करोड़ लोगों को सरकार फ्री में राशन की सुविधा दे रही है। आयुष्मान कार्ड से 60 करोड़ लोगों को फ्री इलाज की सुविधा में मुहैया कराई गई है। 50 करोड लोगों के जनधन अकाउंट खोले गए। 12 करोड़ किसानों को किसान सम्मन निधि का लाभ प्राप्त हो चुका है। 12 करोड़ घरों में शौचालय भी बन गए हैं। 10 करोड़ घरों में उज्ज्वला योजना का सिलेंडर भी पहुंच गया है। 4 करोड़ गरीबों के पक्के मकान भी बन चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इन योजनाओं का लाभ किसी का चेहरा या जाति देखकर नहीं दिया। सिर्फ सबका साथ और सब का विकास पात्रता के आधार पर योजनाओं का लाभ देशवासियों को दिया गया है। बिना भेदभाव तमाम योजनाओं का लाभ लोगों को कैसे दिया जाता है इसका उदाहरण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेश करके दिखाया है।

मोदी सरकार में गांव, गरीब, किसान, नौजवान और महिलाओं के लिए हुआ काम - योगी : उन्होंने कहा कि मोदी सरकार में गांव, गरीब, किसान, नौजवान और महिलाओं सभी के लिए काम हुआ है। भारतीय जनता पार्टी जब तीसरी बार केंद्र सरकार में आएगी तो यह सभी योजनाएं जारी रहेंगी। बचे हुए लोगों को भी सभी योजनाओं का लाभ दिया जाएगा। मोदी सरकार अब भारत में 100 फीसदी सैचुरेशन के लक्ष्य की ओर आगे बढ़ेगी। क्योंकि अब भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाना है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व की 10 वर्षों की मोदी सरकार है। तो दूसरी तरफ कांग्रेस और समाजवादी पार्टी का घोटालों का इतिहास है। सपा और कांग्रेस की सरकारों के कारनामे जग जाहिर हैं।

दोनों की सरकारों ने देश में लूट और खसोट करने की कोई भी जगह नहीं छोड़ी। कांग्रेस और सपा ने घोटालों का कीर्तिमान बनाया था। भारतीय जनता पार्टी आज देश को सम्मान और सुरक्षा दिलाने का काम कर रही है। मोदी सरकार में हाईवे, एक्सप्रेसवे, रेलवे, नए शिक्षण संस्थान और मेट्रो समेत तमाम विकास के कार्य हुए हैं।

अजमेर में मदरसे के बच्चों ने ही किया था मौलवी का कत्ल, कारण जानकर खिसक जाएगी पैरों तले जमीन

एजेंसी

अजमेर। अजमेर पुलिस ने कंचन नगर मस्जिद के मौलाना की हुई हत्या की वारदात का सनसनीखेज खुलासा किया है। मौलवी की हत्या किसी और नहीं बल्कि मस्जिद में ही तालीम लेने वाले बच्चों ने की थी। उन्होंने मौलाना के अत्याचारों से तंग आकर पहले उसे नींद की गोली देकर सुला दिया। फिर लाठी डंडों से पीट पीटकर उसे मौत के घाट उतार दिया। बाद में पुलिस के सामने झूठी कहानी गढ़ दी। पुलिस ने पूरे मामले की जांच पड़ताल कर मौलवी की हत्या के इस मामले में मस्जिद में पढ़ रहे 6 बच्चों को निरुद्ध किया है। उनसे इस मामले में और पूछताछ की जा रही है।

10 शर्मनाक राजनीतिक चुम्बन जिनकी हर जगह हुई चर्चा

मामले का खुलासा करते हुए अजमेर एसपी देवेंद्र बिश्नोई ने बताया कि 27 अप्रेल को मोहम्मद तौफीक अशरफ ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि रामगंज थाना इलाके के कंचन नगर स्थित मोहम्मदी मस्जिद के इमाम मौलाना मोहम्मद माहिर की हत्या कर दी गई है। इस मामले में वहीं के बच्चों ने तीन लोगों को हमला कर भागते हुए देखा है। मौलाना की हत्या लाठियों और डंडों से पीट-पीटकर की गई है।

मनोवैज्ञानिक रूप से की गई पूछताछ में सामने आया सच

रिपोर्ट दर्ज होने और मौका मुआयना करने के बाद पुलिस ने केस की जांच पड़ताल शुरू की। बच्चों के बयान के आधार पर अपनी जांच को आगे बढ़ाया। इसके साथ ही आसपास के लोगों से भी पूछताछ की गई। मामले में कई तथ्य और साक्ष्य खंगाले गए लेकिन पुलिस को सफलता नहीं मिली। इसके बाद फिर अलग-अलग थाना अधिकारियों के नेतृत्व में टीमों का गठन कर केस की नए सिरे से जांच शुरू की गई। बच्चों से मनोवैज्ञानिक रूप से पूछताछ करने के साथ ही हर एंगल को खंगाला गया। सीसीटीवी कैमरे के फुटेज देखे गए।

अश्लील फिल्में दिखाकर गलत हरकतें करता था

उसके बाद इस ब्लाइंड मर्डर की जो कहानी सामने आई वह चौंकाने वाली थी। एसपी देवेंद्र बिश्नोई ने बताया कि मौलाना माहिर की हत्या करने वाले कोई और नहीं बल्कि वहीं पढ़ाई करने वाले बच्चे ही थे। उनसे पूछताछ में सामने आया कि मौलाना माहिर उन्हें अश्लील फिल्में दिखाकर गलत हरकतें करता था। एक नए लड़के के साथ उसने अप्राकृतिक कृत्य भी किया। सभी के साथ इस तरह का काम करने का दबाव बनाया गया।

मोदी ने गुरुद्वारा पटना साहिब में टेका मत्था, अरदासियों को परोसा लंगर

एजेंसी

पटना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को कड़ी सुरक्षा के बीच पटना स्थित तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहिब में मत्था टेका। प्रधानमंत्री की तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहिब की यात्रा के मद्देनजर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। तख्त श्री पटना साहिब को तख्त श्री हरिमंदिर जी, पटना साहिब के नाम से भी जाना जाता है, जो सिखों के पांच तख्तों में से एक है। गुरु गोविंद सिंह के जन्मस्थान के रूप में इस तख्त का निर्माण 18वीं शताब्दी में महाराजा रणजीत सिंह द्वारा करवाया गया था। सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह का जन्म 1666 में पटना में हुआ था। उन्होंने आनंदपुर साहिब जाने से पहले अपने प्रारंभिक वर्ष यहीं बिताए थे।

प्रधानमंत्री मोदी ने सिर पर पगड़ी बांधकर श्री हरिमंदिर जी पटना साहिब का दौरा किया। उन्होंने एक दिन पहले पटना में रोड शो किया था। मोदी बिहार में कहीं भी रोड शो करने वाले पहले प्रधानमंत्री हैं। रोड शो के दौरान प्रधानमंत्री के साथ बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, उपमुख्यमंत्री और राज्य भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी और स्थानीय सांसद रविशंकर प्रसाद थे।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने एक पोस्ट में रोड शो के बारे में प्रधानमंत्री ने कहा, ''पटना के मेरे परिवारजनों का बहुत-बहुत आभार। आज के रोड शो में आप सबका अभूतपूर्व जोश और उत्साह असीम ऊर्जा से भर देने वाला है। विशेषकर हमारे युवा साथियों और माताओं-बहनों ने इसमें भागीदारी कर जिस प्रकार भरपूर आशीर्वाद दिया, उससे पता चलता है कि शहर के लोगों का भाजपा-राजग से कितना गहरा जुड़ाव है। इससे 'विकसित पटना' के संकल्प को साकार करने की भावना और प्रबल हुई है।'' उन्होंने आगे कहा, ''मां गंगा के तट पर बसी पाटलिपुत्र की यह धरती प्राचीन काल से लेकर स्वतंत्रता आंदोलन तक के अनेक महत्वपूर्ण कालखंडों की गवाह रही है। राजग सरकार ''विरासत भी, विकास

भी'' के मंत्र के साथ यहां की विरासत को संजोने-संवारने में जुटी है। बिहार विधानसभा के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में बना शताब्दी स्मृति स्तंभ इसका एक जीता-जागता उदाहरण है।''

प्रधानमंत्री ने कहा, ''शहर के लोगों का जीवन और आसान बनाने के लिए हमने सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी बढ़ाने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी है। पटना-हावड़ा वंदे भारत एक्सप्रेस हो या पटना-वाराणसी के बीच ट्रेन, रेलवे जंक्शन पर सुविधाओं का विस्तार हो या हवाई अड्डे पर घरेलू टर्मिनल बिल्डिंग और इनक्यूबेशन सेंटर हो, हमारी सरकार ने बुनियादी संरचना विकास पर काफी ध्यान दिया है।''

संभल में भीषण सड़क हादसा, 3 की मौत

17 घायल, अंतिम संस्कार से आ रहे थे वापस

एजेंसी

संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में भीषण सड़क हादसा हो गया। यहां एक ट्रैक्टर ट्राली की ट्रक से जोरदार भिड़ंत हो गई। इसमें 3 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 17 लोग घायल हो गए हैं। घटना से मौके पर चीख-पुकार मच गई। इसके बाद आस पास के लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। संभल जिले के रजपुरा थाना इलाके में गवां अनूपशहर रोड पर गांव दीपपुर के पास ट्रक एवं ट्रैक्टर ट्राली की भिड़ंत हुई है। घटना से इलाके में हड़कंप मच गया। हादसे में ट्रैक्टर ट्राली में सवार तीन लोगों की मौत हो गई। 17 लोग घायल हुए हैं। जिसमें से 12 गंभीर घायलों को अलीगढ़ एवं संभल रैफर किया गया है। बताया जा रहा है कि ट्रैक्टर ट्राली सवार गंगा घाट पर अंत्येष्टि में शामिल हो कर संभल के लदनपुर गांव लौट रहे थे तब ये हादसा हुआ है।

तीन की मौत, 17 घायल

हादसे की जानकारी लगते ही जिले के एसपी और सीएमओ समेत अधिकारी मौके पर पहुंचे। इसके बाद घायलों के इलाज के निर्देश दिए गए हैं। रजपुरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में घायलों का प्राथमिक इलाज किया

गया। वहीं, डीएम ने तीन मौत और 17 लोगों के घायल होने की पुष्टि की है। पीड़ितों की मदद के लिए अधिकारियों को अलीगढ़ एवं संभल भेजने की बात कही है।

अंत्येष्टि से लौट रहे थे वापस

पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ट्रैक्टर ट्रॉली में सवार सभी लोग अंत्येष्टि यानी किसी के अंतिम संस्कार कार्यक्रम से वापस अपने गांव लौट रहे थे। इस दौरान ट्रॉली में बड़ी संख्या में लोग बैठे हुए है। तभी बीच रास्ते में ट्रैक्टर की ट्रक से जोरदार टक्कर हो गई। जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई है। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

बुजुर्गों की समस्याओं का पता लगायेगी समिति

एजेंसी

हरिद्वार। भारतीय जागरूकता समिति के अध्यक्ष एडवोकेट ललित मिगलानी ने बताया कि समिति की ओर से सीनियर सिटीजन का सर्वे किया जा रहा है, जिससे बुजुर्गों की समस्याओं का पता लगाया जा सके। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति सीनियर सिटीजन की श्रेणी में आते हैं। वे अपनी समस्या के साथ अपनी पूरी जानकारी समिति को उपलब्ध कराएं। सभी जानकारी गुप्त रखी जाएगी। समिति बुजुर्गों की समस्या को सरकार और न्यायालय तक ले जाने का प्रयास करेगी। एडवोकेट मिगलानी ने बताया कि वर्तमान समय में बुजुर्गों को कई समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। इसी के दृष्टिगत समिति ने बुजुर्गों का सर्वे शुरू कराया है। समस्याओं का पता लगाकर समाधान कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि बुजुर्ग समाज और परिवार की धरोहर हैं। सभी को बुजुर्गों का ध्यान रखना चाहिए।

एनडीए सूबे के सभी 40 सीट पर दर्ज करेगी जीत : श्रवण कुमार

एजेंसी

पूर्वी चंपारण। हर एक मजहब के लिए सरकार ने काम किया है। दिल्ली और पटना की सरकार बेमिसाल है। वर्ष 2005 के पहले ग्रामीण इलाको में सरकारी भवनो की खस्ताहाली से लोग समझ जाते थे की यह सरकारी विद्यालय या सरकारी हॉस्पिटल है। सड़को पर तो चलना दूभर था। उक्त बाते सूबे के ग्रामीण विकास विभाग व संसदीय कार्य मंत्री श्रवण कुमार ने एक चुनावी सभा के दौरान कोटवा के अहिरौलिया में कही। उन्होंने कहा कि जब से बिहार में एनडीए सरकार आई सभी क्षेत्रों में विकास दिखने लगा । एनडीए 2024 के लोक सभा चुनाव में बिहार की सभी 40 की 40 सीट जीतेंगी। एनडीए सरकार ने पिछड़ा अति पिछड़ा,दलित,महादलित व अल्पसंख्यको के विकास के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किए है।सरकार ने स्कूलो में मध्यान्ह भोजन,छात्रवृति पोशाक राशि साइकिल सहित अन्य प्रोत्साहन राशि देकर शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक बदलाव किया है।जिसका असर इन विद्यालयों में बच्चो की संख्या में अत्यधिक वृद्धि के रूप में दिख रही है। उन्होंने सरकार की उपलब्धियों को गिनाते हुए कहा की टोला सेवक , तालिमी मरकज , जीविका के समूह बनाकर महिलाओं को रोजगार दिया जा रहा है।10 लाख 47 हजार समूह बनाकर लोगो को रोजगार दिया गया है।

मतदान के दौरान पश्चिम बंगाल से सामने आई हिंसा की घटनाएं, BJP-TMC के बीच झड़प

एजेंसी

कोलकाता। देशभर में चौथे चरण के मतदान के दौरान भी पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। बीरभूम में भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि टीएमसी सदस्यों ने मतदान केंद्र के बाहर उनके स्टाल पर तोड़फोड़ की। हालांकि, टीएमसी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया।

भाजपा के आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए टीएमसी के एक सदस्य ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, ÷हमें नहीं मालूम की भाजपा कैंप ऑफिस कहां है। हम केवल अपना काम कर रहे हैं। उन्हें सीसीटीवी कैमरा चेक करना चाहिए, तभी उन्हें मालूम चलेगा कि यह किसने किया। जिसने भी यह किया, उसे गिरफ्तार करना चाहिए। उन्हें मालूम है कि उन्हें यहां वोट नहीं मिलने वाला। इसलिए वह अपने पक्ष में माहौल बनाने के लिए ऐसा कर रहे हैं। टीएम स्कूल में स्थित मतदान केंद्र से बार बार बाहर निकाला गया।

दुर्गापुर में भी मतदान के दौरान भाजपा और टीएमसी के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। भाजपा विधायक लक्ष्मण घोरुई ने कहा, 'हमारे पोलिंग एजेंटों को दुर्गापुर के बूथ नंबर 22 से अल्पना मुखर्जी, बूथ नंबर 83 से सोमनाथ मंडल और बूथ नंबर 82 से राहुल साहनी को टीएमसी के गुंडों ने मतदान केंद्र से बाहर निकाल दिया।'

पीड़िता का SIT के सामने खुलासा, 'प्रज्वल ने अपने पिता संग मेरी मां से रेप किया

एजेंसी

बेंगलुरु । लोकसभा चुनाव 2024 के बीच कर्नाटक में सामने आए सेक्स स्कैंडल को लेकर लगातार खुलासे हो रहे हैं। जद (एस) के सांसद और लोकसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रहे प्रज्वल रेवन्ना पर एक नहीं कई महिलाओं ने यौन उत्पीड़न करने के आरोप लगाए हैं। इस प्रकरण पर पुलिस उनके पिता एचडी रेवन्ना को गिरफ्तार कर चुकी है। उन पर भी महिलाओं से रेप के आरोप हैं।

प्रज्वल और पुलिस में चल रहे चूहे-बिल्ली के खेल के बीच एक और महिला सामने आई है। महिला ने एसआईटी के समक्ष कई सनसनीखेज खुलासे किए। महिला ने बताया कि प्रज्वल और अपने पिता संग उसकी मां के साथ कई बार रेप किया। बताया- प्रज्वल मेरी मां के फोन से उसे वीडियो कॉल करता था और जान से मारने की धमकी देकर कपड़े उतरवाता था और अश्लील बातें करता था।

कर्नाटक के हाई प्रोफाइल सेक्स स्कैंडल कांड में एक और महिला सामने आई है। पीड़िता ने एसआईटी के सामने निलंबित जद (एस) नेता प्रज्वल रेवन्ना और उनके पिता एचडी रेवन्ना के खिलाफ यौन उत्पीड़न और रेप के सनसनीखेज आरोप लगाए हैं। एक मीडिया मुताबिक, महिला ने आरोप लगाया कि प्रज्वल रेवन्ना ने चार से पांच साल पहले अपने बेंगलुरु आवास पर उसकी मां के साथ बलात्कार किया था। एसआईटी को दिए बयानों में महिला ने डिटेल में गवाही दी है।

वीडियो कॉल कर कपड़े उतरवाता था प्रज्वल

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि 2020 और 2021 के बीच प्रज्वल रेवन्ना उसे वीडियो कॉल करता था। कई बार फोन नहीं उठाने पर मेरी मां से मजबूर करवाता था। मुझे और मां को मारने की धमकी देता था। जब मैं उसका फोन उठाती थी तो मेरे साथ अश्लील बातें करता था और कपड़े उतरवाता था। महिला ने बताया, वह (प्रज्वल) मुझे फोन करता और अपने कपड़े उतारने के लिए कहता था। वह मेरी मां के मोबाइल पर फोन करता था और मुझे वीडियो कॉल का जवाब देने के लिए मजबूर करता था। जब मैंने इनकार कर दिया, तो उसने मुझे और मेरी मां को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी। जब हमें प्रज्वल के खिलाफ शिकायतें का पता लगा तो हमे पुलिस के पास आने की हिम्मत मिली।

प्रज्वल ने अपने पिता संग मेरी मां की इज्जत लूटी

महिला ने आरोप लगाया, एचडी रेवन्ना और प्रज्वल रेवन्ना ने मेरी मां के साथ कई बार बलात्कार और यौन उत्पीड़न किया। प्रज्वल ने मेरा भी यौन शोषण किया। महिला ने कहा, प्रज्वल मेरी मां को धमकी देता था कि अगर उसने बात नहीं मानी तो वह उसके पति की नौकरी छीन लेगा, उसे बेरोजगार कर देगा और यहां तक ??कि उसकी बेटी के साथ बलात्कार भी करेगा।

महिला ने आगे कहा कि लगातार उत्पीड़न से उनके परिवार को काफी परेशान कर दिया। हालत ये हो गई थी उन्हें कई बार अपने फोन नंबर भी बदलने पड़े। महिला ने यह भी आरोप लगाया कि हासन सांसद अपने आवास पर महिला नौकरों का यौन उत्पीड़न करते थे। महिला ने कहा, हां, यह सच है कि रेवन्ना किसी न किसी बहाने महिला नौकरों का यौन उत्पीड़न करता था। अब तक, केवल तीन लोगों ने सामने आकर इन घटनाओं के बारे में सार्वजनिक रूप से बात की है। जबकि, प्रज्वल ने कई महिलाओं के साथ ऐसा किया है।

आदतन अपराधी हैं प्रज्वल और एचडी रेवन्ना

महिला ने यह भी दावा किया कि घटना के दो साल बाद, उन्हें अपनी जमीन बेचने के लिए मजबूर होना पड़ा। महिला ने बताया, वह (मेरी मां) चार से पांच महीनों में केवल एक बार घर आती थीं। उन्हें इतना परेशान किया जाता था कि वह हमें देर रात, लगभग 1 या 2 बजे ही फोन करती थीं। वह हमसे मुश्किल से ही बात करती थीं। मेरी मां ने एक गुलाम की तरह उनके घर काम किया।' उन्होंने प्रज्वल रेवन्ना और एचडी रेवन्ना को 'आदतन अपराधी' भी कहा और अपनी मां और खुद के लिए न्याय मांगा।

मणिशंकर अय्यर पर हिमंत सरमा का पलटवार, पाकिस्तान का बम चलेगा या नहीं, यह किसे पता?

एजेंसी

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने पाकिस्तान के परमाणु बम को लेकर कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि भारत के पड़ोसी के पास लोगों की सैलरी देने के पैसे नहीं हैं। ऐसे में किसी को यकीन ही नहीं होगा कि उसका परमाणु बम काम करेगा या फिर नहीं। सरमा ने कहा, 'मणिशंकर अय्यर ने कहा है कि पाकिस्तान के पार परमाणु बम है। मगर, जिस देश के पास सैलरी देने के पैसे नहीं हैं, पेट्रोल खरीदने के पैसे नहीं हैं और अनाज खरीदने के लिए पैसा नहीं है। ऐसा हो सकता है कि एक समय पाकिस्तान ने एटम बम बनाया हो लेकिन मेंटेन तो नहीं हुआ होगा। उनका बम चलेगा या नहीं, यह किसे पता है।' दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें अय्यर यह कहते नजर आ रहे हैं कि भारत को पाकिस्तान का सम्मान करना चाहिए क्योंकि उसके पास परमाणु हथियार है। कांग्रेस नेता को वीडियो में कहते हुए सुना जा सकता है, 'अगर हमने उन्हें सम्मान नहीं दिया तो वे भारत के खिलाफ परमाणु बम का इस्तेमाल करने के बारे में सोचेंगे।' भारत की बल प्रयोग नीति के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पाकिस्तान के पास भी कहुटा (रावलपिंडी) में ताकत है। उनका इशारा परमाणु बम की ओर था। हालांकि, मणिशंकर अय्यर ने शुक्रवार को कहा कि पाकिस्तान पर उनकी टिप्पणी से संबंधित जिस वीडियो को सोशल मीडिया में प्रसारित किया जा रहा है, वह पुराना है। उन्होंने कहा कि उसे इसलिए खोजकर लाया गया है क्योंकि लोकसभा चुनाव में भाजपा का प्रचार अभियान लड़खड़ा रहा है। वहीं, सरम ने पीओके पर सवाल उठाने के लिए कांग्रेस और उसके सहयोगियों की आलोचना करते हुए कहा, 'हम इस चुनाव में 400 से अधिक सीटें जीतने की बात क्यों कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग को देश में यूसीसी लागू करने, मथुरा में कृष्ण जन्म भूमि पर भव्य मंदिर बनाने और पीओके, जो भारत का हिस्सा है, की वापसी सुनिश्चित करने के लिए 400 से अधिक सीटें जीतनी होंगी।'

राजगढ़ में आर्मी ट्रक का टायर फटा, बेकाबू होकर यात्री बस से टकराया, हादसे में पांच की मौत; कई घायल

एजेंसी

राजगढ़ । मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में सोमवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया। जिसमें दो आर्मी जवानों और तीन अन्य लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा जिले के पीलूखेड़ी में एनएच 46 पर ओसवाल फैक्ट्री के सामने हुआ। जानकारी के अनुसार आर्मी के ट्रक का टायर फटने से वह यात्री बस से टकरा गया। हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई घायल भी बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार यात्रियों से भरी बस भोपाल की ओर जा रही थी। इस दौरान एनएच 46 पर ओसवाल फैक्ट्री के सामने अचानक आर्मी के ट्रक का टायर फटा और वह बस से टकरा गया। हादसे में बस सवार तीन यात्री और 2 आर्मी जवानों की मौके पर ही मौत हो गई।

आसपास के लोगों ने हादसे की सूचना पुलिस और 108 एंबुलेंस को दी। घायलों को बस से निकालकर अस्पताल भेजा गया। हादसे में ओसवाल फैक्ट्री में काम करने वाले एक कर्मचारी की भी मौत हो गई। वह बिहार का रहने वाला बताया जा रहा है।

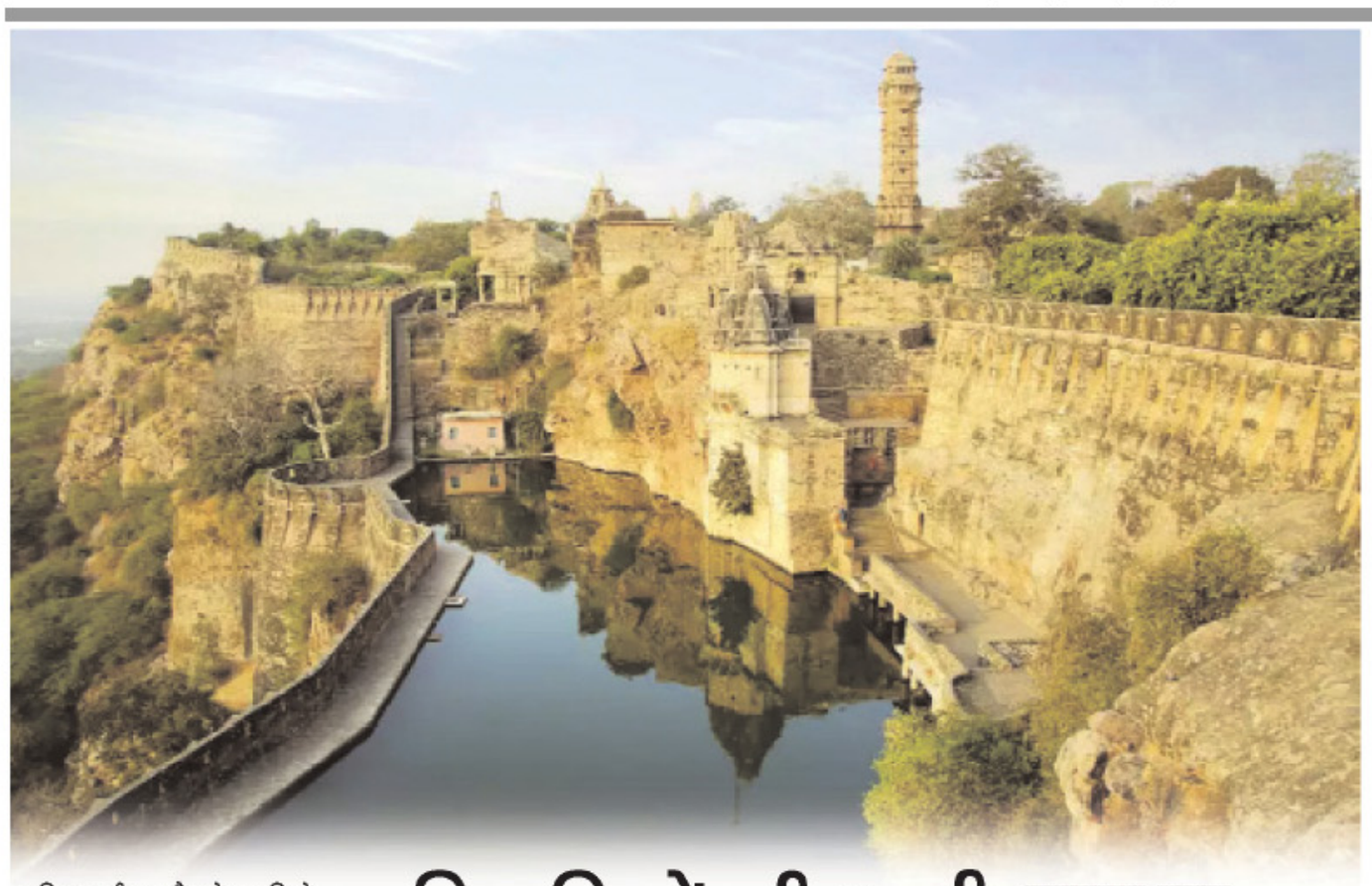

बलिदानियों की धरती चित्तौड़गढ़

बलिदान की उन सैंकड़ों कहानियों का गवाह रहा हूं, जिन पर वर्तमान को मुझपर अभिमान है. कभी लहू देकर मेरा सम्मान किया गया.तो कभी उन जलती चिता को देखकर मैंने आंसू बहाए.जो मेरी बेटी थी.जो मेरा बेटा था.मेरी धरती पर उन बेटों ने जन्म लिया है.उन बेटियों ने जन्म लिया है, जिनपर आज भी मुझे गर्व है.आज मैं अपनी कहानी सुना रहा हूं.मैं चित्तौड़गढ़ हूं.आज मैं अपने इतिहास. वीरतापूर्ण लड़ाइयों.राजपूत शूरता. महिलाओं के अद्वितीय साहस की कई और कहानियां सुना रहा हूं. दुनिया में वीरता, बलिदान, त्याग, साहस के न जाने कितने किरदार आपने देखे होंगे और सुने होंगे.पर मुझे नाज है कि हिंदुस्तान की सरजमीं पर इतने सारे नायकों से भरी धरा कोई नही है.

मेरा इतिहास मेरी जुबानी

चित्तौड़ की इस पावन धरा ने तो अन्याय और अत्याचार के खिलाफ ही लड़ना जाना.हमें क्या पता ये सियासत क्या होती है.हिंदू-मुसलमान के नाम पर हमें मत बांटो.हमने अपने बेटों को कभी धर्म और संप्रदाय की आंखों से नहीं देखा. जब मुगल बाबर ने हमें आंखें दिखाई थी, तो खन्वा के युद्ध में मेरे बेटे राणा सांगा का साथ देने के लिए हसन खान चिश्ती और महमूद लोदी ही तो आए थे.जब अत्याचारी अहमद शाह हमें लूटने पहुंचा, तो हमारी राजमाता कर्णावती ने रक्षा के लिए अपने मुगल भाई हुमायूं को ही तो राखी भेजी थी.जब मेरे प्रतापी बेटे महाराणा प्रताप के खिलाफ सभी सगे संबंधी मुगल अकबर के साथ हो गए, तो प्रताप का सेनापति बनकर पठान योद्धा हाकम खान सूर ने ही युद्ध में बलिदान दिया.मुझे किसी करणी सेना के नाम पर किसी जाति में मत बांधो.जब खुद के एक मेरे नालायक बेटे बनबीर ने मेरे ऊपर अत्याचार किए, तो मेरे वारिस उदय सिंह को बचाने के लिए गुर्जर जाति की पन्नाधाय ने अपने बेटे चंदन का बलिदान कर मेरे वारिस को बचाया था. जब महराणा प्रताप की मदद किसी ने नहीं की, तो एक वैश्य ने सबकुछ बेचकर मेरी 12,000 सेनाओं का खर्च उठाया. जब राजपूत राजा हमारे लिए लड़ रहे प्रताप के खिलाफ अकबर से जा मिले, तो प्रताप की सेना में लड़ने के लिए घूमंतु आदिवासी गड़रिया लुहार ही साथ आए थे.जब अकबर ने हमला किया तो किसी रानी ने नहीं बल्कि फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे गोद में चित्तौड़ की सभी महिलाओं ने आखिरी जौहर किया था.

पांचवी सदी में मौर्यवंश के शासक चितरांगन मौरी ने जब 7 मील यानी 13 किमी की लंबाई, 180 मी.ऊंचाई और 692 एकड़ में फैले इस पहाड़ी पर मुझे बसाया था.तब किसी को कहां पता था कि दुनिया का सबसे बुजुर्ग गढ़ मैं, यानी चित्तौड़गढ़, हिंदुस्तान की माटी का तिलक बन जाउंगा.मोरी वंश के अंतिम शासक मान सिंह मोरी के बाद मेरे पास 728 ईसवीं में गोहिल वंश के शासक आए.गोहिलों के शासन के बाद रावल वंश का शासन चला.कहते हैं गोहिलों ने दहेज में राजकुमारी को ये किला भेंट किया.रानी, राजकुमारी से रावल वंश के वंशज बप्पा रावल की शादी हुई थी. सातवीं से 13वीं सदी तक मेरे वैभव का काल था.जब हमारी सुचिता, वैभव और पराक्रम की कहानियां दूर-दूर तक कही जाने लगी.लेकिन चौदहवीं सदी से लेकर 16 वीं सदी तक हमने सबसे बुरा दौर देखा.जाने किसकी नजर हमारे चित्तौड़गढ़ पर लग गई और रावल वंश के शासक रतन सिंह के शासन के दौरान 1303 में अलाउद्दीन खिलजी ने मेरे उपर हमला कर दिया.हिंदुस्तान के सबसे सुरक्षित माना जाने वाला अभेद्य दुर्ग सबसे कमजोर भी हो सकता है ये खिलजी की युद्धनीति ने पहली बार सामने ला दिया.फिर यहीं से हम हमेशा के लिए कमजोर बनते चले गए.सात दरवाजों से घिरे मेरे अंदर सात विशाल दुर्ग दरवाजे हैं, जिसे कोई पार नही कर सकता.लेकिन 1303 में खिलजी ने जाड़े में चारो तरफ से मुझे घेरकर मैदान में डेरा डाल दिया.वो मेरे अंदर नहीं आ सकता था.लेकिन दुर्ग के अंदर हमारे राशन-पानी को बंद कर दिया.सात महीने में हम बेबस होकर युद्ध के लिए मैदान में आए और हमारे रावल रतन सिंह और उनके दो बहादुर सेनापति गोरा-बादल शहीद हुए.

हमारी रुपवती रानी पद्मिनी को 16000 रानियों के साथ जौहर करना पड़ा.ये पहली बार था, जब हमारी वीरता और साहस-बलिदान की अमर कहानी दुनिया ने देखी.कहते हैं अलाउद्दीन लंपट स्वभाव का था और पद्मिनी को पाने के लिए युद्ध किया था.लेकिन हिंदुस्तान की सबसे ताकतवर सेना के होते हुए भी वो हमारी महरानी को नही पा सका.रावलों के शासन का यहीं अंत हुआ.13 साल तक अलाउद्दीन खिलजी और उसके बेटे खेजर ने मेरे ऊपर राज किया.इस दौरान पूरे महल को तोड़ दिया गया और 1000 हजार से भी ज्यादा मंदिर भी तोड़ दिए.ये हमारे ऊपर हुए अत्याचार की इंतहा थी.लेकिन हमने उम्मीद नहीं छोड़ी थी.उसके बाद गोहिल वंश के ही भाई राणा वंश के सिसोदियाओं ने हमारे ऊपर राज किया.1325 में राणा हमीर ने इसे अपना किला बनाया और राणा वंश यानी सिसोदिया वंश का शासन चलना शुरु हुआ.और आखिरी तक मेरे ऊपर सिसोदिया वंश का ही शासन रहा. मेरे उपर सबसे ज्यादा सिसोदिया वंश ने ही राज्य किया.और इस वंश में कई प्रतापी राजा हुए.राजा रतन सिंह से लेकर महराणा प्रताप ने चित्तौड़गढ़ पर शासन किया.महाराणा सांगा.महाराणा कुंभा भी चित्तौड़गढ़ के महान राजाओं में से एक हुए.इन राजाओं ने चित्तौड़गढ़ को एक अलग पहचान दिलवाई.मैं यानी चित्तौड़गढ़ किला अभेद्य था.पहाड़ी के किनारे-किनारे खड़े चट्टानों की पंक्ति थी.साथ ही साथ दुर्ग में अंदर जाने के लिए लगातार सात दरवाजे बनाए गये थे. लिहाजा, दुश्मनों के लिए किले के अंदर जाना नामुमकिन था.लेकिन, विशाल मैदान के बीच में पहाड़ी पर ये किला बना था.जिसकी वजह से दुश्मन विशाल मैदान में डेरा डाल देते थे.और किले के अंदर खाने की सप्लाई रोक देते थे. नतीजा किले के दरवाजों को खोलने के लिए राजाओं को विवश होना पड़ता था. और शत्रुओं की विशाल सेना होने की वजह से उन्हें हार का मुंह देखना पड़ता था.

रानी कर्णावती

रामी पद्मावती की कहानी तो आपने सुनी लेकिन राणा सांगा की पत्नी कर्णावती का भी बलिदान भी हमारे गर्भ में छिपा है.जब गुजरात के शासक अहमद शाह ने 1535 ईवी में चित्तौड़ पर हमला किया, तब बाबर के साथ खानवा के युद्ध में घायल राणा सांगा की मौत हो चुकी थी.राणा सांगा के पुत्र विक्रमादित्य के व्यवहार से परेशान किसी राजा ने हमारी मदद नहीं की.तो कर्णावती ने हूमायूं को राखी भेजते हुए लूटेरे अहमद शाह के खिलाफ मदद मांगी.हूमायू को कर्णावती का संदेशा देर से मिला और मदद करने वो नही आ पाया.दो साल की लड़ाई के बाद अहमद शाह की जीत हुई तो 1537 ईवी में हजारों रानियों के साथ एक बार फिर कर्णावती ने मेरे अंदर दुर्ग में जौहर किया.

रानी मीरा

राणा सांगा के बेटे भोजराज के साथ मेड़ता की राजकुमारी की शादी हुई. लेकिन मीरा का मन कभी रानीवासा में नही लगा.वो तो गोपाल नंदलाल यानी कृष्ण के मंदिर में ही बैठी रहती है.राणा कुंभा ने बाद में मीरा का मंदिर ही बना दिया जो आज भी चित्तौड़गढ़ में मौजूद है.

पन्ना धाय

राणा विक्रम सिंह की हत्या कर उनके चाचा का लड़का बनवीर चित्तौड़ की गद्दी पर बैठना चाहता था.तब चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह पालना में थे.रानी कर्णावती की दाई पन्नाधाय उनकी देखभाल करती थी.जब पन्नाधाय को पता चला कि बनवीर तलवार लेकर उदय सिंह को मारने आ रहा है, तो पन्नाधाय ने चित्तौड़ के वारिस उदय सिंह को कुंभलगढ़ रवाना कर अपने बेटे चंदन को उदय सिंह के सामने सुला दिया और बनवीर ने मां पन्नाधाय के सामने ही उनके पुत्र चंदन को अपनी तलवार से दो टुकड़े कर दिए.

महाराणा प्रताप

जब अकबर ने एकबार फिर 1567 ईवीं में मेरे ऊपर हमला किया, तो उड़ई सिंह मेरे ऊपर राज करते थे.अकबर ने पूरी तरह से किले को बर्बाद कर दिया.एक बार फिर फूलकंवर के नेतृत्व में मेरे अंदर जौहर हुआ.तब हमारे राजा उदय सिंह ने 1568 में अकबर के संधि के अनुसार मुझे छोड़कर उदयपुर को अपनी राजधानी बना लिया.तब तय हुआ कि चित्तौड़ यानी मैं हमेशा के लिए वीरान रहूंगा और यहां कोई निर्माण नहीं होगा. दरअसल दिल्ली के सुल्तानों और मुगलों को हमेशा डर सताता था कि अगर चित्तौड़ आजाद और आबाद रहा, तो कभी दक्षिण नही जीत पाएंगे.मुगलों के साथ बारुद भारत में युद्ध में प्रयोग होने लगा तब तो हम बिल्कुल असुरक्षित हो गए थे. मगर मेरी गोद वीर पुत्रों से खाली नहीं थी.16 साल तक मेरी गोद में खेले महराणा प्रताप को सरदारों ने चित्तौड़ का शासक घोषित कर दिया.मैंनें आखिरी हमला दिल्ली की गद्दी पर बैठे अकबर का देखा और फिर हमेशा-हमेशा के लिए इतिहास बन गया.उदय सिंह की हार हुई और मुगल की संधि के अनुसार इस किले को सिसोदिया वंश को छोड़ना पड़ा.उदय सिंह ने अपनी राजधानी उदयपुर बना ली.मगर उनके जेठ पुत्र महाराणा प्रताप इसे भुला नहीं पाए.वो इसी किले की तलहटी से अकबर से दो-दो युद्ध लड़े.और आखिरी बार हल्दीघाटी की लड़ाई हुई.

ये युद्ध हिंदुस्तान के सबसे मजबूत शासक और मुट्ठी भर लड़ाकों के साहस की लड़ाई थी.जिसे दुनिया प्रताप की वीरता के लिए याद रखती है.प्रताप और उनके हथियार बनाने वाले गड़रिया लुहारों ने ये प्रतीज्ञा ली थी कि जबतक मुझे नहीं पा लेगें वो किले में प्रवेश नहीं करेंगे.भारत आजाद हुआ तो खुद देश के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु ने गड़रिया लुहारों को लेकर 1955 में मेरे अंदर यानी किले में प्रवेश किया.1905 में अंग्रेजों के समय से अबतक हम दिल्ली की सरकार के अधीन रहे.मगर तब से हमारी सार संभाल ही हो रही है. न जाने कितने कवि, लेखक और इतिहासकारों ने विभिन्न कालखंडो में मेरे बारे में और मुझ पर राज करनेवालों के बारे में क्या-क्या लिखा.मगर 2017 में इसे फिर से लिखा जा रहा है.इस बार कोई हमलावर चित्तौड़ नहीं आया है और न ही मेरे बहादुर चित्तौड़ के सैनिक इस लड़ाई को लड़ रहे हैं.मुझे इस लड़ाई से क्या हासिल होगा मुझे पता नहीं है.मैंने दुनिया के खुंखार से खुंखार आक्रांताओं और हमलावरों की खून की होली देखी है.मैं सब जानता हूं.मुझे मेरी हिफाजत करनी आती है.मैं बूढ़ा नहीं हुआ हूं.मैं चित्तौड़ हूं.

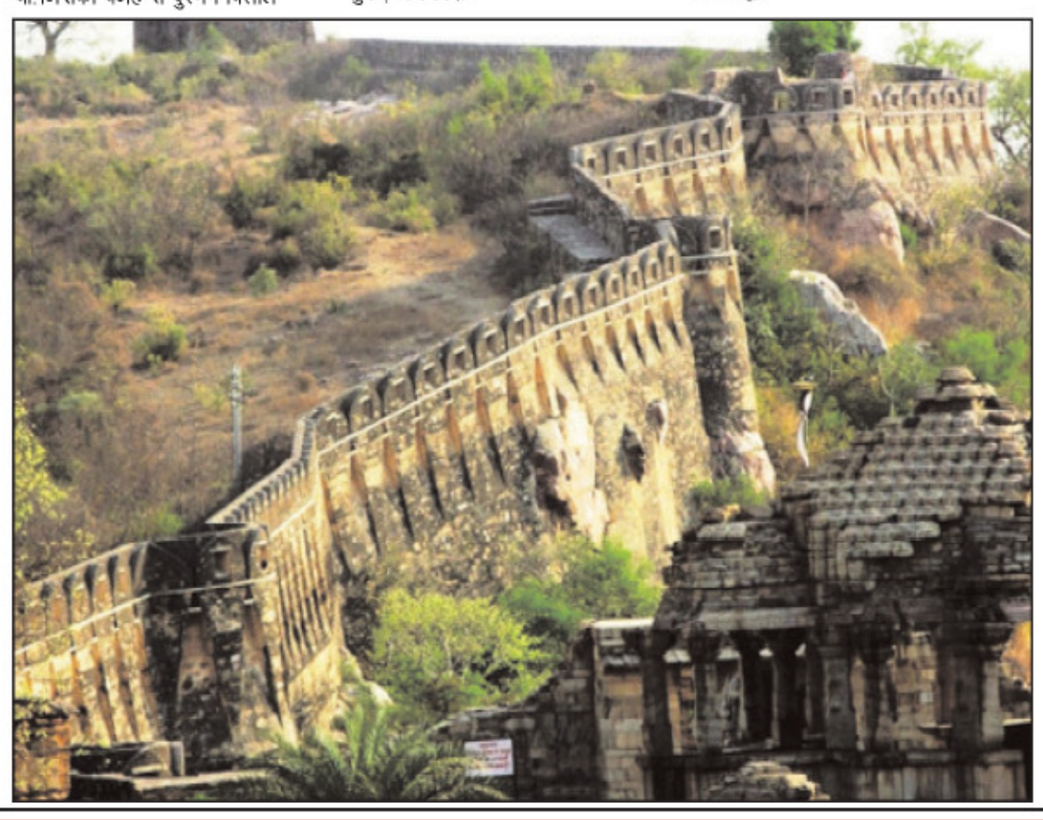

निर्दयी राजा

माधो जंगल में लकड़ियां बीन रहा था। अचानक अपने गांव से आग की लपटें उठती देखकर वह घबरा उठा। पड़ोसी राजा को अपने किले में काम कराने के लिए गुलामों की आवश्यकता थी। उस समय उसके सैनिक ही गांव वालों को गुलाम बनाकर ले जा रहे थे। माधो जान बचाने के लिए घने जंगल में भाग गया। दिन बीतने पर माधो गांव लौटा, लेकिन वहां कोई नहीं था। उसके माता-पिता को भी निर्दयी सैनिक पकड़कर ले गए थे। माधो क्रोध से उबल पड़ा। वह राजा के किले की ओर चल दिया। वह किसी तरह गांव वालों को छुड़ाना चाहता था। किसी तरह छिपता हुआ माधो किले के अंदर पहुंचगया। गांव वालों के साथ उसके माता-पिता तपती धूप में राजा के खेतों में काम कर रहे थे। पानी मांगने पर सिपाही उन पर कोड़े बरसाते थे। तभी पास खड़ी एक गरीब बुढ़िया ने माधो से पूछा, तुम्हें क्या कष्ट है बेटा? मैं राजा की मालिन हूं।

माधो ने उसे सारी बात बताई। मालिन भी राजा की क्रूरता से बहुत दुखी थी। वह माधो को अपने घर ले गई। उसे माला गूथना सिखा दिया। फिर एक दिन उसे राजा से भी मिलवाया। राजा माधो की बनाई माला देखकर बहुत प्रसन्न हुआ। वह माधो को महल दिखाने लगा। माधो ने पूछा, महाराज, कोई शत्रु आपके महल में घुस आए तो?

राजा उसे दीवार में लगी एक मुठिया दिखाकर बोला, अगर ऐसा हुआ, तो हम यह मुठिया घुमा देंगे। किले के सारे पानी में बेहोशी की दवा घुल जाएगी। पानी पीने वाले बेहोश हो जाएंगे। थके-मांदे शत्रु के सैनिक आते ही पानी तो पिएंगे ही। फिर राजा ने माधो को एक बड़ी सी चाबी दिखाई और बोला, यह चाबी देखो, इससे हम किले का दरवाजा बंद कर देंगे। होश में आने पर फिर कोई बाहर नहीं निकल सकता।

मालिन ने माधो को नागगंध की एक माला बनाकर दी। उसे पहनते ही राजा और रानी गहरी नींद में सो गए। माधो ने जल्दी ही वह मुठिया घुमा दी। फिर राजा की जेब से किले की चाबी निकालकर महल से बाहर आ गया। पानी पीते ही राजा के सैनिक बेहोश होकर गिरने लगे। गांव वाले पानी पीने दौड़े, तो माधो ने उन्हें पानी नहीं पीने दिया और फौरन किले से बाहर निकल जाने के लिए कहा। सब बाहर आ गए, तो माधो ने चाबी से फाटक को बंद कर दिया।

निर्दयी राजा अपने सिपाहियों के साथ अपने ही किले में बंद हो गया। गांव वाले उसके अत्याचार से मुक्त हो गए थे।

इस किले के परिसर में है 65 से अधिक ऐतिहासिक महल, मंदिर व जलाशय

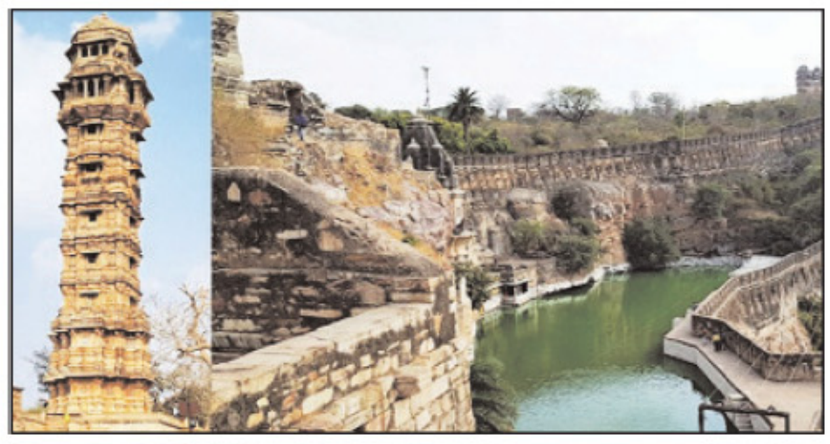

चित्तौड़गढ़ किला जिसे चितोर दुर्ग के नाम से भी जाना जाता है भारत के प्राचीनतम किलो में से एक है.यह किला भारत ही नही अपितु विश्व भर में प्रसिद्ध है.वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शुमार इस किलो देखने हर साल हजारो विदेशी सैलानी भारत आते है.

- चित्तौड़गढ़ किला जिसे मेवाड़ की राजधानी के नाम से भी जाना जाता है.उदाहरण के तोर पर यह किला प्राचीन समय में 834 सालो तक मेवाड़ की राजधानी रह चूका था.इसकी स्थापना 734 इक में मेवाड़ के सिसोदिया वंश के शासक बाप्पा रावल ने की थी.
- चित्तौड़गढ़ किला भारत का सबसे बड़ा किला माना जाता है.इसकी लम्बाई 3 किलोमीटर, त्रिज्या 13 किलोमीटर और यह किला लगभग 700 एकड़ जमीन पर फैला हुआ है.
- प्राचीन इतिहास के अनुसार ऐसा माना जाता है कि चितौड़गढ़ किले को सातवीं सदी में मौर्यों सासको द्वारा बनवाया गया था और इस किले का नाम मौर्य शासक चित्रांगदा मोरी के नाम पर रखा गया था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले के परिसर में लगभग 65 ऐतिहासिक निर्मित संरचनाएं जैसे मंदिर, महल, जलाशय, स्मारक इत्यादि बनाएं गए थे.
- चित्तौड़गढ़ किले में कुल साथ द्वार बनाएं गए थे जो प्राचीन समय में रात्रि के समय बंद कर दिए जाते थे.इन द्वारा पर लगे विशाल किवाड़ (दरवाजे) आज भी इस किले की मजबूती की गवाई देते है.
- प्राचीन समय में इन दरवाजो का नाम मुख्यता प्रथम पड़नपोल,दूसरा भैरव पोल, तीसरा हनुमान पोल, चतुर्थ गणेश पोल, पंचम जोरला पोल, छटा लक्ष्मण पोल व सातवे दरवाजे को राम पोल के नाम से जाना जाता था.
- इन दरवाजो के संदर्व में कहाँ जाता है की प्राचीन समय में प्रत्येक दरवाजे पर द्वारपाल व पहरेदार 24 घंटे दरवाजो की निगरानी करते थे.प्रत्येक दरवाजे पर बड़े बड़े घंटे टाँगे गए थे जिन्हे बजा कर दरवाजो को खोला और बंद किया जाता था.
- इस किले में कई मंदिर स्थापित हैं जैसे कलिका मंदिर, जैन मंदिर, गणेश मंदिर, सम्मिदेश्वरा मंदिर, नीलकंठ महादेव मंदिर और कुभश्याम मंदिर आदि
- इस किले के परिसर में बनाया गया पद्मिनी महल एक छोटे सरोवर के निकट स्थित बहुत ही खूबसूरत महल है.इस महल के अंदर सीसे कि नकाशी कि गई है जो दिखने में बेहद खूबसूरत लगती है.
- आपको जानकर हैरानी होगी चित्तौड़गढ़ किले में आज भी 22 जलनिकाय मौजूद है.इन जल निकायों में पानी का श्रोत्र प्राकृतिक भूमिगत जल और वर्षा से प्राप्त जल के द्वारा होता है.
- चित्तौड़गढ़ किले में बनाया गया भीमला जल भंडार भारत के प्राचीन इतिहास को समेटे हुए है. ऐसा माना जाता है पांडवो में भीम ने जमीन पर अपने हाथ के वार से पानी निकाल दिया था और भूमि के जिस हिस्से से पानी निकला उसे भीमला के नाम से जाना जाता है.
- चित्तौड़गढ़ किले के खम्भो पर की गई खूबसूरत चित्रकारी प्राचीन कलाकारी का उत्कृट नमूना है. ऐसा कहा जाता है इस चित्रकारी को बनाने में 10 वर्षो का समय लगा था.
- आपको जानकर हैरानी होगी इस किले में आज भी लोग निवास करते है.उदाहरण के तोर पर चित्तौड़गढ़ किले में लगभग 20000 लोग रहते है.
- यह किला राजस्थान के शासक राजपूतों, उनके साहस, बड़प्पन, शौर्य और त्याग का प्रतीक है
- राजस्थान में मनाया जाने वाला जोहर मेला इसी किले में मनाया जाता है.
- चित्तौड़गढ़ का किला अपनी स्थापत्य कला, निर्माण शैली व पर्यटक स्थलों जैसे महल, जलाशय, स्तंभ, इत्यादि के लिए विश्व भर में प्रसिद्ध है.हर साल देश-विदेश सैलानी इस किले को देखने राजस्थान आते है.
- राजस्थान के पर्यटन विभाग द्वारा चित्तौड़गढ़ किले में बेहद खूबसूरत लाइटिंग की गई है जो रात के समय इस किले की खूबसूरती में चार चाँद लगा देती है.
- चित्तौड़गढ़ किले को यूनेस्को द्वारा साल 2013 में वर्ल्ड हेरिटेज साइट में शामिल किया गया था.

अमन पेरिस खेलों के लिए कोटा जीतने वाले एकमात्र पुरुष भारतीय पहलवान; जयदीप, सुजीत क्वालीफायर से बाहर

एजेंसी

इस्तांबुल। सुजीत कलकल और जयदीप अहलावत ने रविवार को विश्व क्वालीफायर में अपने-अपने प्रतिद्वंद्वियों का अच्छा विरोध किया, लेकिन पेरिस ओलंपिक खेलों के लिए भारत की झोली में और कोटा नहीं जोड़ सके, जहां देश में केवल एक पुरुष पहलवान अपनी चुनौती पेश करेगा।अपने महत्वपूर्ण 65 किग्रा कांस्य पदक मुकाबले में, सुजीत ने कौशल के मामले में यूएसए के ज़ैन एलन रदरफोर्ड की बराबरी की, लेकिन काउंटर अटैक पर टेकडाउन के कारण मानदंड पर 2-2 से हार गए।यह सुजीत ही थे जो जबरदस्त जवाबी हमले के साथ सबसे पहले बोर्ड पर चढ़े। टेकडाउन पर वह अंक गंवाने ही वाला था, लेकिन उसने अपने त्वरित जवाबी प्रदर्शन से अमेरिकी को आश्चर्यचकित कर दिया और काफी समय तक मुकाबले में बढ़त बनाए रखी।एक और टेक-डाउन की तलाश में, वह रदरफोर्ड के पीछे चला गया, लेकिन अब अमेरिकी की बारी थी कि वह जवाबी कदम उठाए क्योंकि उसे सर्कल के अंत के पास टेक-डाउन मिल गया था।रदरफोर्ड ने विजेता बनने के लिए स्कोरलाइन बनाए रखी।सुजीत की हार का मतलब यह भी है कि डोप टेस्ट के लिए नमूना देने से इनकार करने के कारण निलंबित किए गए बजरंग पुनिया की अगर पेरिस जाने की कोई उम्मीद थी, तो वह टूट गई है।

मियामी एफ1 ट्रैक पर मिका हक्किनन के साथ हॉट लैप के दौरान युवराज सिंह

मुंबई। भारत के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह पिछले ग्रांड प्रिक्स सप्ताहांत के दौरान मियामी एफ1 सर्किट की गर्म हवा के बाद मिचली और स्तब्ध हो गए थे।2011 विश्व कप विजेता स्टार को दो बार के फॉर्मूला वन चैंपियन ड्राइवर मिका हक्किनेन ने ट्रैक पर घुमाया।युवी ने लैप से पहले मिका को आसानी से आगे बढ़ने के लिए कहा और फिर फिनिश दिग्गज द्वारा प्रदान की गई गति और रोमांच से दंग रह गए।मैं इस तरह गाड़ी नहीं चला सकता, युवी ने मुस्कुराते हुए हक्किनेन से कहा, जिसके बाद वह भारतीय से उसकी स्थिति के बारे में पूछता है।भयभीत युवराज ने हंसते हुए जवाब दिया, मुझे लग रहा है कि मेरी कॉफी बाहर आ रही है। लैप के अंत में युवी स्पोर्ट्स कार से काफी प्रभावित दिखे। युवी ने हक्किनेन से हाथ मिलाने से पहले कहा, अब मुझे लगता है कि मैं वापस जाऊंगा और यह कार खरीदूंगा।मियामी स्न1 सप्ताहांत में युवराज की उपस्थिति ढ्ढष्टष्ट ञ्च20 विश्व कप 2024 के राजदूत के रूप में थी। उन्होंने सप्ताहांत समारोह के हिस्से के रूप में दौड़ से पहले ट्रैक पर T20 WC ट्रॉफी को गर्व से प्रदर्शित किया।युवी अतीत में स्न1 रेस में नियमित रहे हैं। उन्होंने पिछले साल करीना कपूर खान के साथ प्यूमा के ब्रांड एंबेसडर के रूप में मोनाको ग्रांड प्रिक्स में भाग लिया था।

ईशांत शर्मा ने विराट कोहली को आउट करने के बाद जोरदार विदाई दी

मुंबई। आईपीएल 2024 के 61वें मैच के दौरान दिल्ली कैपिटल्स के तेज गेंदबाज ईशांत शर्मा और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बल्लेबाज विराट कोहली के बीच तीखी झड़प हो गई।डीसी द्वारा टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला करने के बाद आरसीबी की पारी के चौथे ओवर में दिल्ली के अनुभवी क्रिकेटर बल्ले और गेंद के बीच देखने-देखने की लड़ाई में शामिल थे।ईशान के दूसरे ओवर की शुरुआत कोहली ने चौका और छक्का जड़कर की जिसके बाद तेज गेंदबाज और बल्लेबाज के बीच कुछ बातें हुईं।लेकिन ईशांत को आखिरी हंसी आई, क्योंकि दो गेंद बाद कोहली ने 26 रन पर विकेटकीपर के पास एक वाइड गेंद फेंकी। ईशांत अपने अच्छे दोस्त को खबर देने से पहले खुशी से उछल पड़े।35 वर्षीय खिलाड़ी कोहली के सामने रुके और उन्हें पीछे से टक्कर देने के लिए नीचे झुके। कोहली ने एक शब्द भी नहीं कहा और इस सीज़न में एक दुर्लभ विफलता के बाद ड्रेसिंग रूम में वापस चले गए।गौरतलब है कि इशांत और कोहली दोनों बचपन के दोस्त हैं और दिल्ली में एक साथ क्रिकेट खेलते हुए बड़े हुए हैं। ईशांत भारतीय टीम में कोहली के सीनियर थे, उन्होंने एक साल पहले 2007 में डेब्यू किया था।कोहली के विकेट से आरसीबी का स्कोर 3.4 ओवर में 2 विकेट पर 36 रन हो गया। यह मैच दोनों पक्षों के लिए जीतना जरूरी है क्योंकि आरसीबी या डीसी में से किसी एक की हार उन्हें प्लेऑफ की दौड़ से बाहर कर देगी।

गुंडप्पा विश्वनाथ के बेटे की शादी के रिसेप्शन में सुनील गावस्कर ने जमकर किया डांस

मुंबई। भारतीय क्रिकेट के दिग्गज गुंडप्पा विश्वनाथ के बेटे दैविक की हाल ही में ग्रीस में शादी हुई और परिवार ने अपने गृहनगर बेंगलुरु में एक भव्य शादी का रिसेप्शन आयोजित किया।विश्वनाथ के बहनोई सुनील गावस्कर भी समारोह का हिस्सा थे और नवविवाहित जोड़े और उनके परिवारों के साथ जमकर नाचते नजर आए।विश्वनाथ भी अपनी पत्नी, बेटे और बहू के साथ थिरकते नजर आए.जो लोग यह बात पहले से नहीं जानते उनके लिए बता दें कि सुनील गावस्कर की बहन कविता की शादी गुंडप्पा विश्वनाथ से हुई है। यह जोड़ा मार्च, 1978 में शादी के बंधन में बंध गया।विश्वनाथ भारतीय क्रिकेट टीम में गावस्कर के सीनियर थे, भले ही गावस्कर केवल एक वर्ष छोटे हैं।विशी के नाम से मशहूर विश्वनाथ ने 1969 से 1983 तक भारत के लिए 91 टेस्ट और 25 एकदिवसीय मैच खेले।

हंडरस्टॉर्म टाइटंस ने फर्स्ट क्यू स्पोर्ट्स प्रीमियर लीग चैंपियन का खिताब जीता

एजेंसी

बेंगलुरु। थंडरस्टॉर्म टाइटन्स ने बॉरिंग इंस्टीट्यूट, बेंगलुरु द्वारा आयोजित क्यू स्पोर्ट्स प्रीमियर लीग 2024 का पहला संस्करण जीता। आर संतोष के नेतृत्व में थंडरस्टॉर्म टाइटंस ने सौरव कोठारी के नेतृत्व वाले समर टस्कर्स के खिलाफ 7 में से 4-1 गेम जीते। एम्बेसी ग्रुप के निदेशक राजेश बजाज और बिलियर्ड्स-बॉरिंग इंस्टीट्यूट के अध्यक्ष राघवेंद्र वाईआर ने शीर्ष अभिनेत्री रागिनी द्विवेदी और बॉरिंग के सचिव श्री एचएस श्रीकांत और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में विजेताओं को ट्रॉफी सौंपी। स्नूकर सिंगल्स के फाइनल के पहले मैच में थंडरस्टॉर्म टाइटंस के

मनन चंद्रा ने समर टस्कर्स के सौरव कोठारी को हराकर फाइनल में शुरुआती बढ़त बना ली। फाइनल का दूसरा, तीसरा और चौथा मैच स्नूकर डबल्स था जिसमें टाइटंस ने पहले और दूसरे डबल्स में टस्कर्स को हराया, जबकि टस्कर्स ने तीसरा डबल्स जीता5वें फ्रेम में टाइटन्स के कप्तान आर संतोष ने डी राजकुमार को काली गेंद पर हराकर चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। 13 बार के राष्ट्रीय चैंपियन, मनन चंद्रा ने फाइनल में सभी का ध्यान आकर्षित किया क्योंकि उन्होंने लंबे समय तक चले करीबी मुकाबले में जबरदस्त एकाग्रता और दृढ़ता दिखाते हुए अंततः टाइटंस की जीत पक्की कर दी। मनन चंद्रा को टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। लीग के उभरते खिलाड़ी दैविक बंसी थे, लीग का सर्वोच्च ब्रेक ब्रिजेश दमानी था, लीग की सर्वश्रेष्ठ जोड़ी श्री हरि और कुशल थी।

पीसीबी प्रमुख ने डबलिन में क्रिकेट टीम से कहा, आखिरी गेंद तक लड़ें

एजेंसी

डबलिन। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने आयरलैंड के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज के दूसरे मैच से पहले राष्ट्रीय टीम को 'आखिरी गेंद तक लड़ने' के लिए कहा।- जब वह आयरिश राजधानी डबलिन में पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के खिलाड़ियों से मिले, तो पीसीबी ने उन्हें यह कहते हुए उद्धृत किया: आखिरी गेंद तक लड़ो; प्रतिस्पर्धा स्पष्ट होनी चाहिए। आयरलैंड ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी पहली टी20 जीत दर्ज की, जो पहले बल्लेबाजी करने के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद 182-5 के मजबूत स्कोर का बचाव नहीं कर सका, जिससे बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम की विश्व कप की तैयारियों को करारा झटका लगा। अगले महीने संयुक्त राज्य अमेरिका में जगह।

आयरलैंड से हार, जो टी20 विश्व कप में पाकिस्तान के ग्रुप में है, घरेलू सरजमीं पर श्रृंखला ड्रा होने के बाद आई, जिसमें न्यूजीलैंड टीम के अधिकांश पहली पसंद के खिलाड़ी गायब थे। बाबर को हाल ही में कप्तान के रूप में बहाल किए जाने के साथ, यह उनकी टूर्नामेंट की

तैयारी के लिए एक और बड़ी चुनौती थी। आज का मैच शाम 7 बजे शुरू होगा, जिसमें आयरलैंड सीरीज में 1-0 से आगे है. एक्स पर एक पोस्ट में, पीसीबी ने नकवी का ग्रीन शर्ट्स से मुलाकात और उनसे बात करते हुए एक वीडियो साझा किया, जिसमें कहा गया कि दो घंटे की बैठक के दौरान कार्य योजना पर विस्तृत चर्चा हुई। टीम को प्रोत्साहित करते हुए, पीसीबी अध्यक्ष ने खिलाड़ियों से कड़ी मेहनत, जुनून और पेशेवर दृष्टिकोण के साथ खेलने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि टी20 क्रिकेट को एक अद्वितीय और आक्रामक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, उन्होंने कहा कि जीत तभी संभव है जब क्रिकेट आधुनिक तरीके से खेला जाए। पीसीबी ने टीम से कहा, एक कार्य योजना एक कमरे में बैठकर बनाई जा सकती है लेकिन असली परीक्षा जमीन पर होती है, जहां प्रदर्शन दिखना चाहिए। नकवी ने सभी खिलाड़ियों की प्रशंसा करते हुए उन्हें निस्संदेह प्रतिभाशाली, पेशेवर और सर्वश्रेष्ठ बताया, साथ ही कहा कि टीम का गेंदबाजी आक्रमण शानदार था। हालाँकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्ररक्षण करते समय बहुत अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है ताकि प्रतिद्वंद्वी को गोल करने का कोई मौका न मिल सके।

खिलाड़ी पाकिस्तान के लिए उम्मीद हैं और आपको देश की उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। पीसीबी अध्यक्ष ने कहा, टीम वर्क जीत के लिए बुनियादी चीज है। उन्होंने कहा कि जनता क्रिकेट को पसंद करती है और उन्हें टीम से उम्मीदें हैं। नकवी ने कहा कि टीम के सभी 11 खिलाड़ी एकजुट होकर प्रदर्शन करेंगे तो सफलता मिलेगी. उन्होंने कहा,आयरलैंड के खिलाफ पहले मैच में हार को कोई स्वीकार नहीं कर रहा है। आयरलैंड और इंग्लैंड के बाद असली परीक्षा विश्व कप है।

कोहली आईपीएल में एक टीम के लिए 250 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी

नई दिल्ली। विराट कोहली ने इंडियन प्रीमियर लीग में किसी एक टीम के लिए 250 मैच खेलने वाले पहले खिलाड़ी बनकर इतिहास रच लेकिन अभी तक आईपीएल की सफलता का स्वाद नहीं चख पाए हैं। विराट टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं

दिया। रविवार को बेंगलुरु में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के मैच के दौरान वह इस मुकाम पर पहुंचे। जबकि एमएस धोनी (263 मैच), रोहित शर्मा (256 मैच), और दिनेश कार्तिक (254 मैच) ने आईपीएल में 250 से अधिक खेल खेले हैं, उन्होंने अपने पूरे करियर में कई टीमों का प्रतिनिधित्व किया है। आरसीबी के लिए 249 मैचों में विराट ने 38.71 की औसत और 131.64 की स्ट्राइक रेट से 7897 रन बनाए हैं, जिसमें आठ शतक और 55 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 113 है. वह 2009, 2011 और 2016 में तीन बार आईपीएल फाइनल में पहुंचे हैं, और उनके नाम टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक हैं। विराट के नाम टूर्नामेंट के एक संस्करण में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भी है, उन्होंने 2016 में 16 मैचों में 81 से अधिक की औसत, 152 से ऊपर की स्ट्राइक रेट के साथ 973 रन बनाए थे, जिसमें उनके बल्ले से चार अर्द्धशतक और सात शतक निकले थे। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 113 है. मौजूदा सीजन में 12 मैचों में 70.44 की औसत और 153.51 की स्ट्राइक रेट से 634 रन बनाकर विराट के पास सबसे ज्यादा रनों के मामले में ऑरेंज कैप है। उन्होंने एक शतक और पांच अर्द्धशतक बनाए हैं और उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 113 है।

कार्लसन ने जीता रैपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट, प्रगनानंदा को चौथा स्थान

नई दिल्ली। मैग्नस कार्लसन ने सुपरबेट रेपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट जीत लिया है। वहीं, भारत के ग्रैंडमास्टर आर प्रगनानंदा इस टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे स्थान पर रहे। यह टूर्नामेंट ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है। अंतिम दिन कार्लसन ने ब्लिट्ज वर्ग में नौ में से आठ अंक जुटाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। चीन के वेई यी अंतिम दिन 2.5 अंक की बढ़त के साथ उतरे थे, लेकिन अंतिम नौ बाजियों में पांच ही अंक जुटा सके और दूसरे स्थान पर रहे। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी कार्लसन ने अंतिम दिन सात बाजी जीती और दो ड्रॉ की। उन्होंने कुल 26 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। वेई उनसे आधा अंक पीछे दूसरे स्थान पर रहे। पोलैंड के डुडा यान क्रिस्टोफ ने 19.5 अंक के साथ तीसरा, जबकि प्रगनानंदा ने 19 अंक के साथ चौथा स्थान हासिल किया। भारत के अर्जुन एरिगेसी 18 अंक के साथ पांचवें स्थान पर रहे। नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव ने 17.5 अंक के साथ छठा, जबकि किरिल शेवचेनकोव ने 17 अंक के साथ सातवां स्थान हासिल किया।

आरसीबी के खिलाफ हार के बाद डीसी कप्तान ने कहा-छोड़े गए कैचों ने टीम को नुकसान पहुंचाया

बेंगलुरु। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ मिली 47 रन की हार के बाद, दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के कप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि छोड़े गए कैचों ने टीम को नुकसान पहुंचाया। अक्षर ने मैच में बल्ले से अकेले दिल्ली के लिए संघर्ष किया और 146.15 की स्ट्राइक रेट से 39 गेंदों में 57 रन बनाए। दूसरी पारी में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने 5 चौके और 3 छक्के लगाए। मैच के बाद अक्षर ने कहा कि आरसीबी के खिलाफ मैच के दौरान मिसफील्डिंग से उन्हें नुकसान हुआ। उन्होंने कहा कि 160-170 रन बराबर स्कोर हो सकते थे। दिल्ली के खिलाड़ियों ने मैच में चार कैच छोड़े।

उन्होंने कहा, छोड़े गए कैच ने हमें नुकसान पहुंचाया। उन्हें 150 तक सीमित किया जा सकता था। जब आप लक्ष्य का पीछा करते हुए पावरप्ले में चार विकेट खो देते हैं, तो आप हमेशा मैच में पीछे हो जाते हैं। 160-170 बराबर स्कोर होता। पिच

दो गति वाली थी। कुछ गेंदे फिसल रही थीं तो कुछ पकड़ कर आ रही थीं। जब आपके मुख्य खिलाड़ी रन आउट हो जाते हैं और आप पावरप्ले में चार विकेट खो देते हैं, तो कुछ भी हो सकता है।

बेंगलुरु ने दिल्ली को 47 रनो से हराया

एजेंसी

मुंबई। फाफ डु प्लेसिस की कप्तानी वाली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 सीजन में महाधमाका कर दिया है. उसने खेले गए मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को 47 रनों से करारी शिकस्त दी और पॉइंट्स टेबल में भी लंबी छलांग लगाई.बेंगलुरु के एम चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए ्रष्टक्चटीम ने 188 रनों का टारगेट सेट किया था. जवाब में दिल्ली कैपिटल्स 19.1 ओवरों में 140 रन ही बना सकी और मैच गंवा दिया.इस मुकाबले में एक मैच के प्रतिबंध के कारण ऋषभ पंत नहीं खेले. ऐसे में टीम स्ट्रगल करती नजर आई. पंत की जगह अक्षर पटेल ने कप्तानी संभाली और टीम के लिए 39 गेंदों पर सबसे ज्यादा 57 रनों की पारी भी खेली. हालांकि वो टीम को जीत नहीं दिला सके.उनके अलावा शाई होप ने 29 और जेक फ्रेजर-मैकगर्क ने 21 रन बनाए. दूसरी ओर आरसीबी के

गेंदबाजों ने मिलकर दमदार खेल दिखाया. यश दयाल ने 3 और लोकी फर्ग्यूसन ने 2 विकेट हासिल किए.

जबकि स्वप्निल सिंह, मोहम्मद सिराज और कैमरन ग्रीन ने 1-1 विकेट लिया.टॉस हारकर पहले बैटिंग करते हुए बेंगलुरु टीम ने 9 विकेट गंवाकर 187 रन बनाए. कोहली का IPL में यह 250वां मैच रहा, जिसमें वो 13 गेंदों पर 27 रन बनाकर आउट हुए. मगर रजत पाटीदार ने धमाल कर दिया. उन्होंने 29 गेंदों पर फिफ्टी जमाई. पाटीदार ने 32 गेंदों पर 52 रनों की आतिशी पारी खेली.जबकि विल जैक्स ने 29 गेंदों पर 41 रन जड़े. पाटीदार और जैक्स के बीच 53 गेंदों पर 88 रनों की पार्टनरशिप हुई. आखिर में कैमरन ग्रीन ने 24 बॉल पर 32 रन बनाए. दूसरी ओर दिल्ली के लिए खलील अहमद और रसिक सलाम ने 2-2 विकेट झटके.

जबकि ईशांत शर्मा, मुकेश कुमार और कुलदीप यादव को 1-1 सफलता मिली.IPL में जब भी दिल्ली और बेंगलुरु के बीच टक्कर हुई है, तब मुकाबला रोचक ही रहा है. दोनों के बीच अब तक 31 मैच खेले गए, जिसमें आरसीबी का पलड़ा भारी रहा. उसने 19 मुकाबले अपने नाम किए, जबकि 11 में दिल्ली को जीत मिली. एक मुकाबला बेनतीजा रहा।

चेन्नई सुपर किंग्स ने राजस्थान रॉयल को पांच विकेट से हराया

एजेंसी

चेन्नई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 का 61वां मैच रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और राजस्थान रॉयल (आरआर) के बीच खेला गया। मैच में चेन्नई सुपर किंग्स ने राजस्थान रॉयल्स को पांच विकेट से हरा दिया। चेन्नई के एमए चिदंबरम स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में राजस्थान की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की और 20 ओवर में पांच विकेट पर 141 रन बनाए। जवाब में चेन्नई की टीम ने 18.2 ओवर में पांच विकेट पर 145 रन बनाकर जीत दर्ज कर ली।

इस मैच में जीत के साथ सीएसके अंक तालिका में तीसरे नंबर पर पहुंच गई है। टीम के 13 मैचों के बाद सात जीत और छह हार के साथ 14 अंक हो गए हैं। राजस्थान की टीम 12 मैचों में आठ जीत और चार हार के साथ दूसरे स्थान पर बनी हुई है। टीम के 16 अंक हैं। 142 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी सीएसके को कप्तान

ऋतुराज गायकवाड़ और रचिन रवींद्र ने अच्छी शुरुआत दिलाई। दोनों ने शुरुआती तीन ओवर में 28 रन बटोर लिए। टीम का पहला विकेट 32 के स्कोर पर गिरा। रचिन 18 गेंदों में 2 छक्के और एक चौके की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद कप्तान ऋतुराज ने डेरिल मिचेल के साथ पारी आगे बढ़ाई और पावरप्ले की समाप्ति तक टीम का स्कोर 50 के पार पहुंचा दिया। सीएसके को दूसरा झटका डेरिल मिचेल के रूप में लगा। मिचेल 22 रन बनाकर आउट हुए। मिचेल के बाद बल्लेबाजी के लिए आए मोइन अली भी 13 गेंदो पर 10 रन बनाकर जल्दी आउट हो गए। पिछली कुछ पारियों से बड़े रन बनाने से जूझ रहे शिवम दुबे भी 11 गेंदों पर 18 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। सीएसके का पांचवां विकेट रविन्द्र जडेजा के रूप में गिरा। जडेजा को फील्डिंग में बाधा डालने के कारण आउट करार दिया गया। जडेजा ने 5 रन बनाए। इस दौरान दूसरे छोर से कप्तान ऋतुराज जमे रहे और टीम को जीताकर लौटे। ऋतुराज ने नाबाद 41 गेंदों पर 2 छक्के और एक चौके की मदद से नाबाद 42 रन बनाए।

राजस्थान की तरफ से रविचंद्रन अश्विन ने 2 विकेट, नांद्रे बर्गर और युजवेंद्र चहल ने एक-एक विकेट लिया। इससे पहले, मैच में बल्लेबाजी करते हुए राजस्थान की टीम ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 141 रन बनाए। राजस्थान टीम की बल्लेबाजी मैच में खराब रही। टीम के बल्लेबाज शुरू से ही रन बनाने के लिए जूझते नजर आए। टीम के लिए रियान पराग ने 35 गेंदों पर एक चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 47 रन बनाए। रियान के अलावा ध्रुव जुरेल ने 28 रन, यशस्वी जायसवाल 24 रन, जोस बटलर 21 रन, कप्तान संजू सैमसन ने 15 रन बनाए। चेन्नई की ओर से सिमरजीत सिंह ने तीन विकेट लिए, जबकि तुषार देशपांडे ने दो विकेट झटके।

विश्व कुश्ती ओलंपिक क्वालीफायर: भारत ने दो कोटा के साथ अभियान समाप्त किया

एजेंसी

इस्तांबुल। भारत ने विश्व ओलंपिक कुश्ती क्वालीफायर में अपना अभियान दो पेरिस ओलंपिक 2024 कोटा के साथ समाप्त किया, जो पहलवान अमन सहरावत और निशा दहिया ने क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में हासिल किए। निशा और अमन ने भारतीय पहलवानों के कोटे की संख्या छह तक पहुंचा दी है। इस्तांबुल की यह प्रतियोगिता भारत के लिए कुश्ती में पेरिस 2024 कोटा हासिल करने का आखिरी मौका था। आयोजन के अंतिम दिन, सुजीत कलकल और जयदीप अहलावत को अपने कांस्य पदक मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। 65 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए सुजीत ने सेमीफाइनल में जगह बनाई लेकिन रविवार को एशियाई खेलों के चैंपियन मंगोलिया के तोमर-ओचिरिन तुल्गा से हार गए। जब स्कोर 2-2 से बराबर था तब उन्हें यूएसए के ज़ैन रदरफोर्ड ने मानदंड के आधार पर हराया था। प्रत्येक

डिवीजन में दोनों फाइनलिस्टों ने अपने देशों के लिए 2024 पेरिस ओलंपिक कोटा सुरक्षित कर लिया है। तीसरा कोटा एक विशेष भार वर्ग के कांस्य पदक विजेताओं के बीच प्लेऑफ़ मैच के विजेता को मिला।2021 में टोक्यो ओलंपिक में पुरुषों के 65 किग्रा में कांस्य पदक हासिल करने वाले बजरंग पुनिया क्वालीफायर के लिए भारतीय कुश्ती टीम का हिस्सा नहीं थे।क्वार्टर फाइनल में हार के बाद 74 किग्रा के रेपेचेज राउंड में जगह बनाने वाले जयदीप अहलावत को कांस्य पदक मुकाबले में तुर्किये के सोनेर डेमिरतास के खिलाफ 2-1 से करीबी हार का सामना करना पड़ा। उन्होंने इससे पहले रेपेचेज राउंड में तुर्कमेनिस्तान के अर्सलान अमानमिरादोव को 11-0 से हराया था। कुल 14 भारतीय पहलवान 9 से 12 मई तक क्वालीफायर में खेले।

अमन ने 57 किग्रा वर्ग में ओलंपिक 2024 कोटा हासिल किया, जो पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए पुरुष फ्रीस्टाइल वर्ग में भारत का पहला कोटा है। टोक्यो ओलंपिक में 57 किलोग्राम वर्ग में रजत पदक विजेता रवि कुमार दहिया भी क्वालीफायर के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने में असफल रहे।

रेनेगेड्स ने सेकोम्बे, स्टार्स ने क्लिंट मकॉय को उच्च प्रदर्शन प्रबंधक नियुक्त किया

एजेंसी

मेलबर्न। मेलबर्न रेनेगेड्स ने वेड सेकोम्बे और मेलबर्न स्टार्स ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज क्लिंट मकॉय को अपने नए उच्च प्रदर्शन प्रबंधक के रूप में नियुक्त किया है। ईसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, सेकोम्बे के कोचिंग में इस साल की शुरुआत में ब्रिस्बेन हीट ने अपना दूसरा बीबीएल खिताब जीता था, लेकिन पुरुषों की शेफील्ड शील्ड टूर्नामेंट में टीम के खराब प्रदर्शन के कारण क्वींसलैंड क्रिकेट की समीक्षा के बाद उन्होंने हीट और क्वींसलैंड कोच के पद से हटा दिया गया था।

सेकोम्बे इस महीने के अंत में रेनेगेड्स के साथ पूर्णकालिक भूमिका निभाने के लिए ब्रिस्बेन से मेलबर्न चले जाएंगे। मकॉय स्टार्स के बैकरूम स्टाफ से, जहां वह गेंदबाजी कोच थे, अपनी नई भूमिका में चले गए हैं। मकॉय को पिछले दो वर्षों में नियमित रूप से ऑस्ट्रेलिया के कोचिंग सेट-अप में स्टैंड-इन व्हाइट-बॉल गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल किया गया है। दोनों नियुक्तियाँ दो बीबीएल क्लबों और विक्टोरिया के उच्च प्रदर्शन कार्यक्रम के बीच अधिक तालमेल लाएगी जो ग्राहम मनौ द्वारा चलाया जाता है।मनौ ने एक बयान में कहा, क्लिंट और वेड जैसी क्षमता वाले दो लोगों का क्रिकेट विक्टोरिया में हमारे क्रिकेट प्रदर्शन कार्यक्रम में शामिल होना और हमारे दोनों बिग बैश क्लबों के साथ मिलकर काम करना वास्तव में सुखद है। उन्होंने आगे कहा, वे टी20 कौशल और क्षमता पर विशेष ध्यान देने के साथ प्रतिभा प्रबंधन और पहचान प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। वे हमारे मौजूदा अभिजात वर्ग और विकास कार्यक्रमों का भी सक्रिय हिस्सा होंगे, जो हमारे कार्यक्रमों के भीतर टी20 क्रिकेट पर नए सिरे से जोर देंगे। डेविड सेकर को उनके अनुबंध पर एक साल के लिए बर्खास्त किए जाने के बाद सेकोम्बे का पहला काम रेनेगेड्स में एक नए मुख्य कोच की भर्ती की देखरेख करना होगा।

बजरंग का एक्सपायरी किट से सैंपल लेने पहुंचे डीसीओ को हटाया, नाडा ने की कार्रवाई

नई दिल्ली। ओलंपिक पदक विजेता पहलवान बजरंग का एक्सपायरी किट के साथ सैंपल लेने पहुंचे डोप कंट्रोल ऑफिसर (डीसीओ) को हटा दिया गया है। नाडा ने डीसीओ के खिलाफ कारवाई मामले की प्रारंभिक जांच के बाद की है। वहीं ट्रायल में सैंपल नहीं दिए जाने के आरोप में अस्थायी रूप से प्रतिबंधित किए गए बजरंग ने नाडा को नोटिस का जवाब दे दिया है। उन्होंने इस मामले की जल्द सुनवाई की मांग की है। जांच में पाया गया कि 13 दिसंबर, 2023 को डीसीओ बजरंग के आवास पर सैंपल की किट नाडा ऑफिस से ले जाने की बजाय अपने पास से पुरानी किट ले गया था। सैंपल देने का समय सुबह आठ बजे था।

थोड़ी सी जो पी... 30-40 टेक में भी नहीं बनी बात, फिर

ऋचा चड्ढा

ने शराब पी और सीन हो गया

ऋचा चड्ढा ने 'हीरामंडी' में लज्जो का किरदार निभाया है. उनकी एक्टिंग लोगों का काफी पसंद आई है. 'हीरामंडी' के स्ट्रीम होने के बाद से वो कई इंटरव्यू दे चुकी हैं और कई सारी बातों का खुलासा भी कर चुकी हैं. अब हाल ही में उन्होंने एक इंटरव्यू में ये खुलासा किया कि सीरीज के एक डांस सीक्वेंस के लिए उन्होंने शराब पी थी. दरअसल हुआ कुछ यूं कि ऋचा चड्ढा से एक डांस सीक्वेंस नहीं हो पा रहा था. एक्ट्रेस ने खुद बताया किस्सा.डांस सीक्वेंस के लिए ऋचा चड्ढा 30 से 40 टेक ले चुकी थीं. लेकिन बात नहीं बन पा रही थी. उन्होंने कहा कि उन्हें थोड़ी सी पीने दें. उसके बाद देखें कि क्या होता है और ऋचा चड्ढा ने पी ली. ऋचा ने कहा, पहले दिन, मुझे डूंक डांस करना नहीं आ रहा था. इसलिए 30-40 टेक के बाद मैंने सोचा कि मुझे एक क्वार्टर लेने दो और देखो क्या होता है. मैंने कुछ शराब पी ली. मैंने थोड़ी सी पी ली. लेकिन इससे चीजें और खराब हो गईं. मैं अपनी बॉडी मूवमेंट में सुस्ती नहीं चाहती थी. बस मैं इसमें कुछ कमी चाहती थी.

मैंने लगभग सेंचुरी पूरी कर ली...

लेकिन शराब पीने के बाद ऋचा को एहसास हुआ कि चीजें सही होने की बजाय खराब हो गईं. उनका शरीर सुस्त पड़ा गया. उन्होंने आगे बताया कि असल में थोड़ा नशे में होने से बेहतर है कि नशे में होने का नाटक किया जाए. उन्होंने बताया कि उन्होंने इस सीन को लगभग 99 रीटेक के बाद खत्म किया. ऋचा ने कहा, मैंने लगभग सेंचुरी पूरी कर ली. ये आसान नहीं है. लोग सोचते हैं कि ये बहुत आसान है. आप अंदाजा लगाइए कि आप डांस कर रहे हैं और लगभग 200-300 से ज्यादा लोग आपको देख रहे हैं, और आप अच्छा नहीं कर पा रहे हैं. लेकिन जब आप उस पर काबू पा लेते हैं, तो आपको ऐसा लगता है, 'वाह, मुझे नहीं पता था कि मैं ऐसा कर सकती हूं.

अली फजल ने दी बधाई

इसके अलावा उन्होंने ये भी कहा कि उन्होंने अपने सभी सीन को करने के लिए अपना 100 परसेंट दिया है. उन्हें ये सीन करना बहुत मजेदार लगा. इसके अलावा हाल ही में ऋचा चड्ढा के पति अली फजल ने भी एक इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए उनके डांस की तारीफ की थी. उन्होंने 'हीरामंडी' के लिए ऋचा को बधाई भी दी थी.

कौन हैं अनुराग सिंह? जो सनी देओल और आयुष्मान खुराना संग बना रहे बॉर्डर 2

बॉलीवुड में जब भी एक्शन फिल्मों की बात होती है तो उस दौरान सुपरस्टार सनी देओल का नाम जरूर सामने आता है. उन्होंने अपने करियर में एक से बढ़कर एक धाकड़ फिल्में की हैं. पिछले साल ही उन्होंने गदर 2 फिल्म से बॉलीवुड में अपनी ऐतिहासिक वापसी की. अब एक्टर की निगाहें अगली फिल्म पर हैं. ये भी एक सीक्वल फिल्म है. फिल्म का नाम है बॉर्डर. साल 1997 में जे पी दत्ता ने ये फिल्म बनाई थी. इसमें सनी देओल के अलावा अक्षय खन्ना, पुनीत इस्सर, कुलभूषण खरबंदा और सुनील शेट्टी जैसे स्टार्स नजर आए थे. अब इस फिल्म का सीक्वल आने जा रहा है. जहां एक तरफ पहले पार्ट का निर्देशन जेपी दत्ता ने किया था वहीं दूसरे पार्ट की बात करें तो इसका निर्देशन अनुराग सिंह करेंगे. भले ही ये नाम बहुत ज्यादा चर्चा में अभी तक न रहा हो लेकिन डायरेक्टर बॉलीवुड में काम कर चुके हैं. यहां तक कि वे अक्षय कुमार को एक सुपरहिट फिल्म भी दिला चुके हैं.

कौन हैं अनुराग सिंह?

अनुराग सिंह की बात करें तो वे इंडस्ट्री में कोई नया नाम नहीं हैं और वे पिछले 17 साल से फिल्में कर रहे हैं. उनकी फिल्मों को खूब पसंद भी किया गया है. लेकिन शायद लोगों को इस बात का अंदाजा ही न हो कि ये फिल्में अनुराग सिंह ने बनाई हैं. उन्होंने साल 2007 की फिल्म रकीब से अपने करियर की शुरुआत की थी. उन्होंने इसके बाद एक एक्सपेरिमेंटल स्टोरी पर फिल्म बनाई. ये स्टोरी क्रिकेट पर बनी थी. इसमें शाहिद कपूर और रानी मुखर्जी लीड रोल में थे. इसके बाद एक्टर ने कई सारी पंजाबी फिल्मों में काम किया. उन्होंने जट जूलियट, डिस्को सिंह और पंजाब 1984 जैसी फिल्मों में काम किया.

2019 था टर्निंग प्वाइंट

बता दें कि डायरेक्टर के करियर में साल 2019 उनके लिए एक बहुत बड़ा टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ. इस दौरान डायरेक्टर ने अक्षय कुमार संग केसरी फिल्म बनाई. ये फिल्म चल पड़ी. इसका फायदा एक्टर-डायरेक्टर दोनों को मिला. इसके बाद फिर उन्होंने साउथ में वापसी की. उनकी ये वापसी जोरदार साबित हुई. इसके बाद उनकी बॉलीवुड फिल्म जुग जुग जियो आई लेकिन ये फिल्म ज्यादा नहीं चल सकी. अब डायरेक्टर पर जेपी दत्ता ने अपना भरोसा जताया है. अब देखने वाली बात ये होगी कि इस फिल्म से अनुराग सिंह क्या कमाल करते हैं.

तो 200 करोड़ का मन्नत शाहरुख नहीं, सलमान खान का होता, इस वजह से नहीं बनी बात

बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान की दुनिया दीवानी है. अपने दम पर फिल्मों में जगह बनाने वाले एक्टर ने अपने करियर में कई सुपरहिट फिल्में दी हैं. उनका सपना था मुंबई पर राज करना और आज उन्हें बॉलीवुड का किंग कहकर बुलाया जाता है. एक्टर मुंबई में जिस आशियाने में रहते हैं उसका नाम मन्नत है. मन्नत के बाहर उन्हें देखने के लिए खास मौकों पर लोगों का भारी हुजूम नजर आता है. शाहरुख के हर फैन्स की ये ख्वाहिश होती है कि वो एक बार तो सुपरस्टार के घर जाए और उनके साथ डिनर करे. लेकिन क्या आपको पता है कि जिस 200 करोड़ के बंगले में शाहरुख खान रहते हैं वो बंगला उनका नहीं था. बल्कि ये बंगला तो उनसे पहले सलमान खान को ऑफर हुआ था.

जी हां, खुद एक इंटरव्यू के दौरान सलमान खान ने ही इस बात का खुलासा किया था. उनसे बॉलीवुड हंगामा में एक पुराने इंटरव्यू के दौरान ये पूछा गया था कि आखिर वो कौन सी ऐसी चीज है जो सलमान को लगता है कि उनके पास नहीं है और शाहरुख के पास है. इसपर रिएक्ट करते हुए सलमान खान कहते हैं कि- उनका जो बंगला है वो. जब मैंने करियर शुरू किया था उस दौरान मुझे ये बंगला ऑफर हुआ था. लेकिन उस दौरान मेरे पिता ने ये कहा था कि इतने बड़े घर में क्या करोगे. लेकिन अब मैं ये बात शाहरुख खान से पूछना चाहता हूं कि आखिर वो इतने बड़े घर में क्या करते हैं?

शाहरुख ने मन्नत को कैसे संवारा?

रिपोर्ट्स की मानें तो मन्नत की कीमत 200 करोड़ रुपये है. एक पुराने इंटरव्यू में शाहरुख खान ने ये रिवील किया था कि जब उन्होंने ये घर लिया था उस दौरान उनके पास इस घर की इंटीरियर डिजाइनिंग के पैसे नहीं थे. ऐसे में उन्होंने अपनी वाइफ गौरी खान से रिक्वेस्ट की थी कि वे घर की इंटीरियर डिजाइनिंग कर लें.

शाहरुख ने कहा था कि उन्हें इस दौरान आए दिन घर को संवारने के लिए ढेर सारे सामान खरीदने पड़ते थे. वहीं सलमान खान की बात करें तो वे मुंबई के गैलेक्सी अपार्टमेंट में रहते हैं. हाल ही में एक्टर के इसी घर पर फायरिंग हुई थी.

'तुम मुझे डरा रहे हो...' पैपराजी को देख ऐसा क्यों बोलीं

प्रीति जिंटा?

प्रीति जिंटा जल्द ही आमिर खान के प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले बनने वाली फिल्म 'लाहौर 1947' में नजर आएंगी. फिल्म में उनके साथ सनी देओल और शबाना आजमी भी दिखेंगी. फिल्म का निर्देशन राजकुमार संतोषी ने किया है. लेकिन इसी बीच उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. इसमें वो कह रही हैं, आप मुझे डरा रहे हो..पैपराजी ने प्रीति जिंटा को मुंबई में एक जगह पर स्पॉट किया. लेकिन इसी दौरान प्रीति अचानक से घबरा गईं और पलटकर पैपराजी से कहने लगीं कि वो प्रीति जिंटा को डरा रहे हैं. हालांकि बाद में प्रीति जिंटा पैपराजी को पोज देती हैं और फोटो भी क्लिक करती हैं. इसके बाद वो पैपराजी का शुक्रिया भी अदा करती हैं लेकिन शुरुआत में वो डर जाती हैं. इस दौरान प्रीति जिंटा ने जिम आउटफिट कैरी किया हुआ था.

लोगों ने क्या कहा?

वे अपने कानों में ईयरफोन लगाई हुई थीं. अब उनका ये वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. लोग इस पर कमेंट्स कर रहे हैं. एक यूजर ने लिखा, उन्हें चलने के लिए थोड़ी जगह दें. ज्यादातर लोग पैपराजी को गलत बता रहे हैं और कह रहे हैं कि उन्हें इस तरह से नहीं करना चाहिए. एक दूसरे यूजर ने लिखा, ये कैमरामैन सभी एक्ट्रेस को हमेशा फॉलो करते रहते हैं. एक और ने लिखा, क्या बकवास है. आप लोगों की प्राइवेसी खराब कर रहे हैं. इसे बंद करें. ये फनी नहीं है.

प्रीति जिंटा की फिल्में

प्रीति जिंटा के करियर की बात करें तो उन्होंने फिल्म 'दिल' से बॉलीवुड में डेब्यू किया था. इसके अलावा उन्हें 'सोल्जर', 'कोई मिल गया', 'कल हो ना हो', 'वीर जारा', 'सलाम नमस्ते' और 'क भी अलविदा ना कहना' जैसी फिल्मों में देखा गया है. प्रीति जिंटा कई लोगों की फेवरेट हैं. उनकी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है. पिछले काफी दिनों से वो सिल्वर स्क्रीन से दूर हैं. लेकिन अब वो सनी देओल के साथ 'लाहौर 1974' से वापसी करने वाली हैं. फिलहाल वे अपनी आईपीएल टीम पंजाब किंग्स को सपोर्ट कर रही हैं और उन्हें चीयर करने मैदान पर भी आती हैं. इस दौरान के विजुअल्स भी खूब वायरल होते हैं.